सेंसेक्स	~	81,425.15
निफ्टी	~	24,973.10
सोना	~	1,10,509
चांदी	~	1,30,000
डॉलर	~	88.07

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 11 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 348
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

आतंकी के फरारी मामले में एसआईए छापेमारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को पुलवामा और अनंतनाग जिलों में छापेमारी की। यह कार्रवाई हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी अमीन बाबा के फरार होने के मामले की जांच के तहत की गई। पुलिस के बताया कि पुलवामा के अवंतीपोरा और अनंतनाग के बिजबेहरा इलाकों में तलाशी ली गई। अमीन बाबा साल 2005 में वाघा-अटारी बॉर्डर से पाकिस्तान भाग गया था। पिछले साल दिसंबर में सरकार ने उसे घोषित अपराधी घोषित कर दिया था।

पंजाब में आप विधायक गिरफ्तार

तरनतारन। पंजाब में खडूर साहिब से आम आदमी पार्टी (आप) के

विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा समेत 12 लोगों को मारपीट और छेड़छाड़ के मामले में दोषी करार दिया गया है। तरनतारन की जिला अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि दोषियों को 12 सितंबर को सजा सुनाई जाएगी। पुलिस ने विधायक समेत 7 को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला 2013 का है। उस समय विधायक लालपुरा टैक्सी ड्राइवर थे। उन पर शादी में आई युवती के साथ मारपीट करने का आरोप लगा था। युवती ने टैक्सी ड्राइवरों पर छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया था। विधायक लालपुरा के एडवोकेट ने बताया कि दलित युवती से मारपीट का केस है। अभी फैसला आना है। हम इसे हाईकोर्ट में चुनौती देंगे।

आजम को डुंगरपुर केस में

जमानत मंजूर

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली। चर्चित डुंगरपुर केस में एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान 10 साल की सजा सुनाई थी। सपा नेता ने इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल की थी। अपील लंबित रहने तक जमानत की गुहार कोर्ट से लाई थी। 12 अगस्त को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को कोर्ट ने आजम खां की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति समीर जैन की अदालत ने की।

कुछ ना कहना

नेपाल के बाद अब राष्ट्रपति मैक्रों की नीतियों, बजट में कटौती और 2 साल में 5 पीएम बदले को लेकर फ्रांस में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन,

1 लाख लोग सड़क पर; 80 हजार पुलिसकर्मी तैनात, 200 उपद्रवी गिरफ्तार

नेपाल/पेरिस। नेपाल के बाद अब फ्रांस में भी सरकार के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। बजट में कटौती के खिलाफ और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफे की मांग को लेकर 1 लाख से ज्यादा लोग बुधवार को सडक़ पर आ गए। गृह मंत्री ब्रूनो रेतेयो ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने रेन शहर में एक बस को आग लगा दी। दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने के बाद ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं। गृह मंत्री ने प्रदर्शनकारियों पर विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। फ्रांस बंद का आह्वान लेफ्ट पार्टियों ने किया है। इस प्रदर्शन को ब्लॉक एवरीथिंग नाम दिया गया। सरकार ने 80 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया है। अब तक 200 से ज्यादा उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

प्रदर्शन की 4 वजहें बताई जा रही हैं। पहली जनता के एक बड़े वर्ग को लगता है कि राष्ट्रपति मैक्रों की नीतियां आम लोगों के हितों के खिलाफ हैं और अमीर वर्ग को फायदा पहुंचाती हैं। सरकार ने खर्चों में कटौती और कल्याणकारी योजनाओं में कमी कर आर्थिक सुधार लागू किए हैं। इससे आम जनता खासकर मध्यमवर्ग और श्रमिक वर्ग पर दबाव बढ़ा है। हाल ही में सेबास्टियन लेकोर्नू को प्रधानमंत्री बनाया गया है। यह दो साल से भी कम समय में पांचवें प्रधानमंत्री हैं। इससे लोगों में अस्थिरता और असंतोष बढ़ गया है। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि उनकी नियुक्ति की शुरुआत से ही सरकार पर दबाव बनाया जाए। वामपंथी गठबंधन और जमीनी संगठनों ने इस नारे के साथ आंदोलन शुरू किया है ताकि देश में सबकुछ ठप करके सरकार को झुकने पर मजबूर किया जा सके।

वेतन वृद्धि की मांग

पेरिस में बुधवार को श्रम मंत्रालय के बाहर सैकड़ों कर्मचारियों ने वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सीजीटी यूनियन के नेता अमार लाघा ने कहा कि 10 साल काम करने के बाद भी कर्मचारियों को 1600 यूरो नेट से ज्यादा वेतन नहीं मिलता। औशां, कार्फूर और मोनोप्रिक्स जैसी कंपनियों के कर्मचारी इसमें शामिल हुए। यूनियनों को उम्मीद है कि यह प्रदर्शन 18 सितंबर की राष्ट्रीय हड़ताल का रास्ता बनाएगा। फ्रांस में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों को वामपंथी राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिल रहा है। वामपंथी पार्टी फ्रांस अनबाउड के नेता जां-ल्यूक मेलेंशों ने अगस्त में ही इस आंदोलन का समर्थन किया था। अब इससे अन्य वामपंथी दल भी जुड़ गए। दो प्रमुख मजदूर संघठनों ने प्रदर्शन में हिस्सा लेने की घोषणा की है। हालांकि ज्यादातर यूनियन 18 सितंबर को होने वाली राष्ट्रीय हड़ताल का इंतजार कर रही हैं।

विरोध प्रदर्शनों के बीच लेकोर्नू ने पद संभाला

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने विरोध प्रदर्शन के बीच बुधवार को पदभार संभाला लिया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के करीबी और पूर्व रक्षा मंत्री लेकोर्नू पिछले दो सालों में पांचवें प्रधानमंत्री बने हैं। लेकोर्नू प्रधानमंत्री निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू से मुलाकात की। बायरू को संसद ने बजट घाटा कम करने की योजना को लेकर असहमति के चलते पद से हटा दिया था।

सडक़ों पर चक्काजाम

फ्रांस में राष्ट्रपति मैक्रों के खिलाफ इस विरोध प्रदर्शन की वजह से सडक़ों पर ट्रैफिक जाम के हालात बन गए हैं और कुछ ही घंटे में पुलिस ने 200 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। स्कूलों और दफ्तरों में हड़ताल जैसे हालात बन गए। प्रदर्शन के चलते पब्लिक ट्रांसपोर्ट, शिक्षण संस्थानों से लेकर अस्पतालों में काम बाधित हुआ है। ब्लॉक एवरीथिंग प्रोटेस्ट की अगुवाई एक विपक्षी लेफ्ट ग्रुप की तरफ से की जा रही है, जो मैक्रों की नीतियों का आलोचक रहा है। यह प्रोटेस्ट 39 साल के नवनिर्वाचित पीएम लेकोर्नु के लिए अग्निपरीक्षा साबित हो सकता है, जो मैक्रों के करीबी हैं और पिछले तीन साल से फ्रांस के रक्षा मंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं।

मैक्रों के लिए मुश्किल दौर

मैक्रों ने मंगलवार देर रात लेकोर्नु को प्रधानमंत्री नियुक्त किया, क्योंकि उनके पूर्ववर्ती फ्रांस्वा बायरू संसद में विश्वास मत हार गए थे, जिसके कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। बायरू और लेकोर्नु के बीच बुधवार को ऑफिशियल हैंडओवर हुआ है। लेकिन उसी दौरान फ्रांस में बवाल शुरू हो गया। लोगों का हुजूम सडक़ों पर उतर आया जो मास्क लगाए हुए थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया है। गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलो ने बुधवार को बताया कि करीब 50 नकाबपोश लोगों ने बोर्डो में नाकाबंदी शुरू की और कुछ जगह आगजनी भी की गई है। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस में टूलूज और औच के बीच ट्रैफिक ठप हो गया। रिटेलो ने बताया कि पेरिस में भी कुछ प्रदर्शन हुए हैं। पेरिस पुलिस ने बताया कि सुबह के प्रदर्शनों में 75 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि इन गिरफ्तारियों की वजह क्या थी।

नेपाल में सब जलकर खाक, 30 से अधिक की गई जान

हिंसा की वजह से नेपाल में अरबों का नुकसान हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने कई मंत्रियों के घर फूंक दिए। संसद भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन, पीएम आवास तक में आग लगा दी गई। कई मंत्रियों के घर को भी आग के हवाले कर दिया गया। आमजन के घरों को भी फूंक दिया गया। सब जलकर खाक हो गए। उपद्रवियों ने पूर्व पीएम की पत्नी को भी आग के हवाले कर दिया। उनकी मौत हो गई। इतना ही नहीं, कई हवाई अड्डों पर आगजनी और तोडफ़ोड़ की गई। दरअसल, नेपाल में तख्तापलट हो गया है। वहां की ओली सरकार गिर गई है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा समेत करीब 10 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। इस समय वहां सेना के हाथों में शासन है। सोशल मीडिया बैन के खिलाफ भडक़ी हिंसा में अब तक 30 लोगों की मौत हो गई है जबकि सैंकड़ों लोग घायल हुए हैं।

सुशीला कार्की बन सकती हैं नेपाल की अंतरिम पीएम

नेपाल से अंतरिम पीएम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम पीएम बन सकती हैं। सुशीला नेपाल सुप्रीम कोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस रह चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक, जेन-जेड की वर्चुअल मीटिंग में इसको लेकर आम सहमति बनी है। जानकारी के मुताबिक, वर्चुअल मीटिंग में करीब 5000 लोग शामिल हुए। इस दौरान जेन-जेड ने उनके नाम (सुशीला कार्की) का प्रस्ताव रखा। सुशीला नेपाल की पहली महिला जस्टिस हैं।

नेपाल की जेलों से भागे कैदी...भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ाई गई

10 कैदियों को भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते पकड़ा

नई दिल्ली। नेपाल में जारी अशांति और जेल से कैदियों के भागने की घटना के बाद, भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भारतीय सीमा सुरक्षा बल सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने नेपाली आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) के साथ मिलकर सीमा पर कड़ी निगरानी और गश्त बढ़ा दी है। इसके तहत सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है और गहन जाँच चल रही है। सीमावर्ती चौकियों पर सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

सीमा पर गश्त मार्गों को फिर से व्यवस्थित किया गया है। वहीं भाग चुके कैदियों की सूची मांगी गई है, जिसमें उनके नाम, आपराधिक रिकॉर्ड और अति-जोखिम वाले कैदियों की जानकारी शामिल है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दो त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्विक रिएक्शन टीम) का गठन किया गया है।

भागे हुए कैदियों की गिरफ्तारी

नेपाल की जलेश्वर जेल से भागे 10 कैदियों को भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते हुए एसएसबी ने पकड़ा है। इन कैदियों में आठ नेपाली और दो भारतीय नागरिक शामिल हैं। नेपाली कैदी में रामगुलाम महतो, विनोद राय, मोजाहिद अंसारी, सुरेन्द्र साह सोनार, इंद्रेश मंडल, कृष्ण कुमार महतो, रियाज दफाली, और राजेश तमांग शामिल है। वहीं भारतीय कैदी में मोहन कुमार (वैशाली, बिहार) और गुड्डू कुमार (मोतिहारी, बिहार)।

इन सभी को भिठ्ठा और सुरसंड पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। पुलिस ने बताया है कि आगे की कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देश पर की जाएगी। जलेश्वर जेलब्रेक में कुल 577 कैदियों में से 576 कैदी भाग गए थे, जिनमें से 10 को भारत में पकड़ा गया। इस घटना के बाद, महोत्तरी जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया है, और जलेश्वर नगर सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में सन्नाटा पसरा हुआ है।

पूरे देश में वोटर लिस्ट के एसआईआर को हरी झंडी

नई दिल्ली। देशभर में अक्टूबर से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होने की संभावना है। निर्वाचन आयोग की ओर से सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हो रही बैठक में इस पर सहमति बनी है।

सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के ष्टश्वह्र से कहा है कि 30 सितंबर तक कागज़ी कार्यवाही और जरूरी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। अधिकांश राज्यों ने भरोसा जताया है कि वे सितंबर के अंत तक पूरी तरह तैयार हो जाएंगे।

जल्द हो सकता है ऐलान

बिहार विधानसभा चुनाव खत्म होने से पहले ही देशव्यापी एसआईआर की औपचारिक घोषणा की जा सकती है। हालांकि, अंतिम तारीखें तभी तय होंगी जब सभी राज्यों के सीईओ अपनी प्रगति रिपोर्ट आयोग को सौंप देंगे।

चुनाव आयोग अपडेट करेगा मतदाता सूची

निर्वाचन आयोग का मानना है कि एसआईआर के जरिए न सिर्फ नई मतदाता सूची अपडेट होगी, बल्कि पारदर्शिता और चुनावी प्रक्रियाओं पर भरोसा भी और मजबूत होगा। चुनाव आयोग के इस विशिष्ट आयोजन में राज्यों के सीईओ के समक्ष विभिन्न सत्रों में स्ढ्ढक्र की तैयारियों सहित साढ़े तीन घंटे से अधिक के प्रेजेंटेशन दिए गए। आयोग ने अलग अलग राज्यों के मुख्य निर्वाचन आधिकारियों को वहां होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए मतदाताओं की तस्दीक के लिए जमा कराए जाने वाले सनदी प्रमाणपत्रों की सूची बनाने को भी कहा गया है।

ये सूची राज्य में स्थानीय स्तर पर मान्य सहज उपलब्ध दस्तावेजों पर आधारित होगी। अलग-अलग राज्यों में दस्तावेजों के नाम और प्रकार होंगे। जैसे आदिवासी बहुल राज्यों में, उत्तर पूर्वी समीवर्ती राज्यों में, समुद्र तटीय राज्यों में कई जगह पहचान और आवास के विशिष्ट प्रमाणपत्र भी होते हैं। कई जगह क्षेत्रीय स्वायत्त बोर्ड और निकाय भी ऐसे प्रमाण पत्र जारी करते हैं। चुनाव आयोग द्वारा 25 जून से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची को अपडेट करने का कार्य किया। इस प्रक्रिया के पहले चरण में एक अगस्त को मसौदा मतदाता सूची जारी की गई थी, जिसमें 7.24 करोड़ नाम दर्ज थे जो पहले की तुलना में 65 लाख कम थे। एक अगस्त से एक सितंबर तक दावों और आपत्तियों की अवधि के दौरान कुल 16 लाख 56 हजार 886 लोगों ने नए नाम जोडऩे के लिए आवेदन किया। इसके अलावा 2 लाख 17 हजार 49 लोगों ने नाम हटाने और 36 हजार 475 लोगों ने मतदाता सूची में सुधार के लिए आवेदन जमा किए।

बिना नोटिस के नहीं कटेगा किसी का नाम

बिहार में एसआईआर प्रकिया चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया था कि जिन मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया, उनका पक्ष सुने बिना उनकी मतदाता पात्रता पर श्वक्रह्ल कोई अंतिम फैसला नहीं लेंगे। आयोग ने ये भी भरोसा दिलाया था कि किसी भी वैध मतदाता का नाम सूची से नहीं हटाया जाएगा और बिना नोटिस के किसी का नाम नहीं काटा जाएगा।

पड़ोसी देशों में जारी हिंसा के बीच सुप्रीम कोर्ट बोला

हमें अपने देश के संविधान पर गर्व

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रपति और राज्पाल की विधेयकों को मंजूरी देने की समय सीमा से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि हमें भारत के संविधान पर गर्व है। नेपाल और बांग्लादेश के हालिया राजनीतिक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए अदालत ने ये टिप्पणी की।

सीजेआई बीआर गवई ने कहा-पड़ोसी देशों में हो रही अस्थिरता भारत के मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे की ताकत को रेखांकित करती है। यह बयान उस समय आया जब अदालत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपालों द्वारा राज्यों के विधेयकों को मंजूरी देने के लिए तय समय सीमा पर चर्चा कर रही थी।

इतने सख्त कानून के बाद भी महिलाओं का हो रहा सेक्सुअल हैरेसमेंट - हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि सख्त कानून के बावजूद ऑफिस में महिलाओं के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट अभी भी हो रहा है। क्यों पुरुषों की सोच नहीं बदली है। वर्क-प्लेस पर सेक्सुअल हैरेसमेंट का जम्मू-कश्मीर से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि एक महिला चाहे घर हो या ऑफिस हमेशा डर, शिष्टाचार और माफी के बीच जीती है। उन्होंने कहा कि शेक्सपियर की कविता महिलाओं की जिंदगी को सही ढंग से बयां करती हैं। आगे पंक्तियां पढ़ी,

पहले मेरा डर, फिर मेरा शिष्टाचार, और आखिर में मेरी बात। मेरा डर आपका नाराज होना है, मेरा शिष्टाचार मेरा कर्तव्य और मेरी बात आपसे माफी मांगने के लिए। यह मामला जम्मू-कश्मीर के एक सरकारी अधिकारी से जुड़ा है। उसके खिलाफ दिसंबर 2014 में एक महिला ने शिकायत दर्ज कर सेक्सुअल हैरेसमेंट और धमकी देने का आरोप लगाया था। आसिफ हमीद खान ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके कहा कि विभागीय जांच में उन्हें पहले ही बरी कर दिया गया है। इसके अलावा, पुलिस ने मामले में क्लोजर रिपोर्ट भी दाखिल कर दी थी। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया है। खान ने इसी आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने खान की अपील खारिज कर दी। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सेक्सुअल हैरेसमेंट पर राज्य कंप्लेंट कमेटी बनाएं सभी राज्य वर्क-प्लेस पर महिलाओं को सेक्शुअल हैरेसमेंट से बचाने के लिए इंटरनल कंप्लेंट कमेटी बनाएं।

महागठबंधन में ओवैसी की पार्टी को शामिल करने का फैसला लालू करेंगे!

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस की बैठक हुई। बैठक के बाद बिहार प्रभारी कृष्णा अलावरू ने बताया कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने महागठबंधन में शामिल होने को लेकर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को पत्र लिखा है। इस पर उन्होंने कहा कि यह पत्र लालू को लिखा गया है, इसलिए इस पर वही स्पष्टीकरण देंगे। कांग्रेस का इससे कोई संबंध नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पशुपति कुमार पारस की पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को महागठबंधन में शामिल किए जाने पर भी बात हुई। उन्होंने कहा कि इस दिशा में बातचीत सकारात्मक है और बहुत जल्द इस पर औपचारिक घोषणा हो सकती है। सीट बंटवारे पर अलावरू ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी सूची राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दी है। इस मुद्दे पर समन्वय समिति में चर्चा जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि 15 सितंबर तक सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला हो जाएगा। अलावरू ने यह भी कहा कि कांग्रेस को जितनी भी सीटें मिलेंगी, वह उसमें कोई आपत्ति नहीं करेगी। अभी तक की बातचीत सकारात्मक रही है। महागठबंधन पूरी मजबूती से चुनावी मैदान में उतरेगा और कोई विवाद नहीं होगा।

तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा...

राज्यपाल, मंत्रिपरिषद की सलाह लेने के लिए बाध्य

नई दिल्ली। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्यपाल अभियोजन स्वीकृति देने के मामले में भी मंत्रिपरिषद की सलाह लेने के लिए बाध्य होते हैं। जब कोई मंत्री या मुख्यमंत्री किसी आपराधिक मामले में शामिल हों, तभी राज्यपाल पर ये बाध्यता नहीं होती। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ, राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने के मामले में सुनवाई कर रही है। इस पीठ में जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

तेलंगाना सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन रेड्डी ने संविधान पीठ के समक्ष दी अपनी दलील में कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई करते समय सर्वोच्च न्यायालय को विधेयक पर राज्यपाल के अंतर्निहित पूर्वाग्रहों पर भी गौर करना चाहिए। सुनवाई के नौवें दिन तेलंगाना के वकील ने कहा कि अनुच्छेद 200 के प्रावधान के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं होता और वे मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह लेने के लिए बाध्य होते हैं।

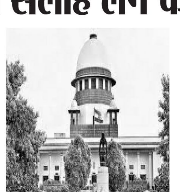

अनुच्छेद 200 राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों के संबंध में राज्यपाल की शक्तियों को नियंत्रित करता है, जिससे उन्हें विधेयक को मंजूरी देने, मंजूरी रोकने, विधेयक को पुनर्विचार के लिए वापस करने या राष्ट्रपति के विचार के लिए विधेयक को आरक्षित करने का अधिकार मिलता है। मंगलवार को, सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपालों से समय के भीतर कार्रवाई करने की अपेक्षा की जाती है, भले ही अनुच्छेद 200 में यथाशीघ्र शब्द न हो।

शिक्षित और स्वतंत्र महिला का शादीशुदा से शारीरिक संबंध बनाना शोषण नहीं

कोर्ट ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म मामले को खारिज करते हुए की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म कानून ऐसे मामलों के लिए नहीं बना है, जहां दो वयस्क अपनी मर्जी से रिश्ते में आते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जब कोई शिक्षित और स्वतंत्र महिला अपने साथी की शादीशुदा स्थिति जानने के बाद भी उसके साथ प्रेम संबंध में रहती है, तो उसे कानून में गुमराह या शोषित नहीं कहा जा सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म का मामला खारिज करते हुए की।

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि दो वयस्कों के बीच सहमति से बना रिश्ता अगर बाद में टूटता है, तो उसे दुष्कर्म का मामला नहीं बनाया जा सकता। यह न्याय की संवैधानिक भावना और यौन अपराध कानून के उद्देश्य के खिलाफ होगा। कोर्ट ने पाया कि दोनों ने स्वेच्छा से शारीरिक संबंध बनाए। यह साफ है कि दोनों के बीच संबंध सहमति से थे, न कि शादी के झूठे वादे के कारण। कोर्ट ने शिकायतकर्ता की यौन उत्पीड़न, धोखाधड़ी की याचिका खारिज कर दी।

केरल हाई कोर्ट ने इसी साल फरवरी में एक फैसले में कहा था कि कोई महिला पहले से विवाहित है तो 'शादी का झांसा देकर दुष्कर्म' का आरोप टिक नहीं सकता। दरअसल, विवाहित महिला ने एक व्यक्ति पर आरोप लगाया कि उसने शादी का वादा करके उससे शारीरिक संबंध बनाए। कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था।

करीब दो माह से धूल खा रही साढ़े 6 लाख रु की मंगाई गई बोट

4 बोट तो मंगवा ली, लेकिन संचालन करना भूली नपा, करीब 3 वर्षों से मोती गार्डन में बंद है बोटिंग व्यवस्था

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कुछ वर्ष पूर्व,बड़े शहरों की तर्ज पर मोती गार्डन में पहुंचने वाले लोगो को बोटिंग का लुत्फ देने की मंशा से मोती तालाब में बोटिंग की शुरुआत की गई थी ।जो काफी समय तक अच्छी चली, लेकिन पिछले 03 वर्षो यहां लोग बोटिंग करते हुए नजर नही आ रहे हैं। इसके पीछे कारण जानने का प्रयास किया गया तो सामने आया कि यहां पहले 6 बोट हुआ करती थी ।सभी बोट लगभग 3 वर्ष से खराब अवस्था में पड़ी हुई है ।जिसके चलते गार्डन पहुचने वाले लोग इस सुविधा से मेहरूम हो गए है ।जहा लोगो की इस नाराजगी को दूर करने के लिए टैंडर के माध्यम से नपा द्वारा 4 नई बोटिंग मंगवाई गई है। दिल्ली से मंगवाई गई यह बोटिंग करीब 2 माह से मोती गार्डन में पड़ी धूल खा रही है ।बावजूद इसके भी अब तक इसका संचालन शुरू नही किया गया है ।वही नगरपालिका के जिम्मेदारो द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है ।जिसपर यहाँ आने वाले लोगो ने अपनी नाराजगी जताते हुए, व्यवस्थाओ में सुधार की मांग की है।

बोटिंग को लेकर देखा जाता था उत्साह

आपको बताए कि पहले मोती तालाब आने वाले काफी लोग, बोटिंग का लुत्फ उठाते थे। इसको लेकर लोगों में बहुत उत्साह देखा जाता था। लोगों में बोटिंग को लेकर उत्साह होना भी लाजमी है ।क्यों कि बहुत कम शुल्क पर मोतीतालाब में बोटिंग का लुत्फ उठाने का अवसर नगरपालिका प्रशासन द्वारा प्रदान किया जाता था। नगरपालिका बालाघाट द्वारा किए जा रहे इस प्रयास की नगरवासी जनता द्वारा काफी सराहना भी कि गई थी। वही इससे नगरपालिका प्रशासन को राजस्व भी प्राप्त हो रहा था ।उसके अलावा बोटिंग की इस व्यवस्था से नगर की ख्याति में भी बढ़ोतरी हो रही थी ।लेकिन एक एक कर खराब होती गई बोटिंग की मरम्मत व सुधार कार्य पर ध्यान ना देने के चलते यह व्यवस्था अब पूर्ण रूप से बंद हो चुकी है ।वही व्यवस्था बहाल करने के लिए करीब साढ़े 6 लाख रु कीमत की मंगवाई गई बोटिंग पिछले 2 माह से मोती गार्डन में धूल खा रही है ।जिसपर नपा का कोई ध्यान नही है।

फिल्टर प्लांट के पास कबाड़ में डाल दी गई पुरानी बोटिंग

चाहे वाहनों की बात हो या मशीनरी की,नपा द्वारा उसका समय-समय पर मेंटेनेंस किया जाता है उसी प्रकार मोतीतालाब में रखी बोट का भी समय-समय पर मेंटेनेंस किया जाना चाहिए ताकि बोटिंग की सुविधा बाधित ना हो। इसके लिए नगरपालिका बालाघाट द्वारा जिस विभाग को जवाबदारी दी गई है उस विभाग के अधिकारी को प्रमुखता के साथ इस ओर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। लेकिन यहां ऐसा नहीं हो रहा है। जहां 06 में से धीरे धीरे खराब होती गई 05 बोटिंग को पहले तो गार्डन परिसर में ही रखा गया था, फिर उसमें से कुछ वोटिंग को इधर-उधर सजाया कर भी रखा गया ।लेकिन जब मेंटेनेंस को लेकर सवाल उठने लगे तो मोती गार्डन में रखी 01 वोटिंग को डेकोरेट के तौर पर सजा कर रख दिया गया है। तो वहीं 4- 5 खराब बोटिंगो को उठाकर सीधे फिल्टर प्लांट के पास कबाड़ में डाल दिया गया है। ताकि ना रहेगा बांस ना बजेगी बांसुरी ।अब जब गार्डन में खराब बोटिंग ही नही है तो उसे सुधारने को लेकर कोई चर्चा भी नहीं कर रहा है ।वही करीब 2 महीनो ने नई बोट आने के बाद भी अब तक इसे शुरू ना करने पर लोगो मे नाराजगी देखी जा रही है।

बोटिंग का मेंटेनेंस नपा के जिम्मे

बताया गया कि नगर के मोती तालाब में एक बार फिर से बोटिंग की व्यवस्था बनाने के लिए दिल्ली से चार बोटिंग मंगाई गई है। जो 2 माह से गार्डन के गेट समीप धूल खा रही। जानकारी के अनुसार करीब 4 महा पूर्व इसके लिए ई टेंडर निकाले गए थे। जिसके माध्यम से दिल्ली से चार बोट मंगाई गई है। वही नगर पालिका द्वारा इसके मेंटेनेंस की जिम्मेदारी संभाली जाएगी। आपको बताएं कि इसके पूर्व यहां 6 बोट थी ।जिनका सुचारू संचालन, अन्य व्यवस्था व मेंटेनेंस की जिम्मेदारी नगर पालिका की थी। लेकिन बोट काफी पुरानी होने के चलते समय समय पर उनका मेंटेनेंस नहीं हो सका था। जिसके कारण पूर्व में की सभी बोटिंग खराब होकर कबाड़ हो चुकी है।

सेवा शुल्क को लेकर फिलहाल नहीं लिया गया निर्णय

बताया गया कि पूर्व में मोती गार्डन में बोटिंग करने के लिए महज 10रु का शुल्क लिया जाता था। अब नई व्यवस्था के बाद इस शुल्क को बढ़ाया जाएगा या नहीं। फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। बताया गया कि जल्द ही इस दिशा में कोई निर्णय लेकर शुल्क बोर्ड भी जल्द से जल्द चस्पा कर दिया जाएगा। तो वही सुरक्षा के इंतजाम में लाइव जैकेट, रबर ट्यूब,बोट चालक, गोताखोर सहित अन्य व्यवस्था भी बनाई जा रही है।

जल्द शुरू की जाएंगी बोटिंग- कतरोलिया

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने बताया कि सिर्फ तालाब के अंदर, पानी के भीतर प्लेटफार्म बनने का इंतजार है। जहां प्लेटफार्म बनने के बाद विधिवत रूप से इसका लोकार्पण कर दिया जाएगा ।उन्होंने बताया कि जो नाव आई है उन्हें पानी मे उतारने के पूर्व टेक्निकल टीम से नावों की जांच कराई जाएगी ।उसके बाद प्लेटफार्म तैयार कर, यहां बोटिंग की व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी। जिससे न सिर्फ स्थानीय लोगों को बोटिंग का आनंद मिल सकेगा, बल्कि बाहर से आने वाले लोग भी इस व्यवस्था का लुत्फ उठा सकेंगे। वहीं मोती गार्डन की रौनक और अधिक बढ़ जाएगी।

वन ग्राम लौगुर में नुक्कड़ नाटक कर वन्यजीव संरक्षण का दिया गया संदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वन परिक्षेत्र लौगुर सामान्य के अंतर्गत वनग्राम लौगुर में वन संरक्षक वन वृत गौरव चौधरी, अधर गुप्ता वन मंडल अधिकारी दक्षिण सा. वन मंडल बालाघाट के मार्गदर्शन में वन्यजीव संरक्षण के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। श्रीमति विनीता फूलबेल उप वन मंडल अधिकारी बालाघाट सा. की उपस्थित में विवेक सिंह बघेल वन परिक्षेत्र अधिकारी लौगुर सा. सह टीम के द्वारा स्थानीय प्रतिभाशाली कलाकारों के माध्यम से मानव वन्यजीव संघर्ष में आत्मरक्षा के लिए जन जागरूकता एवं वन्यजीव संरक्षण की दृष्टिकोण से नुक्कड़ नाटक का सजीव चित्रण स्थानीय समुदाय और संयुक्त प्रबंधन समिति सदस्यों के बीच किया गया। वन्यजीवों और मनुष्यों के टकराव को रोकने के प्रयास से आमने-सामने होने पर क्या करें (खड़े रहें, शोर मचाएं, पीछे हटें), क्या न करें (दौड़ें नहीं, खिलाएं नहीं) और बचाव के तरीके (कचरा न फैलाएं, बाढ़ लगाएं, रोशनी और शोर का उपयोग) को छोटे-छोटे दृश्यों और संवादों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व बनाए रखने में विशेष योगदान देने वाले बाघ मित्रों को टी शर्ट वितरण और वन्य जीवों की सुरक्षा का संकल्प के साथ समापन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर सुरेंद्र वडीचार द्वारा किया गया। उन्होंने वन्य जीव से संबंधित बच्चों को रोचक कहानियां सुनाकर उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया और ज्ञानवर्धक जानकारी दी। कार्यक्रम में राजेश पथिक, डिप्टी रेंजर लौगुर, अनिल तिवारी डिप्टी रेंजर जैतपुरी, वनपाल शरद क्षत्रिया जितेंद्र उईके, अजय सोनी ,वनरक्षक कंचन तिवारी, जतिन मरकाम, शिवम बघेल, रसीद खान, दिनेश कुर्मी, राकेश पंद्रे, चितौड़ सिंह भोयर, राजेन्द्र दिवारी, दिनेश कुर्मी, अनुराग शर्मा सहित अन्य स्टाप एवं सुरक्षा श्रमिक सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

सिवनी-बालाघाट फोर लेन सड़क निर्माण के लिए हुई बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश राज्य सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा सिवनी से बालाघाट के बीच फोर लेन स्टेट हाईवे का 02 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्माण किया जाएगा। इस सड़क के निर्माण के लिए भूमि आवंटन, वन विभाग की अनुमति एवं नेशनल वाईल्ड बोर्ड से अनुमति को लेकर 10 सितम्बर को कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दक्षिण सामान्य वनमंडल के वनमण्डलाधिकारी अधर गुप्ता, एमपीआरडीसी छिंदवाड़ा के संभागीय प्रबंधक दीपक आड़े, कान्हा टाईगर रिजर्व के सहायक संचालक हितेंद्र चिचखेड़े, एमपीआरडीसी के जिला प्रबंधक मुकेश बेले एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिवनी-बालाघाट स्टेट हाईवे निर्माण के लिए राजस्व एवं वन विभाग से भूमि आवंटन व अनुमति संबंधी कार्यवाही शीघ्रता से पूर्ण कराए। इसी प्रकार नेशनल वाईल्ड बोर्ड से कारीडोर क्षेत्र में अंडरपास निर्माण के लिए अनुमति की प्रक्रिया अविलंब प्रारंभ करें। इसके लिए परिवेश पोर्टल पर शीघ्र आवेदन करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि बालाघाट से कंजई तक सड़क निर्माण के लिए किसी तरह की अनुमति की आवश्यकता नही है। अत: टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण होते ही बालाघाट की ओर से कंजई तक सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ कर लिया जाए। उन्होंने एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक से कहा कि वे हर सप्ताह बालाघाट आकर इस स्टेट हाईवे के निर्माण पर निगरानी रखे। बैठक में एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक दीपक आड़े ने बताया कि सिवनी से बालाघाट के बीच 04-लेन स्टेट हाईवे का निर्माण किया जाना है। इसके लिए 02 हजार करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस स्टेट हाईवे का 45 किलोमीटर भाग सिवनी जिले में एवं 40 किलोमीटर भाग बालाघाट जिले में आता है। इस स्टेट हाईवे के निर्माण में कंजई के पास से 13 किलोमीटर वन क्षेत्र एवं पेंच-कान्हा कारीडोर का हिस्सा आता है। इसके निर्माण के लिए वन विभाग से 16 हेक्टेयर वन क्षेत्र की एवं नेशनल वाईल्ड बोर्ड भारत सरकार से अनुमति लेना है। इस सड़क के 03 किलोमीटर का कारीडोर वाले हिस्से में वन्य प्राणियों के गुजरने के लिए अंडरपास का निर्माण किया जाना है।

सर्वाधिक आबादी वाले इंदौर से शुरू होगी सीएम परिवहन सेवा

सुगम परिवहन सेवा प्रारंभ करने के लिए डेडलाइन तय

भोपाल। प्रदेश में सीएम परिवहन सेवा की शुरुआत जल्द की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इस सेवा को जल्द से जल्द शुरू किया जाए। सबसे पहले इसे प्रदेश के सर्वाधिक आबादी वाले महानगर इंदौर से शुरू किया जाए। सीएम ने कहा कि सुगम परिवहन सेवा में यात्रियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। कोशिश की जाए कि इसकी शुरुआत इलेक्ट्रिकल बसों से की जाए। इसके लिए बुनियादी अधोसंरचना विकास के कामों को प्रोत्साहित किया जाए। सुगम परिवहन सेवा प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने डेडलाइन तय कर दी है। अब हर हाल में मार्च के पहले बसों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। सबसे पहले इंदौर और इसके बाद उज्जैन से सेवा प्रारंभ की जाएगी। बता दें कि वर्ष 2006 में मप्र राज्य सडक् परिवहन निगम बंद होने के बाद से सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सडक् दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अंतरविभागीय बैठक नियमित रूप से हो। सडक़ों पर सुरक्षा से जुड़ी कमियां पाए जाने पर उन्हें तत्काल दूर किया जाए। बस स्टाप पर नागरिकों को साफ-सफाई के साथ आवश्यक सुविधाएं मिलें। परिवहन विभाग की राजस्व संग्रह निगरानी प्रणाली को और मजबूत करें। वाहनों की गति सीमा पर नियंत्रण बेहद जरूरी है। इसके साथ गाड़ी चलाने वाले व्यक्ति के पास आवश्यक कागजों की वैधता की जांच भी नियमित हो। परिवहन विभाग में बेहतर प्रबंधन के लिए अधिकारी-कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर भी जोर दिया।

उज्जैन में डिटेल सर्वे पूरा

परिवहन सचिव मनीष सिंह ने बताया कि उज्जैन में सार्वजनिक बस संचालन के लिए डिटेल सर्वे पूरा हो गया है। जबलपुर और इंदौर में रूट सर्वे और श्रेणीवार संचालित बसों की संख्या का अनुमान का काम भी लगभग पूरा हो गया है। अब 6 बिंदुओं पर प्राथमिकता से काम होना है। इनमें संस्थागत व्यवस्था व स्टाफ, नियम एवं करों में संशोधन, रूट सर्वे एवं स्कीम की अधिसूचना, आईटी प्लेटफार्म एवं एजेंसी का चयन, परिवहन अधोसंरचना की योजना और ऑपरेटर से चर्चा एवं कैपेसिटी बिल्डिंग पर काम चल रहा है। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष 16 लाख 60 हजार वाहनों का पंजीयन किया गया है। इसमें 2 लाख 58 हजार यानी 15 प्रतिशत इलेक्ट्रिकल वाहन हैं। प्रदेश में ऑन रोड वाहनों की संख्या एक करोड़ 80 लाख के करीब है। परिवहन से प्राप्त होने वाली राजस्व में पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बैठक में राजस्व वृद्धि के किए जाने वाले उपायों पर भी चर्चा की गई।

बसों और स्टॉप पर स्पष्ट पहचान

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बसों के फ्रंट ग्लास पर शहरों और गांवों के नाम अनिवार्य रूप से प्रदर्शित हों। इसी तरह बस स्टॉप पर भी गांव और नगरों के नाम लिखवाए जाएं, ताकि यात्रियों को आसानी हो। उन्होंने कहा कि सडक् सुरक्षा के लिए वाहनों की गति सीमा पर सख्ती से नियंत्रण जरूरी है। वाहन चालकों के दस्तावेजों की वैधता की नियमित जांच भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारी-कर्मचारियों के प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता पर जोर दिया। परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि विभाग के आधुनिकीकरण की दिशा में लगातार कार्य हो रहा है। नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जा रही है।

6 प्रतिशत बढ़ा परिवहन राजस्व

बैठक में विभागीय अफसरों ने बताया कि वर्ष 2025 में अब तक प्रदेशभर में 16 लाख 60 हजार वाहनों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। इसमें 2 लाख 58 हजार से अधिक इलेक्ट्रिकल व्हीकल हैं। इसके साथ ही प्रदेश में ऑन रोड वाहनों की संख्या 1.80 करोड़ हो गई है। वर्ष 2024-25 में परिवहन विभाग को 4 हजार 874 करोड़ रुपए की राजस्व आय हुई है, जो पिछले साल से 6 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुगम परिवहन सेवा में यात्रियों की सुविधाओं और कम से कम किराये पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसमें इलेक्ट्रिक बसों के उपयोग को प्रोत्साहित करें। परिवहन सेवा के लिए बने नियमों का सख्ती से पालन हो। बसों में शहरों एवं गांवों के नाम सामने के कांच पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किए जाएं। इसके साथ ही बस स्टाप पर भी गांव और नगरों के नाम लिखे हों। यात्री बसों का बीमा अनिवार्य हो। सभी कार्य नियमों के अंतर्गत हों, पारदर्शिता रहे। दिव्यांग यात्रियों का विशेष ध्यान रखा जाए। बसें फिट हों, स्टाफ का व्यवहार अच्छा हो। अप-डाउनर्स को भी आवश्यक सुविधाएं दी जाएं।

वाट्सएप पर मिले वाहन का चालान तो हो जाएं सावधान

भोपाल। साइबर ठग अभी तक बिजली के बिल, शादी के कार्ड आदि के मैसेज वाट्सएप पर भेजकर लोगों को ठग रहे थे, लेकिन अब ठगों ने ई-चालान के मैसेज को ठगने का नया हथियार बनाया है। ठग लोगों के वाट्सएप पर वाहन के ई-चालान के रूप में मैसेज भेजते हैं और मैसेज में दी गई लिंक पर चालान भुगतान करने के लिए कहते हैं। लोग हड़बड़ी में इस लिंक पर क्लिक कर जैसे ही चालान भरते हैं, वैसे ही साइबर ठगी के शिकार हो जाते है। फोन का कंट्रोल साइबर ठगों के हाथ में पहुंच जाता है। इसके बाद आपका अकाउंट भी खाली हो सकता है। पहले ये मामले दिल्ली-एनसीआर में रिपोर्ट हुए थे। साइबर एक्सपर्ट चातक वाजपेयी के मुताबिक अब ये मामले मध्य प्रदेश में भी रिपोर्ट हुए हैं। खास तौर से जबलपुर और भोपाल में। यानी अब ई-चालान के माध्यम से ठग प्रदेश के ऐसे शहरों के लोगों को शिकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जहां पर आइटीएमएस से चालान होता है और एसएमएस से ई-चालान वाहन मालिकों को भेजा जाता है। ठग इस तरह का मैसेज भेजते हैं कि उसे देखकर अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है कि वह नकली है। एपीके या इन और डॉटजीओवीडॉटइन के फर्क न जानने वाले लोग हड़बड़ी में चालान के नाम पर साइबर ठगों के स्कैम का शिकार हो रहे है। साइबर एक्सपर्ट के मुताबिक असली चालान के मैसेज में इंजन नंबर, चेसिस नंबर जैसी जानकारी होती है। लोग मैसेज में एपीके या इन और डॉटजीओवीडॉटइन का फर्क नहीं देख पाते और भ्रम की स्थिति में एपीके फाइल पर क्लिक कर देते हैं और ठगों के जाल में फंस जाते हैं। जैसे ही कोई वाट्सएप पर आई लिंक को क्लिक करता है और बैंक अकाउंट या डेबिट-क्रेडिट की जानकारी डालता है तो वैसे ही हैकर्स पहले उसका फोन हैक कर लेते हैं। इसके बाद फोन को कंट्रोल में रखकर बैंक खाते, डेबिट-क्रेडिट कार्ड का बैलेंस साफ कर देते हैं। यदि चालान का मैसेज आता है तो परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और ई- चालान वाले ऑप्सन में जाकर अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन, इंजन व चेसिस नंबर डालकर चेक कर लें कि चालान हुआ है या नहीं। यदि हुआ है तो वहीं पर चालान की राशि जमा करें।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कार्यालय ग्राम पंचायत खारी-लालबर्रा
जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)
आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत तथा जनपद पंचायत फीस संग्रहण का पट्टा नियम १९९५ के तहत ग्राम पंचायत की बैठक द्वारा पारित प्रस्ताव क्रमांक ०१ दिनांक १२.०९.२०२५ के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा स्वामित्व की भूमि पर निर्मित दुकान क्रमांक ०१ से ०८ तक की मासिक किराया शुल्क खुली निलामी में प्राप्त उच्चतम प्रीमियम राशि पर पट्टे में दिया जाना निर्धारित किया गया है। नीलामी खुली बोली के तहत की जायेगी जिसके नियमानुसार ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित प्रत्येक दुकानों का अपसेट प्राइस ४०४२५ (चालीस हजार चार सौ पच्चीस रूपये मात्र) निर्धारित किया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा दुकानों का आरक्षण म.प्र. पंचायत (स्थावर सम्पति का अंतरण) नियम १९९४ के अनुसार जनगणना २०११ ग्राम पंचायत की जनसंख्या के आधार पर किया जायेगा, नीलामी में भाग लेने हेतु बोलीदार हितग्राही को नीलामी प्रारम्भ होने के पूर्व अमानत रशि २००० (दो हजार रूपये मात्र) ग्राम पंचायत के बैंक खाता क्रमांक २३६२८००१२६ सेंट्रल बैंक मोहगांव ध. या नगदी ग्राम पंचायत खारी सरपंच-सचिव के पास जमा कर रसीद प्राप्त करना अनिवार्य होगा तभी बोलीदार नीलामी में भाग ले सकेगें तथा असफल बोलीदार के द्वारा जमा अमानत राशि नीलामी के तुरंत बाद वापिस कर दी जावेगी व सफल बोलीदार की अमानत राशि का समायोजन स्वीकृत नीलामी देय राशि की अंतिम किस्त समायोजित की जावेगी और ग्राम पंचायत खारी के अलावा अन्य पंचायतों के लोग आवेदन न करें।

यह नीलामी प्रक्रिया १२.०९.२०२५ को दोपहर १२ बजे कार्यालय ग्राम पंचायत खारी में की जायेगी।

अत: इच्छुक व्यक्ति नियत तिथि तक ग्राम पंचायत कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

टीप - विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय के सूचना बोर्ड में देखी जा सकती है।

श्रीमती डिलेश्वरी नखाते-सरपंच, दीपक सोनबिरसे -सचिव एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत खारी

नपा ने एलआईजी, एमआईजी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवासों का किया आवंटन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री आवास शहरी के तहत जहां आवासहीनों के सिर पर पक्की छत और अपने खुद के घर के सपने साकार हो रहे है। नगरपालिका बालाघाट द्वारा तीव्र गति से बिल्डिंग सहित फ्लैट का निर्माण किया जा रहा है और हितग्राहियों को खुशहाली मिल रही है। 10 सितंबर को नपा सभागार में आयोजित पीएम आवास गृह प्रवेश कार्यक्रम में एमआईजी, एलआईजी और ईडब्यूएस श्रेणी के बुढ़ी फ्लिटर प्लांट पीएम आवास कॉलोनी में निर्मित पक्के आवासों की चाबी सौंपी गई जिससे लाभार्थी बेहद खुश हुये। आयोजित कार्यक्रम में नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन ने बताया कि शासन के मापदण्ड के अनुरूप सर्वसुविधायुक्त फ्लैट एवं आवास बनाये गये है, इसमें हितग्राहियों को पक्के मकान से लाभान्वित किया गया है ,जो अब तक किराये के मकान में रह रहे थे , जिनका कोई आवास नहीं था उनके सिर पर पक्की छत हुई है , यह प्रधानमंत्री आवास योजना की सफलता है और हमारे शहर के लिये गौरव की बात है कि हम ऐसे परिवारों को लाभ पहुंचा रहे है। नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने कहा कि आवासों का निर्माण प्रगतिरत है और साथ ही हितग्राहियों को आवंटन भी किया जा रहा है चाबी सौंप दी जा रही है हमारे द्वारा 57 आवास हितग्राहियों के अधिपत्य में दिये गये है। 10 सितंबर को यह सांकेतिक आवंटन हो रहा है, पीएम आवास योजना शहरी के तहत आवास कॉलोनी में एमआईजी के 12 एवं एलआईजी के 22 फ्लैट बन चुके है , इनमें से सांकेतिक रूप से आज 10 आवासों का आवंटन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 27 सितम्बर को एलआईजी, एमआईजी एवं ईडब्लयूएस श्रेणी के सभी पात्र लाभार्थियों के लिये खुशी का अवसर आने वाला है, जब हम बड़ी संख्या में इन्हें मकान नंबर सहित चाबी भी सौपेंगे। यह कार्यक्रम पीएम

आवास कॉलोनी एएचपी साईड पर किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अब तक 54 सुसज्जित आवास दिये जा चुके है और 35 से ज्यादा परिवार यहां पर निवास भी करने लगे है। आपको बताये कि योजना के तहत एलआईजी एवं एमआईजी के 24-24 बिल्डींग का निर्माण हो रहा है जबकि 472 एएचपी श्रेणी के बनाये जा रहे है इनमें से 300 आवास पूर्णत: की ओर है आवंटन और निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस योजना में मात्र 2 लाख की राशि में 10 लाख वास्तविक कीमत के आवास का आवंटन किया गया है। नपाध्यक्ष ने बताया कि निर्माण कार्य निरंतर चल रहा है हमने यहां सुसज्जित गार्डन का निर्माण करवाया है, 3 करोड़ की लागत से रिटर्निंग वॉल का निर्माण किया गया है , वर्षाकाल की वजह से फिल्टर प्लांट से लेकर कॉलोनी पहुंच मार्ग सीसी रोड का निर्माण कार्य रूका हुआ था, जिसे भी जल्द पूर्ण करा लिया जायेगा। नपाध्यक्ष ने शहर के पात्र ईडब्ल्यूएस हितग्राहियों के साथ ही जिले के किसी भी नागरिक द्वारा क्रय किये जाने वाले एलआईजी एवं एमआईजी आवासों की बुकिंग के लिये भी प्रेरित किया। 10 सितंबर को आयोजित गृह प्रवेश कार्यक्रम में मनीष सिंह ठाकुर निवासी वार्ड क्रं.23, चंद्रभान कटरे, मलीका हमीदा, लक्ष्मीचंद भगत, ज्योति पारधी, श्रीमती कुन्ती केतकी, कृष्णा शांडिल्यकर, धानेश्वर प्रसाद एवं फिरोज डोंगरे इन्हें फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया एवं सांकेतिक रूप से मकानों के क्रमांक अथवा चाबी सौंपी गई है। पीएम आवास गृह प्रवेश कार्यक्रम में नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति वकील वाधवा, कमलेश पांचे, संगीता कावरे, उज्जवल आमाडारे, पार्षद योगराज कारो लिल्हारे, दीनू बसेने, खगेश कावरे, नपा अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ ही हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

विश्व आत्महत्या निषेध दिवस पर खिलाड़ियों को दिलाई गई शपथ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बुधवार को नगर के मुलना स्टेडियम में विश्व आत्महत्या निषेध दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खेल और युवा जगत से जुड़े खिलाड़ियों को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने, आत्मबल को मजबूत करने और निराशा के क्षणों में हार न मानने की शपथ दिलाई

गई।कार्यक्रम में बालाघाट आनंद क्लब के अध्यक्ष नरेश धुवारे द्वारा खिलाड़ियों को विशेष शपथ दिलाई गई। अपने भावपूर्ण उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जीवन की चुनौतियाँ अवसरों का रूप होती हैं और हर युवा को अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानना चाहिए। उन्होंने खिलाडियों से आह्वान किया कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और विश्वास बनाए रखें, क्योंकि हर अंधकार के बाद एक नई भोर हमारा इंतजार करती है।

जागरूकता का दिया गया सन्देश

बताया गया कि यह कार्यक्रम न केवल आत्महत्या जैसे संवेदनशील विषय पर जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि इसमें युवाओं को यह संदेश भी दिया गया कि जीवन अनमोल है और हर परिस्थिति में आशा को थामे रखना ही सच्ची जीत है।कार्यक्रम के अंत में सभी खिलाड़ियों और उपस्थित अतिथियों ने एकस्वर में प्रतिज्ञा ली कि वे जीवन की चुनौतियों से हार नहीं मानेंगे, बल्कि आनंदमय, जागरूक और सकारात्मक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।इस अवसर पर राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर कमलकांत बिठले, सचिंद्र कृष्णन, कराटे कोच अजय बैस, आकाशवाणी प्रवक्ता शंकरलाल रहांगडाले, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, अजय बिसेन, अधिवक्ता सुनील जायसवाल, घनश्याम धुवारे सहित अनेक गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर शुरू हुआ भारत मुक्ति मोर्चा का चरणबद्ध आंदोलन

17 को राष्ट्रव्यापी आंदोलन, तो 25 सितम्बर को जेल भरो आंदोलन तो 15 अक्टूबर को आक्रोश रैली

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वर्षों से लंबीत अपनी विभिन्न मांगे पूरी न होने के चलते ,सरकार ने नाराज चल रहे भारत मुक्ति मोर्चा संगठन ने ,संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा और सामाजिक न्याय के लिए राष्ट्रव्यापी धरना प्रदर्शन, जेलभरो आंदोलन एवं जन आक्रोश रैली की योजना बनाई है।जिसको लेकर बुधवार से उन्होंने चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है,इसके पहले चरण में सभी चुनाव में ईवीएम को बैन करने, ओबीसी की जातिगत जनगणना कराने, आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारो को बंद करने सहित अन्य मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमे उन्होंने उनकी समस्त मांगो को पूरा करने के लिए भारत सरकार को16 सितंबर तक की मोहलत दी है।जिसमे उन्होंने इन 6 दिनों के भीतर मांग पूरी ना होने पर दूसरे चरण के तहत 17 सितंबर,को सभी जिला मुख्यालयों पर राष्ट्रव्यापी धरना प्रदर्शन करने, तीसरे चरण के तहत 25 सितंबर, को सभी जिला मुख्यालयों पर राष्ट्रव्यापी जेलभरो आंदोलन करने, तो वही चौथे चरण में तहत 15 अक्टूबर,को सभी जिला मुख्यालयों पर जन आक्रोश रैली किए जाने की चेतावनी दी है।इस दौरान भारत मुक्ति मोर्चा जिला प्रभारी रामदास ठवकर, राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा जिला संयोजक बिशप पुनेश्वर सोनटके, बहुजन क्रांति मोर्चा अध्यक्ष सदाशिव हरिनखेडे, बहुजन मुक्ति पार्टी जिलाध्यक्ष इंजी. हिरालाल भगत राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा से रियाज भाई, रिजवान भाई, सोशल मीडिया

प्रभारी डॉ विजय पटले, कार्य. जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा विमल कुमार और संजय नागेश्वर सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप स उपस्थित रहे।

इन मांगो को लेकर सौंपा ज्ञापन

सभी चुनाओ में ईवीएम को हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने, पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की और सभी जाती समूहों की जातीय आधारित जनगणना कराने, आदिवासियों पर हो रहें अन्याय को रोकने, धर्मांतरित आदिवासी एवं ईसाइयों के साथ हो रहें भेदभाव रोकने, मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक अधिकार, सुरक्षा एवं मुस्लिम समुदाय के ऊपर हो रहे मॉब लिंचिंग के विरोध में, एससी एसटी ओबीसी के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण तत्काल लागू करने, बहुजन समाज से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानीय मुद्दों के लिए ज्ञापन सौपा है। बताया गया कि इस चरणबद्ध आंदोलन में हर गांव तहसील जिलें व राज्य में बहुजन समाज के लोगों पर सामाजिक,राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक रूप में हो रहे अन्याय एवं अत्याचारों के गंभीर स्थानीय मुद्दों को भी उठाया गया है। सरकार और जिला प्रशासन को इन मुद्दों पर ध्यान देकर इसका तुरंत समाधान करने की गुहार लगाई गई है।

शांतिपूर्ण होंगे सभी आंदोलन

भारत मुक्ति मोर्चा, बहुजन क्रांति मोर्चा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा के तत्वाधान में समस्त भारतीयों के मताधिकार के मौलिक अधिकार, संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए, बहुजन समाज के मौलिक एवं संवैधानिक अधिकार के लिए और उनके ऊपर हो रहे अन्याय अत्याचार के विरोध में न्याय के लिए विभिन्न स्थानीय स्तर के महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर बहुजन समाज के देशभर के हजारो संगठनों द्वारा राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन (धरना प्रदर्शन, जेलभरो आंदोलन और जन आक्रोश रैली) की घोषणा की गयी है, बताया गया कि यह आंदोलन वर्तमान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों तथा प्रशासन की मूलनिवासी बहुजन समाज विरोधी विभिन्न नीतियों और बहुजन समाज के ऐतिहासिक व संवैधानिक अधिकारों की उपेक्षा के विरोध में सामाजिक न्याय के लिए किया जा रहा है।उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि सभी चरणों के आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराए जाएंगे।जिसकी सूचना जिला प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से दी है।

2 दिन से लापता एक व्यक्ति का शव तालाब से बरामद

हट्टा थाने के ग्राम सालेटेका की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सालेटेका में इसी ग्राम के एक व्यक्ति शंकर पिता नानु जी राउत 32 वर्ष का शव तालाब से बरामद किया गया। इस व्यक्ति की तालाब में फिसलने से मौत होने की संभावना व्यक्ति जारी है। हट्टा पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकर राउत दो भाई है। छोटा भाई वीरेंद्र राउत है। दोनों भाई की शादी हो चुकी है और दोनों भाई संयुक्त परिवार में रहते हैं। शंकर रावत का एक दो माह का बेटा भी है। शंकर राउत खेती मजदूरी करता था।8 सितंबर को 11ः00 बजे शंकर राउत घर से निकला था। जो घर वापस नहीं आया ।परिजनों ने गांव मोहल्ले में खोजबीन किया किंतु शंकर राउत नही मिला। परिवार को लोग समझे कि शंकर राउत रिश्तेदारी में चला हो गया होगा। सोच कर उसकी ज्यादा खोजबीन नहीं किये। 10 सितंबर को सुबह गांव के कुछ लोग क्रिकेट ग्राउंड से तालाब तरफ गए थे। तब उन्होंने तालाब में शंकर राउत का शव देखें और उसके

परिजनों को बताएं। खबर मिलते ही शंकर राउत के परिवार के लोग तालाब पहुंचे और उसके पिता नानु जी राउत ने हट्टा पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी। हट्टा पुलिस थाना से सहायक उप निरीक्षक विजय पटले अपने स्टाफ के साथ ग्राम सालेटेका पहुंचे और मृतक शंकर राउत का शव तालाब से बाहर निकलवाए ।शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात शंकर राउत का शव जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है ।संभावना व्यक्त की गई की 8 सितंबर को 11ः00 बजे करीब शंकर राउत तालाब तरफ शौच के लिए आया। इसी दौरान वह से तालाब फिसल गया जिससे उसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई। सहायक उप निरीक्षक श्री पटले द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

गांव-गांव में वनविभाग बना रहा टाईगर मित्र

वनविभाग की आंख और कान की भूमिका निभाएंगे बाघ मित्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में बढ़ रही वन्यजीवो की संख्या के कारण, वन्यजीव, रहवासी क्षेत्र की ओर आ रहे है, जिसके कारण वन्यजीव और मानव द्वंद जैसी स्थिति देखने को मिल रही है। बाघ के बढ़ते हमले से हो रही मौतो के कारण, लोगों का आक्रोश भी वन्यजीवो के प्रति बढ़ रहा है, जिससे वन्यजीवो की सुरक्षा सर्वोपरी हो गई है, ऐसे में

जिले के वनविभाग ने एक नवाचार किया है। जिसके तहत वनविभाग, गांव-गांव में बाघ मित्र बना रहा है, जंगली क्षेत्र से जुड़े, इन बाघ मित्रो को वनविभाग ने, विभाग के आंख और कान की तरह दायित्व निभाने की बात कही है, ताकि वह वन्यजीवो के संरक्षण के साथ ही अवैध शिकार की जानकारी देते है तो उन्हें, विभाग ने प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। जिले के परिक्षेत्र पूर्व और पश्चिम बैहर सामान्य अंतर्गत परिक्षेत्र अधिकारी कंदर्प भट्ट और उनकी पूरी टीम, जन संवाद, नुक्कड़ नाटक, गायन से वन्यजीव संरक्षण को लेकर जागरूकता शिविर कर रही है। परिक्षेत्र अधिकारी कंदर्प भट्ट बताते है कि जिले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर नवाचार के रूप में संगीत एवं नाट्य मंडली के माध्यम से मनोरंजन तौर पर, ग्रामवासियों को वन्य जीव संरक्षण के साथ-साथ वन्यप्राणियों से अपनी सुरक्षा करने के तरीके भी बताए जा रहे है। ताकि अवैध शिकार के साथ साथ जनहानि के प्रकरणों में भी कमी आ सके। उन्होंने बताया कि इसके साथ-साथ प्रत्येक ग्राम से 5 - 5 व्यक्तियों को टाइगर मित्र मनोनित किया गया। उन्होंने बताया कि टाइगर मित्रों को वन विभाग की आंख और कान के रूप में कार्य करना होगा और किसी भी प्रकार की दुर्घटना, शिकार और शिकार के प्रयास की सूचना देने पर उन्हें नगद इनाम भी दिया जाएगा।

प्रतिभा सम्मान योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कलेक्टर द्वारा दिया गया प्रशस्ति पत्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।नीति आयोग भारत सरकार के प्रतिभा सम्मान योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में अपनी कलात्मक रचनाओं एवं ज्ञान के माध्यम से प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। जिला स्तर पर

चयनित इन विद्यार्थियों को 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि नीति आयोग द्वारा प्रदान की जाएगी। इन विद्यार्थियों में सांदीपनी स्कूल बालाघाट की अवनी बिसेन, यस्मिता पटले, ग्रीन वेली पब्लिक स्कूल के आर्य मोहारे, एकेडमी हाईट पब्लिक स्कूल वारासिवनी के अवनीश कुमार, समर्थ खंडेलवार, पूर्वीक बिसेन, आईडियल एकेडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल वारासिवनी के प्रांजल तोमर शामिल है।इन विद्यार्थियों में सोध एवं चित्रकला जैसी ललित कलाओं में अपनी प्रावीण्यता दर्ज की है और मेरिट में स्थान बनाया है।

गौ सेवक संघ की जिला इकाई के अध्यक्ष का हुआ निर्वाचन , योगलाल नगपुरे बने जिला अध्यक्ष

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गौ सेवक संघ जिला बालाघाट इकाई की आज जिला पशु चिकित्सालय बालाघाट में बैठक आहूत की गई जिसका प्रमुख एजेंडा जिला अध्यक्ष का निर्वाचन था । उक्त निर्वाचन प्रक्रिया में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत गौ सेवक , मैत्री साथियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । संघ के प्रांतीय संरक्षक डॉ. घनश्याम परते ने इस बैठक की अध्यक्षता की तथा निर्विवाद एवं निष्पक्ष निर्वाचन कार्य संपादित कराने में अपनी अहम भूमिका निभाई । निर्वाचन के दौरान योगलाल नगपुरे ने इस प्रक्रिया में पांच मतों से विजयश्री हासिल कर जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त किया । निर्वाचन प्रक्रिया में विजेता श्री नगपुरे ने जिले के समस्त गौ सेवक, मैत्री साथियों का इस

सहयोग एवं साथ के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है तथा संघ की मंशा अनुरूप प्रांतीय अध्यक्ष राजेश धौलपुरे जी के मार्गदर्शन में गौ सेवक साथियों के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के लिए शासन स्तर तक अपना मजबूत पक्ष रखने के लिए अपने साथियों को आस्वस्त किया है। निर्वाचन प्रक्रिया में गणना पर्यवेक्षक के रूप में जिला पशु चिकित्सालय बालाघाट के सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी जितेंद्र सिंहमारे ने अहम भूमिका निभाई ।

नूरजहाँ कुरैशी की कुर्क सम्पत्ति की 15 सितम्बर को होगी नीलामी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। तहसीलदार भुपेंद्र अहिरवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार भटेरा रोड बालाघाट निवासी श्रीमती नूरजहाँ पति वाहिद अली कुरैशी से 07 लाख 08 हजार 997 रुपये की वसूली के लिए उनकी ग्राम खैरी स्थिति पटवारी हल्का नं.12 की खसरा नं.103/2/2 की 0.372 हेक्टेयर भूमि कुर्क की गई है। कुर्क की गई इस अचल सम्पत्ति की आगामी 15 सितम्बर को प्रात: 11 बजे से ग्राम खैरी में सार्वजनिक नीलामी की जाएगी। नीलामी से 07 लाख 08 हजार 997 रुपये की वसूली की जाएगी।

संदिग्ध स्थिति में 12 वर्षीय हेमेन्द्र की हुई मौत

जहरीले सर्प के काटने से मौत होने की जताई जा रही आशंका, पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रानीकुठार के ग्राम देवगांव निवासी राजेन्द्र बघेल के 12 वर्षीय बेटा हेमेन्द्र बघेल की मंगलवार की रात्रि में संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। वहीं 12 वर्षीय हेमेन्द्र बघेल की जहरीले सर्प के काटने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर बुधवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेन्द्र बघेल मजदूरी कार्य करता है, जिसका 12 वर्षीय बेटा कक्षा 6 वीं में पढ़ाई करता था। जो प्रतिदिन की तरह मंगलवार को भी हेमेन्द्र स्कूल से घर आने के बाद शाम को खाना खाकर टीव्ही देख रहा था और टीव्ही देखते-देखते ही उसे नींद आ गई। वहीं रात करीब 11 से 12 बजे के बीच हेमेन्द्र की तबियत अचानक खराब हो गई और बेसुध हो गया, जिससे परिजन घबरा गये और तत्काल उसे लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं रात हो जाने के कारण दुसरे दिन पुलिस अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर मृत ब'चें का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। वहीं घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। बताया जा रहा है कि मृतक 12 वर्षीय हेमेन्द्र बघेल ग्राम धारावासी के नवीन शासकीय माध्यमिक स्कूल में कक्षा छटवीं में अध्ययनरत था और जिसके पिता जी मजदूरी कार्य करते है। हेमेन्द्र मंगलवार को स्कूल से आने के बाद शाम में टीव्ही देखते-देखते उसे नींद आ गई और वह सो गया, जिसके बाद रात करीब 11 से 12 बजे उसकी अचानक तबियत खराब होने पर परिजनों ने उसे तत्काल लालबर्रा अस्पताल लेकर आये जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं मृत बच्चें के शरीर में नीलापन आ गया था, जिससे लग रहा है कि नींद में उसे किसी जहरीले सर्प ने काट दिया होगा, जिससे उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का कारण स्पष्ट हो पायेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं 10 सितंबर को ग्राम देवगांव के मोक्षधाम में मृत हेमेन्द्र बघेल का शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

यह दुःखद घटना है - विनोद

सरपंच प्रतिनिधि विनोद ठाकरे ने बताया कि देवगांव निवासी राजेन्द्र बघेल के 12 वर्षीय बेटा हेमेन्द्र बघेल की मंगलवार की रात में अचानक तबियत खराब होने पर उसे अस्पताल लेकर गये थे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया गया है, जिसके शरीर में नीलापन आने लगा था। जिससे संदेह हो रहा था कि सर्प ने काटा हो गया, जिसके बाद घर पहुंचकर जिस बिस्तर पर बच्चा सोया था उसे देखा गया तो दीवान के अंदर चुहे मरे हुए थे एवं सर्प का कोश दिखाई दिया जिससे लग रहा है कि जहरीले सर्प के काटने से हेमेन्द्र की मौत हुई होगी। श्री ठाकरे ने बताया कि हेमेन्द्र कक्षा 6 वीं पढ़ता था, जो पढ़ाई में होशियार था, इस दु:खद घटना से पूरे ग्राम में शोक की लहर व्याप्त है और मृत बच्चें के परिजनों को शासन की योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

इनका कहना है-

देवगांव (रानीकुठार) के 12 वर्षीय हेमेन्द्र को मंगलवार की रात करीब 12.30 बजे लालबर्रा अस्पताल लाया गया था, जिसकी मौत हो चुकी थी और शरीर नीला पड़ गया था। जिससे संभावना जताई जा रही है कि जहरीले जीव-जंतु के काटने से मौत हुई होगी। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का सही कारण स्पष्ट हो पायेगा।

डॉ. रितु धुर्वे
बीएमओं
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा।

अस्पताल से जानकारी मिली थी कि 12 वर्षीय बच्चें की मौत हो गई है, अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

विजय बिसेन
सहायक उपनिरीक्षक
थाना - लालबर्रा।

किसान गर्जना संगठन का सदस्यता अभियान जारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। किसान गर्जना संगठन लालबर्रा के द्वारा किसानों की हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए गत दिवस से सदस्यता अभियान प्रारंभ किया गया। इस अभियान के माध्यम से किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्या जानकर समाधान किये जाने आश्वास्त किया जा रहा है। साथ ही संगठन में सदस्य बनने की अपील की जा रही है और क्षेत्रीय किसान सदस्य भी बन रहे है। चर्चा में किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे ने बताया कि किसान हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर सक्रिय किसान गर्जना संगठन के द्वारा गत दिवस से सदस्यता अभियान प्रारंभ की गई है और इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़कर उनकी सामूहिक आवाज़ को सशक्त रूप से सरकार और समाज तक पहुंचाना है। श्री सिहोरे ने बताया कि वर्तमान समय में किसानों को खेती-किसानी में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है-जैसे उत्पादन लागत में वृध्दि, उचित मूल्य की समस्या, प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव और सरकारी नीतियों की जटिलताएं। इन परिस्थितियों में किसानों की एकजुटता ही उनका सबसे बड़ा सहारा बन सकती है। इसलिए किसानों को संगठन से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है और क्षेत्रीय किसान संगठन से जुड़ भी रहे है। साथ ही सभी किसानों से अपील है कि वे अधिक से अधिक किसान गर्जना संगठन से जुड़कर सहयोग करें।

खबर प्रशासन के बाद हरकत में आया वन विभाग

वनग्राम चिखलाबड्डी, नवेगांव, सोनेवानी पहुंचकर वन, राजस्व एवं पंचायत के कर्मचारियों ने किया पुनः सर्वे

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र लालबर्रा के वनग्राम चिखलाबड्डी, नवेगांव, सोनेवानी के कुछ ग्रामीणजनों को विस्थापन प्रक्रिया के तहत 15-15 लाख रूपये दिये जाने का प्रावधान है। लेकिन प्रथम किस्त के तौर में 5-5 लाख रूपये की राशि तीनों ग्राम के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणजनों को नही मिलने से वे परेशान है। यानि की शुरूआती सर्वे में कुछ हितग्राही छुट गये थे। जिससे परेशान तीनों वनग्राम के ग्रामीणजन गत दिवस विधायक प्रतिनिधि अनीस खान से मुलाकात कर उन्हे अपनी समस्या से अवगत करवाकर प्रेस को अपनी समस्या बताई थी। जिनकी समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद वन विभाग के आलाधिकारी हरकत में आये और वन, राजस्व एवं पंचायत विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई। वहीं गठित टीम के द्वारा मंगलवार को तीनों वनग्राम में पहुंचकर किस ग्रामीण को विस्थापन प्रक्रिया के तहत लाभ नही मिला है उसकी जानकारी लेकर उनका सर्वे किया गया है ताकि यूनिट बनाकर उन्हे लाभ दिलवा सके। वहीं सर्वे कार्य होने से जिन हितग्राही विस्थापन प्रक्रिया से मिलने वाले लाभ से वंचित हो गये थे उन्हे उम्मीद है कि अब उनका भी यूनिट बनेगा और 15-15 लाख रूपये का लाभ मिलेगा। लेकिन वन विभाग का कहना है कि विस्थापन की प्रक्रिया के तहत सर्वे किया गया है, अगर कोई किसी कारणवश छुट गया होगा तभी उसे लाभ मिलेगा। नही तो कुछ पूर्व में बाहर रहे है या शादी हो गई है। अब वनग्राम चिखलाबड्डी, सोनेवानी, नवेगांव में पहुंचकर अपना मूल निवास बताकर लाभ लेने की कोशिश कर रहे है जो गलत है। जबकि यह यूनिट बनाने की प्रक्रिया पूर्व में ही हो चुकी है। लेकिन जो हितग्राही को विस्थापन प्रक्रिया के तहत लाभ नही मिला है वे शासन-प्रशासन से लाभ दिलवाने की मांग कर रहे है। चर्चा में वनग्राम चिखलाबड्डी, नवेगांव, सोनेवानी के ग्रामीणों ने बताया कि सोनेवानी को अभ्यारण केन्द्र बनाया जा रहा है इसलिए हम लोगों को अन्य स्थान पर विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और विस्थापन प्रक्रिया के तहत एक यूनिट को 15-15 लाख रूपये मिलना है, जिसमें सैकड़ों यूनिट परिवार को प्रथम किस्त के तौर में 5-5 लाख रूपये की राशि उनके खाते में डाल दी गई है। लेकिन एक दर्जन से अधिक लोगों को किसी कारणवश छोड़ दिया गया है इसलिए हमारी मांग है कि हमें भी विस्थापन प्रक्रिया के तहत मिलने वाले 15-15 लाख रूपये का लाभ दिया जाये।

इनका कहना है-

वनग्राम चिखलाबड्डी, नवेगांव, सोनेवानी में निवासरत लोगों को शासन के द्वारा अन्य स्थान पर विस्थापित किया जा रहा है और पूर्व में विस्थापन प्रक्रिया के तहत सर्वे कर यूनिट बनाये गये है, जिसके आधार पर प्रत्येक यूनिट पर 5-5 लाख रूपये की प्रथम किस्त उनके खातों में डाल दी गई है। साथ ही अगर कोई हितग्राही किसी कारण छुट गये है तो उनका सर्वे कर उन्हे लाभांवित किया जायेगा, जिसके लिए राजस्व, वन एवं पंचायतकर्मी की संयुक्त टीम बनाकर सर्वे करवाया जा रहा है और जो शासन के मापदण्ड में आयेगें उन्हे लाभ दिलवाया जायेगा।

टीसी मरावी
रेंजर
दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा।

सहकार से समृध्दि एफएमडीआई की ट्रेनिंग लेकर लौटा 16 सदस्यीय दल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सहकार से समृध्दि योजना के अंतर्गत जिले के सहकारी समितियों के प्रबंधक एवं पर्यवेक्षकों का 16 सदस्यीय दल इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र को-ऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) नई दिल्ली के ट्रेनिंग सेंटर, गुरूग्राम (हरियाणा) में प्रशिक्षण प्राप्त कर वापस लौट आये है। वहीं इस प्रशिक्षण में सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधक एवं पर्यवेक्षकों ने विभिन्न जानकारी प्राप्त की है खाद के बारे में जो अब किसानों को फसल में कौन से खाद का उपयोग कर अधिक उत्पादन ले सकते है उसके बारे में बतायेगें। चर्चा में जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक शाखा लालबर्रा पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी एफ.पी.जोशी एवं प्रशासक कलेक्टर डॉ. मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में 16 सदस्यीय दल 31 अगस्त को नई दिल्ली के ट्रेनिंग सेंटर गुरूग्राम (हरियाणा) के लिए रवाना हुए थे और 4 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर गत दिवस बालाघाट वापस आ गये है। श्री लिल्हारे ने बताया कि आने वाले समय में धीरे-धीरे बोरी वाला रासायनिक खाद यूरिया, डीएपी, 20-20-0-13, जिंक सल्फेट एवं अन्य खाद दानेदार बंद हो जायेगा, क्योंकि ये खाद भूमि की उपजाऊ शक्ति को कम कर रहे हैं और मिट्टी को कठोर बना रहे हैं। इसके स्थान पर किसानों को अब नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो सल्फर, नैनो जिंक, बायोफर्टिलाइजर 0-52-34 एवं नैनो कॉपर और सागरिका जैसे तरल खाद का उपयोग किसानों को करना होगा। ताकि जमीन की उर्वरा शक्ति कायम रहे एवं कृषकों को फसल का उत्पादन भी अच्छा मिले। श्री लिल्हारे ने बताया कि इफकों की संकट हरण बीमा पालिसी अंतर्गत इफकों के खाद की एक बोरी लेने पर कृषक का 10 हजार रूपये का बीमा हो जाता है, जो अधिकतम 20 बोरी था। या 20 बाटल लेने पर दो लाख रूपये का स्वमेव बीमा हो जाता है। जिसका लाभ कृषक की दुर्घटना से मृत्यु होने पर इफकों द्वारा खरीदी किये गये खाद की बोरी या नैनो बाटल के आधार पर बीमा का लाभ मिलेगा। साथ ही यह भी बताया कि प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न खाद के बारे में उसका लाभ एवं नुकसान के बारे में जानकारी दी है। जिसे अब किसानों को हमारे द्वारा जानकारी दी जायेगी कि कौन सा खाद कब, कैसे और कितनी मात्रा में उपयोग करना चाहिए। श्री लिल्हारे ने बताया कि प्रशिक्षण काल में दल के सदस्यों को मथुरा, वृंदावन, आगरा और दिल्ली का भ्रमण भी करवाया गया। इस ट्रेनिंग के आयोजन में जिले के प्रतिनिधि वैदिक अगाल, एवं ब्लाक प्रतिनिधि रत्नेश शुकला का विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे, एचसी बोपचे, रमेशचंद लांजेवार, सुभाषचंद रहांगडाले, सुखदेव अनकर, संस्था प्रबंधक पतिराम पारधी, एचसी बसेने, एमपी ठाकरे, विष्णुप्रसाद बिसेन, मोहनलाल पाटिल, विलास चौरे, नोहरलाल समरिते, दिनेश परिहार, सुरेन्द्र बिसेन, मिथिलेश ठकरेले, खुमेन्द्र चौधरी शामिल है।

अस्पताल के सामने का हटाया गया अतिक्रमण

अतिक्रमण होने से शव विच्छेदन गृह तक पहुंचने में होती थी परेशानी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थित शव विच्छेदन गृह के सामने लंबे समय से कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर दुकान का संचालन किया जा रहा था। ऐसी स्थिति में शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सभाकक्ष के पीछे से शव विच्छेदन गृह तक लेकर जाना पड़ता था जिससे अस्पताल में उपचार करवाने आने वाले मरीजों के साथ ही उनके परिजनों व अन्य लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था और लंबे समय से उक्त अतिक्रमण को हटाने की मांग की जा रही थी। वहीं गत दिवस अस्पताल में आयोजित रोगी कल्याण समिति की बैठक में शव विच्छेदन गृह के सामने का अतिक्रमण का मुद्दा भी उठा था और राजस्व विभाग को जल्द अतिक्रमण हटाने कहा गया था। जिसके बाद राजस्व विभाग के द्वारा अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों को नोटिस जारी कर जल्द दुकान हटाने निर्देशित किया गया और उनके द्वारा समयावधि पर अपना सामान हटा लिये गये थे। बुधवार को राजस्व विभाग के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के शव विच्छेदन गृह के सामने जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। वहीं 30 वर्ष पुराना अतिक्रमण हट जाने से अब शव वि'छेदन गृह की ओर मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए लेकर जाने में सुविधा होगी और शव विच्छेदन गृह तक वाहन भी आसानी से पहुंच जायेगा। जिससे पूर्व में हो रही परेशानियों से निजात मिलेगी। साथ ही जिस स्थान से अतिक्रमण हटाया गया है उस स्थान से सड़क एवं गेट का निर्माण करवाने की मांग उठ रही है क्योंकि शव विच्छेदन गृह तक पहुंचने के लिए कच्चा मार्ग है। पक्की सड़क का निर्माण हो जाता है तो वाहन आसानी से पहुंच जायेगा। वहीं नगर के जागरूक नागरिकों ने जिस तरह से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के समीप का अतिक्रमण हटाया गया है। उसी तरह लालबर्रा से सिवनी मार्ग, बस स्टैण्ड, सब्जी मार्केट सहित अन्य स्थानों पर लोगों के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है उसे भी हटाने की मांग की है। इस अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान तहसीलदार कन्हैयालाल तेकाम, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे सहित पुलिसकर्मी एवं राजस्व अमला उपस्थित रहे।

अन्य स्थानों का भी अतिक्रमण हटाने की उठी मांग

आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय के बस स्टैण्ड से सिवनी मार्ग, सब्जी मार्केट, हाई स्कूल मार्ग सहित अन्य स्थानों पर भी लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे आवागमन बाधित होता है और आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि लालबर्रा बस स्टैण्ड से सिवनी मार्ग, बाजार क्षेत्र के अंदर एवं हाई स्कूल मार्ग सहित अन्य स्थानों पर अतिक्रमण का मकड़जाल फैला हुआ है। जिसके कारण सड़क सकरी हो जाती है और लोगों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही कही बार तो वाद-विवाद की स्थिति निर्मित होने के साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है, लेकिन जिम्मेदार कोई ध्यान नही दे रहे है। लालबर्रा बस स्टैण्ड से अस्पताल पहुंच मार्ग का दो वर्ष पूर्व टू वेन सीसी सड़क का निर्माण किया गया है, लेकिन मार्ग के दोनों साईड में ट्रांसपोर्ट के बड़े चौपहिया सहित अन्य वाहन खड़े रहते है। इसी तरह बस स्टैण्ड से लेकर मजार तक दुकानों के सामने तक दुकानों का सामान रखे होने के कारण ग्राहक एवं अन्य लोग रोड़ के ऊपर अपने वाहन खड़े कर देते है। ऐसी स्थिति में बड़े वाहनों के गुजरने पर बार-बार जाम की स्थिति निर्मित होती है। साथ ही कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो चुकी है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसी तरह बाजार क्षेत्र के अंदर भी यही स्थिति बनी हुई है जिससे सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं। नगर के जागरूक नागरिकों ने शासन-प्रशासन से बस स्टैण्ड से सिवनी मार्ग, हाई स्कूल मार्ग, सब्जी मार्केट, बाजार क्षेत्र के अंदर के अतिक्रमण को हटाकर नगर मुख्यालय को सुव्यवस्थित करने की मांग की है ताकि बाजार क्षेत्र के अंदर भी दुर-दराज से सामग्री खरीदी करने आने वाले लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

शव विच्छेदन गृह के सामने का हटाया गया है अतिक्रमण - कन्हैया

तहसीलदार कन्हैयालाल तेकाम ने बताया कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थित शव विच्छेदन गृह के सामने कुछ लोग अवैध रूप से अतिक्रमण कर दुकान संचालित कर रहे थे। जिससे मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम गृह तक ले जाने में परेशानी होती थी। गत दिवस दुकानदारों को नोटिस जारी कर सामान हटाने निर्देशित किया गया है। बुधवार को शासकीय जमीन अस्पताल के शव विच्छेदन गृह के सामने पर किये गये अतिक्रमण को हटाया गया है। श्री तेकाम ने बताया कि नगर मुख्यालय में जहां भी शासकीय जमीन पर अवैध रूप से अतिक्रमण किये गये है, जिसकी जानकारी लगने पर उक्त स्थानों का भी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी।

ढाबों में बिक रही अवैध शराब, जुआ,सट्टा पर टीआई लगायें रोक अन्यथा जनता होगी आक्रोशित-विवेक पटेल

खैरलाजी के अधिकारियों की विधायक ने ली बैठक

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलाँजी जनपद पंचायत के सभा कक्ष में बुधवार को विधायक विवेक पटेल और एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल की मौजूदगी में विभिन्न विभागों में पदस्थ अधिकारियों की बैठक आहूत की गई। इस दौरान बैठक में विभाग के अधिकारियों ने अपने अपने ग्रामो में चल रहें विकास कार्यो के बारे में जानकारी दी। वहीं ग्राम में होने वाली समस्याओं से विधायक विवेक पटेल को अवगत कराया । खैरलाँजी शिक्षा अधिकारी शंकरलाल भगत के द्वारा ग्राम मिरगपुर और खरखड़ी में स्कूल भवन की जर्जर बिल्डिंग को तोड़ने ,वहीं आजीविका मिशन विभाग के अधिकारियों ने भवन नहीं होने से होने वाली परेशानियों के बारे में विधायक विवेक पटेल को अवगत कराया गया। जिसमें विधायक पटेल ने जल्द बनवाने का आश्वस्त दिया । बैठक के बाद विधायक विवेक विक्की पटेल ने एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल और विभाग के अधिकारियों के साथ खाली पड़े जर्जर भवन का निरीक्षण किया और जल्द तुड़वाने की बात कही। सरकार के द्वारा हर घर नल हर घर जल योजना के तहत सभी को नल कनेक्शन दिया जा रहा है। मगर ठेकेदार की लापरवाही के कारण अभी तक काम पूरा नहीं हो पाया है।

जिससे वहाँ निवास कर रहें ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। गर्मी के पूर्व सभी को पर्याप्त पीने का पानी मिले विभाग इसका ध्यान दे। जिसके बाद पीएचई अधिकारी जितेंद्र कारबेले ने विधायक पटेल को आश्वस्त किया की लगभग एक माह के पूर्व काम पूरा हो जायेगा और गर्मी में किसी को पानी की परेशानीयो से जूझना नहीं पड़ेगा।

क्षेत्र के हर व्यक्ति को हर योजनाओं का मिले लाभ

विधायक विवेक पटेल ने खैरलाँजी थाना प्रभारी रामसिंह पटेल को निर्देश दिए की खैरलांजी के ढाबों में अवैध शराब और जुआ,सट्टा चल रहा है। जिससे लगातार खैरलाँजी क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही है,ऐसे हो रहें अवैध कामों पर कार्यवाही करें। अन्यथा क्षेत्र की जनता का आक्रोश पुलिस प्रशासन के खिलाप दिखाई देगा जिसकी जवाबदारी पुलिस विभाग की ही होंगी। विधायक विवेक पटेल ने अधिकारियों से कहा की अभी तक किसने क्या किया मुझे नही पता मगर अब जो भी काम पेंडिंग पड़े हुए है जल्द काम हो। किसी भी लोगो से बेवजह पैसो की मांग ना करे,मैं आपको पूरा सहयोग करुंगा,ग्राम में काम करवाने पैसो की कमी होंगी हम भोपाल से लड़कर राशि लायेंगे और क्षेत्र में काम करेंगे । ग्राम के सभी लोगो को योजनाओं का लाभ मिले कोई भी योजना से वँचित ना रहे। कोई भी हितग्राही भटके ना,मुझे शिकायत नही मिलनी चाहिए । अपने कार्य के प्रति ईमानदारी से रहें किसी के बहकावे में ना आये,कोई भी जनप्रतिनिधि आता है उसका सम्मान करे,तहसील कार्यालय में किसान अपने काम से आता है उन्हें अधिकारी परेशान ना करें। आप लोगो को फिल्ड में कोई दिक्कत हो तो आप मुझे अवगत कराये मैं समस्या का समाधान करने प्रयास करूंगा।

जर्जर तहसील कार्यालय का कराया जाए निर्माण कार्य

तहसीलदार छवि पंत ने कहा की तहसील कार्यालय बहुत पुराना बना हुआ है जिससे तहसील कार्यालय के कुछ रूम जर्जर हो चुके है। जिससे अधिकारियों को काम करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रो से समस्या लेकर पहुंचने वाले लोगो गर्मी के दिनों में धूप से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं तहसील कार्यालय में कर्मचारियों की कमी है जिससे काम करने में थोड़ा अधिक समय लगता है। सीएम हेल्पलाइन की जितनी भी शिकायते पेंडिंग थी लगभग सभी समस्याओं का निराकरण पूरा हो चुका है। इस दौरान एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल,तहसीलदार छवि पंत,पीडब्लूडी एसडीओ सिद्धार्थ जैन, पीएचई एसडीओ जितेंद्र कारबेले,जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे,पूर्व उपाध्यक्ष फेकनलाल डोहरे,अजय भारतकर,बीपीओ अनिल मेश्राम, नैना वीरांग,माया फुलेके, इमरान कुरैशी,लालसिंह आर्मो,प्रदीप मेश्राम, सुनील हिरकने,सौरभ भालेकर, प्रवीण डोंगरे,आर पी मर्सकोले, शंकरलाल भगत, उमाशंकर बघेले, कोमल गजभिए,संतोष मानेश्वर, मुकेश ठाकरे,देवीप्रसाद लिल्हारे, विक्की लिल्हारे,संदेश बिसेन मौजूद रहे।

दिगंबर जैन मंदिर में चोरी के प्रयास कें आरोपी गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १३ स्थित दिगंबर जैन मंदिर में बीते दिनों हुई चोरी के प्रयास के दो आरोपी संजय सैय्याम और गौरव राउत को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से न्यायालय ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी संजय पिता धनेंद्र कासल उम्र ६१ वर्ष के द्वारा वारासिवनी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि मैं वार्ड नं. १३ वारासिवनी रहता हूँ। दिगंबर जैन मंदिर के सामने की तीन वेदी का सर्वकारा हूँ मेरे परिवार के द्वारा सामने की तीन वेदी की व्यवस्था एवं देखरेख की जाती है। मंदिर में ९ जून की सुबह करीबन ५ बजे की बात है मेरा छोटा भाई सचिन कासल मंदिर गया तो उसने देखा कि मंदिर के मैन गेट के पास पत्थर के टुकडे पडे है एवं चाबी लगाने पर ताला नही खुल रहा है। तो यह बात उसने मुझे बतायी और हम लोगो ने मिलकर मंदिर के सीसीटीव्ही कैमरे को देखा तो रात्री करीबन ५ बजे से १.३० बजे के बीच एक मोटर सायकल से कुछ अज्ञात बदमाश आकर पत्थर से मदिर के मैन गेट के ताले को तोडते हुये दिखाई दे रहे है पुरी घटना सीसीटीव्ही कैमरे में रिकार्ड हुई है। काफी प्रयास करने के बाद उक्त अज्ञात बदमाशों से जब मंदिर का ताला नही टुट पाया और रोड से आने जाने वालो का आवागमन बढ गया तो वो तीनो अज्ञात बदमाश वहाँ से चले गये। सीसीटीव्ही कैमरे की रिकार्डिग देखने के बाद हमने मंदिर में सामान देखा तो कोई सामान नहीं गया है। उक्त बदमाश चोरी करने की नीयत से मंदिर के गेट का ताला तोडने का प्रयास कर रहे थे। मामले में पुलिस के द्वारा अज्ञात आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा ३३१ ४ ३०५ डी ६२ के तहत अपराध कायम कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवकों की पतासाजी प्रारंभ की गई। जिसमें पुलिस को ९ सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि उक्त चोरी का एक आरोपी गौरव पिता राजू राउत उम्र २१ वर्ष वार्ड नंबर २२ शोभापथ कालीपुतली निवासी वारासिवनी की तरफआ रहा है। इसी प्रकार १० सितंबर को सूचना मिली कि चोरी के प्रयास का दूसरा आरोपी संजय उर्फगोलू पिता कमल सैय्याम उम्र २३ वर्ष वार्ड नंबर ३३ गायखुरी बालाघाट निवासी भी कायदी रोड़ पर है। जिस पर पुलिस के द्वारा तत्काल ग्राम कायदी के जोड़ा पथ स्थित तिराहे के आसपास से दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद दोनों आरोपियों को थाने में लाकर पूछताछ की गई तत्पश्चात गौरव राउत को ९ सितंबर को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया। वहीं संजय सैयाम को १० सितंबर को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से दोनों आरोपियों को न्यायालय ने जेल भेज दिया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी हेमंत नायक के मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक रामदयाल चौधरी ,आरक्षक कल्याण सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

संदीप सोनवाने का फांसी पर लटका मिला शव

मामले मे पुलिस ने मर्ग जांच की प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत टेकाड़ी निवासी ३० वर्षीय संदीप सोनवाने का शव १० सितंबर को घर के आंगन में नीम के पेड़ पर फांसी पर लटका हुआ मिला। इसमें बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से बीमार था मामले में पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संदीप पिता स्वर्गीय शिवलाल सोनवाने उम्र ३० वर्ष ग्राम टेकाड़ी निवासी पांच भाई.बहन है जो अपनी मां के साथ रहते हैं। पिता की मृत्यु हो चुकी है यह सभी हैदराबाद कमाने के लिए जाते हैं और वहीं रहते हैं। ऐसे ही संदीप सोनवाने भी हैदराबाद से वापस अपने गांव आया हुआ था जहां ९ सितंबर को वह खाना पीना खाकर रात में घर में ही था। इसके बाद सभी सो गए और सुबह उठकर देखे तो पेड़ पर संदीप सोनवाने का शव लटका हुआ था। यह देख तत्काल घटना की जानकारी परिवार के सदस्यों ग्रामीण एवं पुलिस को दी गई। वहीं घटना की जानकारी गांव में आग की तरह फैल गई जहां मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। मामले में पुलिस के द्वारा मौके पर नीम के पेड़ पर लटके संदीप सोनवाने के शव को नीचे उतरकर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही की गई। तो वहीं घटना की जानकारी लेकर शव परीक्षण कर उसे सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में लाया गया। जहां पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

बीमार रहता था मेरा भतीजा संदीप सोनवाने-भिवलाल सोनवाने

भीमलाल सोनवाने ने पुलिस को बताया कि मैं ग्राम टेकाडी रहता हूँ कपडे सिलाई का काम करता हूँ। संदीप सोनवाने मेरा भतीजा है जो घर पर अकेला रहता था। संदीप सोनवाने की माँ बाहर रहती है तथा पिता का पहले ही देहांत हो चुका है। संदीप कमाने खाने मजदुरी करने हैदराबाद जाता रहता था तीन दिन पहले ही हैदराबाद से आया था। ९ सितंबर की रात्री करीबन १० बजे तक घर में था १० सितंबर को मैं सुबह करीबन ६ बजे सोकर उठा और घर के सामने निकला तो आंगन में लगे नीम के पेड में संदीप सोनवाने फांसी में लटका हूँआ दिखाई दिया। जिसकी मृत्यु हो गई थी संदीप सोनवाने अकसर बीमार रहता था । मेरा भतीजा संदीप सोनवाने की मृत्यु घर के आंगन में लगे नीम के पेड में फांसी लगाने से हुई है। मृत्यु पर किसी प्रकार का कोई शंक संदेह नही है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि ग्राम टेकाड़ी में एक व्यक्ति के द्वारा फांसी लगा लेने की सूचना थाने में मिली थी। मर्ग सूचना पर मौके पर पहुंचकर देखा गया तो संदीप सोनवाने फांसी पर लटका हुआ था। वह पांच भाई.बहन मां के साथ रहते हैं हैदराबाद कमाने जाते हैं मौके पर पंचनामा कार्यवाही की गई। वहीं सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम कर मर्ग जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

राजकपूर रंगारे प्रधान आरक्षक थाना वारासिवनी

चातुर्मास महोत्सव कार्यक्रम का पुरस्कार वितरण संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। चातुर्मास महोत्सव कार्यक्रम का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें ऑनलाइन प्रतियोगिता राखी मेकिंग कंपटीशन, क्ले आर्ट कांपटीशन, सलाद डेकोरेशन कंपटीशन, मेहंदी कंपटीशन, तथा तीज क्वीन कांपटीशन ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। साथ ही पुरस्कार वितरण के दिन भजन प्रतियोगिता एवं नृत्य प्रतियोगिता भी संपन्न हुई। इन सभी प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरित किए गये। कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती बेला मेरी जोसेफ ,श्रीमती वंदना शर्मा,श्रीमती पूनम झा की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम किया गया। राखी मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती सोनाली रूसिया, द्वितीय स्थान शिखा विश्वकर्मा,तृतीय स्थान सीमा उपलपवार ने प्राप्त किया। इसी तरह क्ले आर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती सोनाली रूसिया, द्वितीय स्थान चंद्रशिला शक्करपुरे तथा तृतीय स्थान सीमा उपलपवार ने प्राप्त किया। सलाद डेकोरेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीमा उपलपवार, द्वितीय दुर्गा बर्वे, तृतीय अंजलि अग्रवाल ने प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ज्योति नगपुरे, द्वितीय स्थान सौम्या मिश्रा , तृतीय स्थान मोनिका कन्नौजे ने प्राप्त किया। तीज क्वीन प्रतियोगिता में तीन कैटेगिरी थी प्रथम क्रांतिकारी में विजेता रही साक्षी दुबे, द्वितीय कैटेगिरी में दो विनर रहे मोनिका कन्नौजे तथा अंजू बिसेन तथा तृतीय कैटेगरी नीता कन्नौजे विजेता रही। भजन प्रतियोगिता में माया चापुकर ने बाजी मारी, नृत्य प्रतियोगिता में दुर्गा बर्वे एवं उनकी बेटी के नृत्य ने सबका मन जीत लिया। इस दौरान सिद्धिविनायक मंदिर में भंडारा प्रसाद वितरण किया गया। चातुर्मास महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य इस वर्ष मूर्तिकारों का सम्मान समारोह तथा इन चार महीना में भिन्न-भिन्न विषयों पर प्रतियोगिता कर पुरस्कार वितरण आदि कार्य किए जायेंगे। साथ ही ५ अक्टूबर के दिन मूर्तिकारों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। श्रीमती दिव्या श्रीवास्तव ने समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

नाबालिक से दुराचार का फरार आरोपी बसंत कुमरे गिरफ्तार

बालाघाट विशेष न्यायालय ने आरोपी को भेजा जेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत १६ वर्षीय नाबालिक से दुराचार के अपराध में फरार आरोपी बसंत कुमरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर १० सितंबर को बालाघाट विशेष न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार २६ वर्षीय बसंत पिता दुर्गा प्रसाद कुमरे ग्राम सिकंद्रा निवासी की वारासिवनी थाना अंतर्गत १६ वर्षीय नाबालिक से पहचान थी। वह उसे बहला फुसलाकर कहीं ले जा लिया गया था जिसके बाद परिवार जनों के द्वारा वारासिवनी थाने में उनकी नाबालिक बेटी बिना बताए कहीं चले जाने एवं किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला फुसला कर अपने साथ ले जाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। मामले में पुलिस के द्वारा १६ वर्षीय नाबालिक की तलाश की जा रही थी। तभी मूखबीर सूचना के आधार पर पुलिस के द्वारा नाबालिक को दस्तयाब किया गया। मौके से आरोपी बसंत पिता दुर्गा प्रसाद कुमरे उम्र २६ वर्ष सिकंद्रा निवासी फरार हो गया था। इसमें पुलिस के द्वारा नाबालिक को थाने लाकर पूछताछ की गई जिसके द्वारा बताया कि आरोपी के द्वारा उसे उसकी मर्जी के विरुद्ध ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार की घटना को भी अंजाम दिया गया। मामले में पुलिस के द्वारा अपराध क्रमांक २२८/२०२५ के अंतर्गत नाबालिक पीड़िता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा ६४ २ एम ६५ १ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम २०१२ की धारा ५ एल ५ जे ।। /६ अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति की धारा ३२५ , ३२५ए ३ १डब्लू २ का इजाफा कर आरोपी बसंत पिता दुर्गा प्रसाद कुमरे उम्र २६ वर्ष सिकंद्रा निवासी की पतासाजी प्रारंभ की गई। इसी दौरान ९ सितंबर को मुखबिर सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर थाने में लाया गया। जहां आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर बसंत कुमरे को विशेष न्यायालय बालाघाट के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति शांति नगर भाजी मंडी बैठक आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। श्री नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति शांति नगर भाजी मंडी का ८१ वॉ वर्ष भव्यता के साथ मनाने बैठक आयोजित की गई। बैठक समिति के संरक्षक वीरेंद्र सोहाने , नारायण कदम,संजय रूसिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में नवरात्रि पर्व के कार्यक्रमों की रूपरेखा सुनिश्चित करने हेतु समिति अध्यक्ष अभय रूसिया ने बैठक का आह्वान किया। जिसमें समिति के संरक्षक गण सदस्य गण,पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष अभय रूसिया ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नवरात्र पर्व को धूमधाम मनाने से पंडाल में लाकर विधि विधान के साथ माताजी की स्थापना होगी। इसी के साथ प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पारंपरिक भव्य गरबा का आयोजन श्री नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति शांति नगर भाजी मंडी में २३ सितंबर २०२५ से कराया जाएगा। जिसकी प्रैक्टिस प्रारंभ की जा चुकी है। इसके साथ ही माता जी के पंडाल में भंडारा, आर्केस्ट्रा, माताजी के भव्य विसर्जन की भी तैयारी धूमधाम से की जायेगी।

कर सुधार : आर्थिक नीति से सामाजिक न्याय

भारत की राजनीति और अर्थनीति में कर सुधार हमेशा से एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण मुद्दा रहा है। लंबे समय तक जटिल कर ढांचे ने नागरिकों और कारोबारियों को उलझाए रखा। वैट, उत्पाद शुल्क और अनेक स्थानीय कर न केवल भ्रम पैदा करते थे बल्कि व्यापार की गति को भी बाधित करते थे। इस पृष्ठभूमि में 2017 में जीएसटी लागू हुआ, जिसने कर प्रणाली को एक राष्ट्र-एक कर-एक बाजार की दिशा दी। किंतु उसकी संरचना जटिल थी और बहु-स्लैब दरों ने कई बार विवाद और असुविधा उत्पन्न की। इसीलिए जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक ने नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों की घोषणा की, तो यह केवल तकनीकी निर्णय नहीं बल्कि एक वैचारिक बदलाव भी था। इन सुधारों की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे सीधे नागरिकों के जीवन को केंद्र में रखकर बनाए गए हैं। आवश्यक वस्तुओं को करमुक्त करना या न्यूनतम दर पर लाना केवल कर नीति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में कदम है। दूध, दही, चावल, आटा और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर छूट गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत देती है। यह वही वर्ग है जो महंगाई की सबसे अधिक मार झेलता है और जिस पर पूर्ववर्ती सरकारों ने अक्सर अप्रत्यक्ष करों का बोझ डाला। यूपीए के दौर में जहाँ आटा, चावल और चाय जैसी आवश्यक वस्तुएँ भी कर के दायरे में थीं, वहीं आज मोदी सरकार ने उन्हें छूट देकर साफ कर दिया कि उसकी प्राथमिकता आम नागरिक का बोझ कम करना है। स्वास्थ्य क्षेत्र में उठाया गया कदम भी इसी दृष्टिकोण को दर्शाता है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा को करमुक्त करना और जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य करना यह दिखाता है कि सरकार केवल अर्थव्यवस्था के आँकड़ों से नहीं बल्कि लोगों के दुःख-दर्द से भी जुड़ी हुई है। पूर्ववर्ती सरकारें स्वास्थ्य को निजी हाथों में छोड़ कर कर्तव्य पूरा समझ लेती थीं, वहीं मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को नागरिक अधिकार की तरह देखा है। कृषि सुधारों में भी यही सोच परिलक्षित होती है। किसान केवल वोट बैंक नहीं बल्कि राष्ट्र की रीढ़ हैं, यह दृष्टि भाजपा सरकार ने बार-बार अपने निर्णयों में साबित की है। ट्रैक्टर, सिंचाई उपकरण, खाद और कीटनाशकों पर कर दर कम करना केवल लागत घटाने का उपाय नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता का सूत्र है। पिछली सरकारें कृषि क्षेत्र को सब्सिडी तक सीमित रखती थीं, जबकि मोदी सरकार कर ढांचे में ही संरचनात्मक सुधार कर किसानों को स्थायी लाभ पहुंचा रही है। अवसंरचना और उद्योग जगत को भी यह सुधार नए अवसर देता है। सीमेंट पर कर दर घटाना घर बनाने वाले आम नागरिक से लेकर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तक सबके लिए राहत है। छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को सरल अनुपालन और तेज़ रिफंड प्रक्रिया उपलब्ध कराना वास्तव में उन्हें अर्थव्यवस्था का सशक्त स्तंभ मानने की नीति है। यहाँ तुलना आवश्यक है—पिछली सरकारें इस क्षेत्र को नियामकीय बोझ में दबाए रखती थीं, जबकि मोदी सरकार तकनीक जैसे एआई आधारित निगरानी का उपयोग कर पारदर्शिता और सुगमता दोनों ला रही है। कपड़ा और उर्वरक उद्योग, जो लंबे समय से उल्टे कर ढांचे की मार झेल रहे थे, अब जीएसटी युक्तिकरण से राहत पाएंगे। यह न केवल उद्योग के लिए प्रोत्साहन है बल्कि लाखों कामगारों के लिए भी स्थिरता और रोजगार का आधार है। यहाँ एक और बड़ा फर्क स्पष्ट होता है। पिछली सरकारें सुधारों को अक्सर राजनीतिक गणित और वोट-बैंक से जोड़कर देखती थीं। नतीजा यह हुआ कि निर्णय या तो टलते रहे या आधे-अधूरे लागू हुए। मोदी सरकार ने दिखाया कि सुधार केवल नारे नहीं होते, वे ठोस नीतिगत हस्तक्षेप होते हैं। यह नेतृत्व की स्पष्टता और दूरदृष्टि है कि दुनिया मंदी की आहट से जूझ रही है और भारत में कर सुधारों को अवसर की तरह लिया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन सुधारों से राष्ट्रनिर्माण का वह दृष्टिकोण झलकता है जिसमें अर्थव्यवस्था केवल जीडीपी वृद्धि तक सीमित नहीं बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर, उद्योगों की प्रतिस्पर्धा और किसानों की समृद्धि से जुड़ी हुई है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए ये निर्णय दिखाते हैं कि सरकार की प्राथमिकता सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास को व्यवहार में उतारना है।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराजगी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-卐प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं। यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यत: जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बड़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

-ललित गर्ग

वेदांत को समझे बिना क्रांति संभव नहीं : आचार्य विनोबा

1947 हमारा देश आजाद हुआ। अंग्रेज तो चले गए पर पीछे छोड़ गए एक ऐसा रूढ़िवादी भारतीय समाज जो अशिक्षा जाति व्यवस्था और भयंकर गरीबी के संकट से जूझ रहा था। यकीनन जिससे निजात पाने के लिए अभी एक और लंबी लड़ाई लड़नी थी। अंग्रेजी सरकार जाते जाते भारत को चारो तरफ से कमजोर बनाकर गई। कई लोग तो इस तरह से गरीब हो गए थे कि उनके पास रहने तक के लिए जगह नही थी। वर्ष 1951, लोगों के बीच खासकर ग्रामीणों तक यह खबर फैल गयी थी कि कोई संत निकला है जो दान में भूमिहीनों के लिए जमीन मांगता है और कहता है कि हवा पानी और आसमान की तरह जमीन भी ईश्वर की बनाई हुई है जो सबके लिए है। आप मुझे अपना बेटा मानकर अपनी जमीन का छठा हिस्सा दे दीजिए। भूदान आंदोलन के जनक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं अहिंसा के प्रबल समर्थक आचार्य विनोबा भावे नवंबर1951 में पूरे उत्साह के साथ दिल्ली से उत्तर प्रदेश की ओर पद यात्रा पर निकल पड़े। पूरे देश की नजर विनोबा के भूदान यज्ञ की ओर टिक गयी। भूदान आंदोलन की शुरुआत ऐसे समय में की गई जब देश में जमीन को लेकर रक्तपात होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। तेलांगना और फिर उत्तर प्रदेश की भूदान यात्रा के तहत अप्रैल 1952 में सेवापुरी में हुए चौथे सर्वोदय समाज सम्मेलन में सर्व सेवा संघ ने अगले दो सालों में पूरे देश भर में 25 लाख एकड़ भूदान प्राप्त करने का संकल्प किया। इसी सम्मेलन में बिहार से कुछ अग्रणी समाज सेवक लक्ष्मी बाबू, ध्वजा बाबू रामदेव बाबू और वैद्यनाथ बाबू आये थे जिनका इरादा बिनोवा जी को बिहार लाना था। विनोबा ने इनसे बिहार में भूदान के तहत चार लाख एक? हासिल करने की बात कही। लक्ष्य काफी मुश्किल था बावजूद इसके इन नेताओं ने विनोबा की बात कबूल कर ली और इस तरह बिहार में विनोबा जी का आना तय हो गया। संयुक्त बिहार (झारखंड तब बिहार का अंग था) में भूदान और ग्रामदान अभियान के लिए विनोबा छह बार आए और गए। एक तरफ तो समाजवादी दल,सर्वोदयी नेताओं और रचनात्मक कार्यकर्ताओं और जनता के समर्थन तथा सहयोग से भूदान आंदोलन में तेजी आ रही थी वहीं दूसरी तरफ साम्यवादी कार्यकर्ताओं द्वारा इस आंदोलन का विरोध किया जा रहा था। विनोबा के बिहार में प्रवेश करते ही साम्यवादियों का विरोध और तेज हो गया। उनकी शिकायत थी कि भीख मांगने से क्रांति नहीं आ सकती है। विनोबा ने बिहार प्रवेश के पहले ही दिन दुर्गावती में कहा था कि मैं कम्युनिष्टो को कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान में क्रांति किस ढंग से हो सकती है यह मैं आपसे बेहतर जानता हूं। मैं वेदों से लेकर गांधी तक के सारे विचार घोलकर पी गया हूं। सब विचारों का अध्ययन किया है। वेदांत समझे बिना यहां कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। अगर आप आत्मा के टुकड़े करेंगे वर्ग बनाएंगे और कटुता तथा द्वेष फैलाएंगें तो उससे क्रांति नहीं होगी। मैं भूमिहीनों के लिए भीख नहीं उनका हक मांगने आया हूं। बिहार के बड़े कांग्रेसी नेता और सरकार चला रहे श्रीकृष्ण सिंह और अनुग्रह नारायण सिंह ने भूदान आंदोलन को अपना समर्थन दिया। महान समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण भी भूदान आंदोलन में कूद पड़े। बिहार खादी समिति और बिहार गांधी स्मारक निधि ने भी भूदान कार्य में अपने को पूरा झोंक दिया। प्रांतीय भूदान आंदोलन समिति के लक्ष्मी बाबू सहित रामदेव बाबू, ध्वजा बाबू, रामाचरण बाबू, गजानंन दास, गोपाल झा शास्त्री, भवानी सिंह, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, रांची जिलें पूरी तरह से सक्रिय हो गए। इसके अलावा संथालपरगना में मोतीलाल केजरीवाल, शाहाबाद में प्रद्युम्न मिश्र, भागलपुर में बोधनारायण मिश्र, शुभकरण चुड़ीवाला, मानभूमि में लालबिहारी सिंह और शीतल प्रसाद तायल, सारण जिले में हीरालाल सर्राफ, पटना जिले में अवध बिहारी सिंह, पूर्णिया जिले में वैद्यनाथ प्रसाद चैधरी, चंपारण जिले में बिहार कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंडित प्रजापति मिश्र ने भूदान आंदोलन में खुद को झोंक दिया। मुंगेर जिले में खादीग्राम भूदान आंदोलन का केन्द्र बन गया। दादा धर्माधिकारी, विमला ठकार, शंकरराव देव और धीरेन्द्र भाई जगह- जगह सभाएं करने लगे जिससे भूदान आंदोलन के अनुकूल माहौल बनने लगा। बोधगया में जिले के करीब पांच सौ कार्यकर्ता ने एक लाख एकड़ भूमि भूदान में प्राप्त करने का संकल्प लिया। गया के बाद पलामू और रांची की पदयात्रा के बाद विनोबा लोहरदग्गा गए। वहां से सिंहभूम जिले में पदयात्रा आरंभ हुई। उनकी यात्रा से भूदान प्राप्ति में अच्छी प्रगति होने लगी थी।चांडिल पहुंचते-पहुंचते विनोबा की तबियत बिगड़ने लगी। 106 डिग्री बुखार रहने लगा था। विनोबा जी ने अंग्रेजी दवा लेने से इनकार कर दिया आखिरकार डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद और बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री कृष्ण बाबू के आग्रह पर उन्होंने दवा ली। स्वास्थ्य में सुधार के बाद बिनोवा जी के चांडिल में रहते हुए सर्वोदय समाज का पांचवा वार्षिक सम्मेलन मार्च 1953 में हुआ। इसमें राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद और जयप्रकाश नारायण ने भाग लिया।बिनोवा ने इस सम्मेलन में देश भर से आए प्रतिनिधियों को अपने- अपने प्रांत जाकर अपना पूरा समय एक साल तक भूदान कार्य के लिये देने की अपील की। चांडिल में 87 दिनों तक ठहरने के बाद अगला पड़ाव मानभूमि जिले के झरिया में था। यहां विनोबा ने कहा - हमने सुना कि झरिया एक बड़ा कुरूक्षेत्र है यहां लड़ाइयां चलती हैं। यहां कितने दुर्योधन दु:शासन और कितने कौरव पुत्र हैं हम नहीं जानते लेकिन यहां मजदूर अवश्य रहते हैं। उनसे काम लेना है और हर हालत में लेना है। कोयला निकलवाना है। गया जिले में 27 दिनों के कार्यक्रम के बाद विनोबा जी पलामू जिले की ओर गए जहां रंका में बिनोवा जी दो दिन ठहरे। रंका के राजा गिरिवरनारायण सिंह ने जोत और परती जमीन सहित कुल एक लाख दो हजार एक एकड़ जमीन दान में दे दी। पलामू के बाद वे फिर रांची गए और यहां उन्होंने बिहारवासियों के नाम एक पत्र जारी किया। पत्र में उन्होंने लिखा- मैं भूदान के सिलसिले में बिहार प्रदेश की यात्रा कर रहा हूं। बिहार से मैंने 32 लाख एकड़ की मांग की है जो भूमिहीनों में बांटी जा सके। दक्षिणी भागलपुर में 22 दिनों की पदयात्रा के बाद बिनोवा मुंगेर आए। मुंगेर में विनोबा जी ने कहा- हमें एक लाख दानपत्र मिले हैं। यह कोई छोटी बात नहीं। मुंगेर में 17 दिनों पदयात्रा के बाद बिनोवा जी उत्तर बिहार की ओर बड़े। मोकामा बेगूसराय होते हुए बिनोवा जी ने पूर्णिया जिले में प्रवेश किया जहां 3,334 दानपत्रों से उनका स्वागत किया गया। इसमें 13,614 एकड़ जमीन थी। इसके बाद दरभंगा महराज कामेश्वर सिंह ने कुरसेला आकर एक लाख अठारह हजार एकड़ का दानपत्र विनोबा जी को समर्पित किया। पूर्णिया, सहरसा और बाद में दरभंगा जिले में मानो दानपत्रों की वर्षा ही शुरू हो गयी। यह वह दौर था जब दानपत्र मांगनेवालों की ही कमी थी देनेवालों की नहीं। जहां भी विनोबा जी जाते रास्ते में और पड़ावों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती। कवि दुखायल घूम-घूमकर अपने गीतों से भूदान का प्रचार कर रहे थे। इसी क्रम में विनोबा जी द्वारा भूमि वितरण कार्य शुरू क्रिया गया। सरकार द्वारा भूदान एक्ट पास किया गया।

यह सुनिश्चित किया गया कि दान में मिली जमीन का बंटवारा व्यवस्थित तरीके से हो सके। बिहार में भूमि वितरण की शुरूआत गया जिले से ही हुई। विदाई के मौके पर विनोबा ने कहा कि मैं कह सकता हूं कि बिहार में ईश्वरीय प्रेम का साक्षात्कार हुआ। बिहार के लिए मेरे मन में एक स्वप्न था और है। यहां के लोगों ने मुझे आत्मीय भाव से माना और बहुत प्रेम दिया। मैं अधिक प्रेम संपन्न होकर यहां से जा रहा हूं इसलिए इस यात्रा को हम आनंद यात्रा कहते है। भूदान आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान विनोबा भावे ने देश के विभिन्न हिस्सों (कुल 58,741 किलोमीटर की दूरी) की पदयात्रा की और 4.4 मिलियन एकड़ भूमि एकत्र करने में सफल रहे, जिसमें से लगभग 1.3 मिलियन को गरीब भूमिहीन किसानों के बीच वितरित किया गया।

-निमिषा सिंह

बढ़ती आत्महत्याओं की घटनाएं, एक वैश्विक चुनौती-रोकथाम की सख्त आवश्यकता

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता की प्रगति के साथ -साथ मानसिक,सामाजिक और आर्थिक जटिलताएँ भी बढ़ती गई हैं। इन्हीं जटिलताओं से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है,आत्महत्या। यह केवल किसी व्यक्ति का निजी निर्णय नहीं होता,बल्कि इसके पीछे सामाजिक मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों का गहरा प्रभाव होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर आत्महत्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक माना जाता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, हर साल लगभग 7 लाख लोग आत्महत्या करके अपनी जान गंवाते हैं, जिसका अर्थ है कि हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता हैँ। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं,बल्कि वैश्विक संकट है। जिसका समाधान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मिट बुलाकर करना समय की मांग है। बता दे भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति की घोषणा की है। यह देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है,जिसमें वर्ष 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10 पर्सेंट की कमी लाने के लिये समयबद्ध कार्य योजना और बहु- क्षेत्रीय सहयोग शामिल है।यह रणनीति आत्महत्या की रोकथाम के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र रणनीति के अनुरूप है।

साथियों बात अगर हम आत्महत्या क्या है और क्यों की जाती है? किस देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या होती है?इसको समझने की करें तो, आत्महत्या का सामान्य अर्थ है, व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपनी जान लेना। यह निर्णय किसी क्षणिक आवेग का नहीं, बल्कि लंबे समय तक चले मानसिक और सामाजिक दबाव का परिणाम होता है। डब्लूएचओ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, आत्महत्या करने वालों में से लगभग 77 पर्सेंट लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों से होते हैं,जहाँ मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ सीमित होती हैं और सामाजिक कलंक के कारण लोग मदद माँगने से कतराते हैं। आत्महत्या के मुख्य कारणों में डिप्रेशन,बाइपोलर डिसऑर्डर, सिज़ोफ्रेनिया, नशे की लत, तथा सामाजिक अलगाव प्रमुख हैं। इसके अलावा रिश्तों में असफलता, बेरोजगारी, आर्थिक2 तंगी,घरेलू हिंसा और युवाओं पर शिक्षा व करियर का दबाव भी आत्महत्या के प्रमुख कारक हैं।वैश्विक स्तर परआत्महत्या की दर हर देश में अलग-अलग है।डब्ल्यूएचओ की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि लिथुआनिया दक्षिण कोरिया,रूस, गुयाना और जापान जैसे देशों में प्रति 1 लाख आबादी पर आत्महत्या दर सबसे अधिक दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, लिथुआनिया में यह दर लगभग 25.7 प्रति 1 लाख है, जबकि दक्षिण कोरिया में लगभग 20.2 प्रति 1 लाख। वहीं भारत और चीन जैसे देशों में कुल आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है,क्योंकि यहाँ जनसंख्या बहुत बड़ी है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरब) 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में 1.64 लाख से अधिक आत्महत्याएँ दर्ज की गईं, यानें हर दिन औसतन 450 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या दैनिक वेतन बोगियों, छात्रों और किसानों की है। जापान में आत्महत्या लंबे समय से सामाजिक समस्या रही है,जहाँ हर साल लगभग 20,000 से अधिक लोग जीवन समाप्त कर लेते हैं।

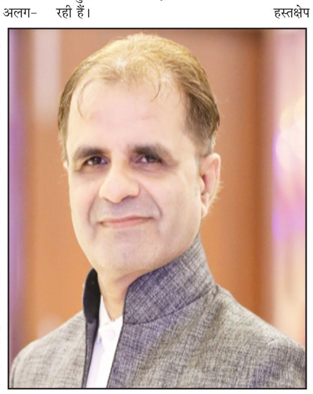

साथियों बात अगर हम आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती होने की करें तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह स्वीकार किया गया है कि आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या मानना उचित नहीं है।डब्ल्यूएचओ और अंतर्राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम संघ (आईएएसपी) के विशेषज्ञ मानते हैंकि आत्महत्या दरअसल मानसिक,सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों का परिणाम है।2021 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के पीछे गरीबी, सामाजिक असमानता, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा का अभाव जैसी समस्याएँ भी प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं।युवाओं मेंआत्महत्या की दर विशेष रूप से चिंताजनक है।15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। डिजिटल युग में साइबर बुलिंग, ऑनलाइन दबाव और सोशल मीडिया की अवास्तविक अपेक्षाएँ भी युवाओं को आत्महत्या की ओर धकेल रही हैं।

साथियों बात अगर हम आत्महत्या रोकने के उपायों की करें तो शोध और डेटा संग्रह आत्महत्या रोकथाम की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। डब्लूयुएचओ की मेन्टल हेल्थ अटलस 2020 रिपोर्ट बताती है कि दुनियाँ के 80 पर्सेंट से अधिक देशों में आत्महत्या से संबंधित डेटा उपलब्ध नहीं है या अधूरा है। इससे नीतियों का निर्माण कठिन हो जाता है। आईएएसपी लगातार इस दिशा में अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रहा है। अमेरिका और यूरोप के देशों ने आत्महत्या रोकथाम पर व्यापक शोध कियाद्ग है,जिससे यह साबित हुआ है कि कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी), साइकोसोशल सपोर्ट, हेल्पलाइन सेवाएँ और सामुदायिक सहयोग आत्महत्या रोकने में बहुत प्रभावी हैं।पेशेवरों को प्रशिक्षित करना भी इस दिशा में अत्यंत आवश्यक है डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाँ भर में प्रति 1 लाख लोगों पर औसतन केवल 13 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर हैं, जबकि विकसित देशों में यह अनुपात बहुत अधिक है। इस असमानता के कारण निम्न और मध्यम आय वाले देशों में आत्महत्या रोकथाम चुनौतीपूर्ण बन जाती है। यदि डॉक्टर, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और पुलिसकर्मी आत्महत्या के संकेतों को पहचानने और सही समय पर हस्तक्षेप करने में प्रशिक्षित हों, तो कई जिंदगियाँ बचाई जा सकती हैं।

साथियों बात अगर हम आत्महत्याओं को रोकने के लिए शिक्षा और संवाद की आवश्यकता सबसे मजबूत हथियार होने की करें तो, आईएएसपी और डब्लूयुएचओ दोनों ही यह मानते हैं कि सार्वजनिक जागरूकता से आत्महत्या की प्रवृत्ति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डब्लूयुएचओ की 2022 की रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य पर संवाद बढ़ाने से आत्महत्या दर में 20 पर्सेंट तक की कमी लाई जा सकती है।आज भी अधिकांश समाजों में मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या को लेकर सामाजिक कलंक मौजूद है। लोग इस विषय पर बात करने से कतराते हैं।इसका परिणाम यह होता है कि पीडि़त व्यक्ति अकेलेपन और शर्मिंदगी का शिकार हो जाता है। युवाओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना और उन्हें यह समझाना कि मदद माँगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस है,अत्यंत आवश्यक है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में काउंसलिंग सेवाएँ, हेल्पलाइन नंबर, मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएँ शुरू करना उपयोगी साबित हो सकता है। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया और जापान ने स्कूल स्तरपरमानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की है, जिससे आत्महत्या की दर कम करने में मदद मिली है।

साथियों बात अगर हम आत्महत्या की रोकथाम के वैज्ञानिक और सामाजिक उपायों की करें तो,आत्महत्या रोकथाम के लिए बहुआयामी उपाय आवश्यक हैं।डब्लूयुएचओ की लाइव लाइफ रणनीति (2021) में चार प्रमुख उपाय सुझाए गए हैं (1) हानिकारक साधनों की उपलब्धता को कम करना (जैसे कीटनाशक, आग्नेयास्त्र,दवाइयाँ), (2) मीडिया रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार दिशानिर्देश बनाना,(3) किशोरों और युवाओं में सामाजिक व भावनात्मक कौशल विकसित करना,(4) जल्दी पहचान और सहायता उपलब्ध कराना।इन उपायों से आत्महत्या की दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उदाहरण के लिए, श्रीलंका ने कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाकर आत्महत्या की दर को 70 पर्सेंट तक घटा दिया। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने हेल्पलाइन और काउंसलिंग सेवाओं का विस्तार करके आत्महत्या रोकथाम में सफलता प्राप्त की हैँ।

साथियों बात अगर हम इसका रोकथाम दिवस मनाकर इसपर जबरदस्त नियंत्रण की करें तो,10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है,आत्महत्या की समस्या वैश्विक है और इसका समाधान भी वैश्विक सहयोग से ही संभव है।डब्लूएचओ, आईएएसपी और यूएन लगातार आत्महत्या रोकथाम पर काम कर रहे हैं। जिसका उद्देश्य जागरूकता फैलाना और सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना है।भविष्य की दिशा यह होनी चाहिए कि सभी देश आत्महत्या रोकथाम को अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाएँ। डिजिटल तकनीक का उपयोग करके एआई आधारित हेल्पलाइन, 24×7 ऑनलाइन काउंसलिंग, मोबाइल एप्स विकसित किए जाएँ, ताकि संकट की घड़ी में लोग तुरंत मदद पा सकें। इसके अलावा आत्महत्या के प्रयास करने वालों को अपराधी मानने की बजाय रोगी समझा जाए और उन्हें उचित चिकित्सा एवं परामर्श दिया जाए।

अत: अगर हम अपने पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इस प्रकार, आँकड़ों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के आधार पर यह स्पष्ट है कि आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि एक जटिल सामाजिक और वैश्विक चुनौती है। इसके समाधान के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, समुदायों और परिवारों को मिलकर काम करना होगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली कमजोर रहने से बुधवार को खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहनों में बाजार मजबूती पर रहे। दलहनों में चना लटक पर रहा। किराना जिंसों में हल्दी बाजार घटाकर बोले गये। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में लेवाली कमजोर रहने से भावों में सुस्ती आयी। तिलहनों में बाजार मजबूती पर रहे। दलहनों में चना लटक पर रहा। उधर, किराना जिंसों में हल्दी बाजार घटाकर बोले गये। शक्कर में सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4240, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2600-2700, विरूद्ध नगर 2700-2800, मीडियम 2800-2900, बोल्ड 2900-3000, एक्ट्रा बोल्ड 3100-3200, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1380, राजकोट तेलिया 2150, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1240-1250, कपास्या 1175-1180, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज ---, मुम्बई पाम 1265, मुम्बई सोया 1275,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4500, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5500-5700, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही देखी गयी। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी पर कायम रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 127000, चाँदी (99) 126900, टंच 126100, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 111000,

रुपया डॉलर के मुकाबले 88.10 पर खुला

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश और डॉलर की वैश्विक कमजोरी के चलते बुधवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 5 पैसे की मजबूती के साथ 88.10 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में मामूली बढ़त के कारण रुपये की तेज बढ़त पर ब्रेक लग गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.11 पर खुलने के बाद 88.10 तक मजबूत हुआ। मंगलवार को यह अपनी शुरुआती बढ़त गंवाकर 6 पैसे टूटकर 88.15 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। वहीं शुक्रवार को दिन के कारोबार में यह 88.38 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर तक गिर गया था, हालांकि बाद में थोड़ा सुधरकर 88.09 पर बंद हुआ।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपकी दान-पुण्य के कार्यों में काफी रुचि रहेगी। परोपकार के कार्य में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आज आपके घर किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन होगा। धर्म कार्यों के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपके दूसरों के मामले में न बोले।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च होंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। वाहनों के प्रयोग से आप सावधानी बरतें। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ेगा, जिससे आपकी मुश्किलें बढ़ेंगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से के साथ मिलकर यदि आप कोई काम करेंगे, तो उसमें आपको अच्छा फायदा मिलेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने पेंडिंग कामों को निपटाने की कोशिश करें। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी से अपने आगे की भविष्य को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आप अपने बिजनेस में कोई बदलाव करने की न सोचें। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। कारोबार में आपकी आय बढ़ने से खुशी होगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आप किसी नौकरी से संबंधित परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर कोई जोखिम लेने से बचना होगा। घर में बड़ों का आपको पूरा साथ मिलेगा। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। जीवनसाथी की ओर से आपका कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा न होने से आपका मन परेशान रहेगा। आप खर्चो को लेकर थोड़ा सावधानी बरतें, क्योंकि आपकी समस्याएं बढ़ेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। सामाजिक कामों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप बिजनेस में कुछ नये उपकरणों को शामिल कर सकते हैं। आपको मित्रों का पूरा साथ मिलेगा। आप कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं। यदि आपने किसी नए काम की शुरुआत करना का सोचा था, तो उसमें आप कोई लोन भी अप्लाई कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आर्थिक मामलों में अच्छा रहने वाला है। आपको मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी होगी। आपने यदि किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतरने की कोशिश करेंगे। आपको अपने वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं को दूर करने के लिए ससुराल पक्ष की किसी व्यक्ति से बातचीत करनी होंगी। आप अपने खानपान में लापरवाही ना करें, नहीं तो कोई पुरानी समस्या उभर सकती है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ावा देगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपको बेवजह भागदौड़ रहने से अत्यधिक थकान का अनुभव होगा। आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएंगे। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर थोड़ा समझदारी दिखानी होगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अपनी माताजी से डांट खानी पड़ सकती हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम को करने के लिए रहेगा। प्रेम जीवन में कठिनाइयां रहने से आपका मन परेशान रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर थोड़ा संयम बनाकर चलना होगा। आप अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखें।

धनु- आज का दिन आपके लिए सूझबूझ से काम करने के लिए रहेगा। पिताजी आपके काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहने से भागदौड़ भी अधिक रहेगी। आप अपने खान-पान पर पूरा ध्यान दें। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपको वाहनों के प्रयोग से सावधान रहना होगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती हैं। बिजनेस में आप बिना सोचे समझे इन्वेस्टमेंट करने से बचें।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको बिजनेस में भी कुछ उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। आप अपने कामों को लेकर सूझबूझ दिखाएं, जिससे आपके ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा। आपका पुराना डूबा हुआ धन मिलने से आपको खुशी होगी। आप किसी परिजन के घर मेल मिलाप करने जा सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। आपके मन में किसी काम को लेकर उलझने चल रही है, तो आप उसे दूर करने की कोशिश करें। पारिवारिक जीवन में आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलें। आस पड़ोस से हो रहे वाद-विवाद से आपको दूर रहना होगा। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोग पूरी जांच पड़ताल करके ही किसी काम में आगे बढ़ें, नहीं तो आपका धन फंस सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। आप अपनी संतान और जीवनसाथी के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे, जिससे आपके आपसी रिश्ते भी बेहतर होंगे। आपके सुख-साधनों में वृद्धि होगी। करियर में भी आपको कोई अच्छा उछाल देखने को मिलेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन आदि मिल सकता है।

शब्दजाल - 8017

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा
र्जी	ड	ल	कु	म	द	बे	न	जो	शी	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म

शब्दजाल - 8016 का हल

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़ा	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	बि	पु	र	रा	प	मा	ली	र
मे	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6961

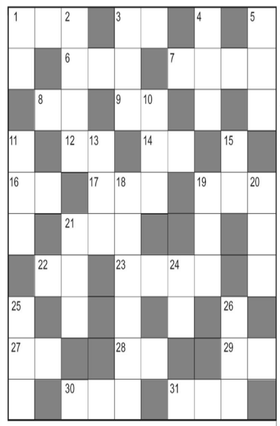

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6960

बु	लं	दी		अं	दा	ज		य	श
ब्रु		पा	की	जा		मी	ना		ह
मि	ली			म	द	र		स	जा
ल		सू	र्या		डॉ		श	र	दा
ग	द	र		ध	न	वा	न		
या		ज	ख्मी			रि		जी	त
	डि			वि	श्र	स	त		र
अ	नो	खा	अं	दा	ज		ला	ड़	ला
ना		मो		ई		जो	श		
ड़ी		शी	बा		ड	र		जु	र्म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.14 बजे से
चंद्र	मेष में	तुला	08.24 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.39 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.00 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.47 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.20 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.50 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.30 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मिथुन	23.28 बजे से
		कर्क	01.42 बजे से
		सिंह	03.58 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 254 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्थी 12.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 13.58 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 17.05 बजे को समाप्त।
करण बालव 12.46 बजे तदनन्तर कौलव 23.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 32'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872464
जूलियन दिन 2460929.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 18
विशेष महा भरणी, पंचमी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संगीत का सौंदर्य

फ्रांस के प्रसिद्ध संगीतकार गाल्फर्ड के पास एक लड़की संगीत सीखने आया करती थी जो अत्यंत कुरूप थी। एक दिन लड़की ने गाल्फर्ड को बताया कि जब कभी वह मंच पर जाती है तो सोचने लगती है कि अन्य लड़कियां तो बहुत ही आकर्षक हैं। कहीं लोग उसकी हंसी तो नहीं उड़ाएंगे। इस आशंका से वह ढंग से नहीं गा पाती। लेकिन घर पर अपने लोगों के बीच वह ठीक से गाती है और वहां सभी उसके गायन की प्रशंसा करते हैं। बस मंच पर जाने के समय ही वह अपनी सारी क्षमता गंवा बैठती है। गाल्फर्ड ने उसकी बातें ध्यान से सुनी। फिर अत्यंत स्नेहपूर्वक बोले, 'बेटी, संगीत का अपना सौंदर्य होता है। जो उस सौंदर्य का रस पीने आते हैं, वे गायक व गायिका का रूप नहीं देखते। फिर भी तुम ऐसा करो कि रोजाना एक बड़े शीशे के सामने खड़े होकर अपनी छवि निहारो और ऐसा करते हुए गीत गाओ। इससे तुम्हारी झिझक अपने आप खत्म हो जाएगी और यह भी समझ में आ जाएगा कि संगीत की मधुरता और संगीतकार के रूप का आपस में कोई संबंध नहीं है। दर्पण के सामने जब तुम भाव विभोर होकर गाओगी तो तुम्हारे मन से हर तरह का डर निकल जाएगा। फिर धीरे-धीरे तुम मंच पर बेफिक्र होकर गा सकोगी।' लड़की ने अपने गुरु की सलाह पर उसी दिन से अमल करना शुरू कर दिया। इससे उसके भीतर आत्मविश्वास आने लगा। फिर जब वह मंच पर उतरी तो उसकी झिझक पूरी तरह खत्म हो गई। संगीत के क्षेत्र में उसने काफी प्रसिद्धि प्राप्त की। उसका नाम था मेरी वुडलनाल्ड।

सूडोकु नवताल- 7270

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7269 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 8485

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

1. मदिरा, मय-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8484 का हल

	ल	गा	म		प	ता	का	
द	क्ष		ही		ह		ल	ता
रो			न	का	र	ना		क
गा	य	ब		न		ला	न	त
		ल	ब		रा	य		
आ	स	रा		ना		क	या	स
ई		म	हा	व	र			ह
ना	क		जि		सी		रा	ज
	ल	की	र		ला	ग	त	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के कारोबारी दिन मजबूती देखने को मिली। निवेशकों की नजर अमेरिका-भारत व्यापार समझौते और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर रही। बीएसई सेंसेक्स 405 अंकों की तेजी के साथ 81,506 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 ने 115 अंकों की बढ़त के साथ 24,983 का स्तर छू लिया। आईटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। टीसीएच, एचसीएल, टेक महिंद्रा, बीईएल, एलएंडटी, इंफोसिस, कोटक बैंक और अदाणी पोर्ट जैसे स्टॉक्स में एक फीसदी से अधिक की मजबूती देखी गई। दूसरी ओर एमएंडएम, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, सन फार्मा और इटेरल में गिरावट आई। वैश्विक बाजारों से भी सकारात्मक संकेत मिले।

ग्लोबल मार्केट्स से भारत को मजबूती मिल रही है। वहीं एशियाई बाजारों में बढ़त दर्ज की गई क्योंकि निवेशक चीन के अगस्त सीपीआई और पीपीआई डेटा का इंतजार कर रहे हैं। इसी कारण चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.27 फीसदी ऊपर रहा, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.39 फीसदी चढ़ा। जापान का निक्केई 0.21 फीसदी बढ़ा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.3 फीसदी ज़बूत बढ़त के साथ ट्रेड करता दिखा। वहीं अमेरिका के तीनों प्रमुख इंडेक्स बीती रात रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए क्योंकि निवेशकों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व अगले हफ्ते ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। इसमें डॉव जोन्स 0.43 फीसदी ऊपर रहा, एसएंडपी 500 में 0.27 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई और नैस्डैक 0.37 फीसदी चढ़कर बंद हुआ।

जीएसटी कटौती से ऑटो सेक्टर में आई तेजी

नई दिल्ली। सरकार द्वारा वाहनों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़ी कटौती की घोषणा के बाद भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को नया बल मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को एक दशक में सबसे बड़ी टैक्स राहत का ऐलान किया था, जिसके तहत अधिकतर यात्री वाहनों पर जीएसटी दर 31 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दी गई। इसका सीधा असर ऑटो सेक्टर पर देखने को मिला है। निफ्टी ऑटो इंडेक्स, जो 15 प्रमुख वाहन कंपनियों को ट्रैक करता है, तब से अब तक करीब 3 लाख करोड़ रुपये (लगभग 34 अरब डॉलर) का बाजार पूंजीकरण जोड़ चुका है। इंडेक्स में 12.7 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है, जो इसी अवधि में निफ्टी 50 की महज एक फीसदी की बढ़त की तुलना में कहीं ज्यादा है। मारुति सुजुकी इंडिया, जो बाजार पूंजीकरण के हिसाब से सबसे बड़ी वाहन निर्माता है, के शेयर में 19 फीसदी की वृद्धि हुई है। आयशर मोटर्स और टीवीएस मोटर जैसी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनियाँ भी इस तेजी में अग्रणी रही हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के एक विश्लेषक शशांक का कहना है कि यह ऑटो सेक्टर के लिए रोमांचक समय है। उनका मानना है कि कर कटौती से कंपनियाँ कीमतें घटाएंगी, जिससे खासकर एंट्री-लेवल कारों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारत के निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ ने वैश्विक बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, लेकिन घरेलू बाजार में त्योहारी सीजन से पहले मांग में मजबूती बनी हुई है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता फिर शुरू

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत देते हुए घोषणा की है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार वार्ता फिर से शुरू कर दी गई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि दोनों देश व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया और कहा कि वह जल्द ही उनसे बातचीत के लिए उत्सुक हैं। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को 'महान प्रधानमंत्री' करार देते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे दोनों देशों के लिए व्यापार वार्ता सफल रहेगी। ट्रंप के इस नरम रुख के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनकी बातों की सराहना की और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बताया। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं और उनका पूरा समर्थन करता हूं। यह कदम अमेरिका की ओर से हाल ही में टैरिफ बढ़ाने के बाद आया है। 27 अगस्त को अमेरिकी प्रशासन ने भारत से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था। यह निर्णय भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने के कारण लिया गया था। इसके कारण दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ गया था। अब व्यापार वार्ता के फिर से शुरू होने से उम्मीद जताई जा रही है कि इस तनाव को कम किया जा सकेगा और द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आएगी।

जहरीले सर्प ने घर में सो रहे पिता व दो बच्चों को डसा

दो मासूम ईशांत 4 वर्ष व कुणाल 7 वर्ष की मौत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम कुलपा में 9 सितंबर की रात्रि में एक हृदय विदारक घटना घटित हुई जहां एक जहरीले सर्प ने एक ही परिवार के तीन सदस्यो को डस लिया जिसमें दो मासूम बालको की मृत्यू हो गई वही इन बच्चो का पिता भी जिदंगी और मौत के बीच की लड़ाई लड़ रहा है। वही घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया तथा ग्राम में शोक माहौल है जिस किसी को भी पता लगा उसने अत्यंत दुख जाहिर करते हुये अपनी शोक संवदेना व्यक्त की है।

जहरीला डांडेकार सर्प ने डसा डहारे परिवार को

ग्राम कुलपा निवासी दिनेश डहारे के घर की घटना बताई जा रही है। घटना में मासूम बालक ईशांत पिता दिनेश डहारे उम्र 4 वर्ष, कुणाल पिता दिनेश उम्र 7 साल की सर्प दंश से मृत्यु हो चुकी है तथा पिता दिनेश डहारे का उपचार गोंदिया के गिरी हास्पिटल में जारी है। यह घटना 9 सितंबर 2025 की रात करीब 10 बजे हुई। परिजनों के अनुसार, रात में खाना खाने के बाद सभी लोग सो गए थे, लेकिन रात करीब 10 बजे दोनों बच्चों को उल्टी होने लगी। इसके बाद परिवार ने गांव के डॉक्टर को बुलाया और फिर गोंदिया के एक निजी अस्पताल ले जाने के लिए गाड़ी की व्यवस्था की। रास्ते में कुल्पा चौक पर छोटे बेटे ईशांत की मौत हो गई। परिवार ने ईशांत के शव को घर वापस लाया और दिनेश डाहरे व बड़े बेटे कुनाल को इलाज के लिए गोंदिया के एक निजी अस्पताल ले गए। जहां बड़े बेटे कुनाल ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। चिकित्सकों के अनुसार यह हृदय विदारक घटना सांप के काटने के कारण हुई है। घर में डांडेकार सांप मिला, जिसे परिवार ने मार दिया। पुलिस ने मर्ग क्र. 62/25 धारा 194 बीएनएसएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम कुल्पा में डाहरे परिवार के दोनों नौनिहालों की इस तरह अचानक मौत से पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दिनेश डाहरे की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, वह बार-बार अपने बच्चों को याद कर रो रही है। परिवार के अन्य सदस्यों का भी बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम का माहौल है। लोग परिवार को सांत्वना देने आ रहे हैं।

विधायक राजकुमार कर्राहे भी पंहुचे कुलपा

इस हृदय विदारक घटना की खबर जैसे ही लांजी में फैली वैसे ही क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे, जनपद सदस्य महेन्द्र पटले, मंडल अध्यक्ष योगेश कुर्राहे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ डहारे परिवार से मिलने पंहुचे, आपने कहा कि डहारे परिवार पर यह किसी वज्रपात से कम नही है। मै ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दोनो ही मासूम मृत आत्मा को अपने श्री चरणो में स्थान प्रदान करे। परिवार के निमित्त मुझसे जो मदद बन पडेगी वह मै अवश्य पुरी करूंगा।

वृंदावन ग्राम बापड़ी में पशु चिकित्सा शिविर सम्पन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत बापड़ी जो कि पशु विभाग के द्वारा वृंदावन ग्राम में 10 सितंबर को पशुपालन एवं डेयरी विभाग, विकासखंड लांजी द्वारा प्रति माह म.प्र. शासन एवं उपसंचालक , पशुपालन एवं डेयरी विभाग बालाघाट के निर्देशानुसार पशुपालकों-कृषकों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य को सफल करने हेतु वृंदावन ग्राम बापड़ी में शिविर आयोजित कर विभिन्न विभागीय गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इसी तारतम्य में 10 सितंबर को ग्राम वृंदावन बापड़ी में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथ्य में तथा विशिष्ठ अतिथि जनपद सदस्य महेंद्र पटले, ग्राम बापड़ी सरपंच खेमराज मछिरके एवं उपसरपंच देवेन्द्र बसोने, उपसरपंच कारंजा निलेश शिवनकर सहित मंचासीन जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिको की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीण पशुपालकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपने पशुओं का सामान्य उपचार, टीकाकरण, गर्भ परीक्षण, बाँझ उपचार एवं अन्य सेवाओं का लाभ लिया।

शिविर में ग्रामीण पशुपालकों को निम्न सेवाएँ प्रदान की गई

81 पशुओं का उपचार, 271 पशुओं को औषधि वितरण,450 पशुओं का टीकाकरण, 03 पशुओं का बाँझ उपचार, 03 पशुओं का गर्भ परीक्षण, 09 पशुपालकों के केसीसी आवेदन,01 नंदीशाला योजना आवेदन प्राप्त कर प्रकरण तैयार कर पशु पालको को लाभ प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, किसान संगोष्ठी का आयोजन कर किसानों को वृंदावन ग्राम योजना एवं अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के अंतर्गत पशुपालकों को अपने देशी गाय - भैंस में नस्ल सुधार करने हेतु उन्नत नस्ल के वीर्य का उपयोग कर अधिक से अधिक कृत्रिम गर्भाधान करने के लिए प्रेरित किया गया और इसके लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर पशुपालन विभाग का संपूर्ण अमला मौजूद रहा, जिनमें डॉ. प्रियांश वासनिक, विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी लांजी, महेंद्र कुमार आसटकर एवं अशोक नारनौरे (सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी), सौरभ उईके (सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी), शांतनु बेंदरे, युवराज सोनवाने, उत्तम प्रसाद तुलसीकर, शुभम पारधी (पशु परिचारक), राजेंद्र प्रसाद ऐडे (पीटीएस), गौसेवक-मैत्री दिलीप मानकर, सुखलाल बनोठे , सुरेंद्र चीखले, योगेश पंचाले, अमरजीत जामरे, रोशन भटेरे, मनीष मेश्राम, भूमेश्वर ठाकरे एवं मुनेश पटले (गौसेवक) सभी अपना अमूल्य समय देकर शिविर की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विद्यालयों में बिना कार्य कराएं तत्कालीन बीईओ ने 30 लाख रुपए का किया भुगतान

सामग्रियों का भी कई गुना अधिक किया भुगतान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय लांजी के द्वारा जनवरी 2025 को विकासखण्ड के समस्त शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में विद्युत व्यवस्था विद्युत उपकरण खरीदी हेतु एक मांग पत्र भेजा गया, जिसके आधार पर लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा प्रत्येक विद्यालय को पांच लाख रुपए इस तरह कुल 24 विद्यालयों के लिए विकासखण्ड कार्यालय को एक करोड़ बीस लाख रुपए का आवंटन प्राप्त हुआ। भोपाल की एक फर्म द्वारा मार्च 2025 को विद्युत उपकरण सभी 24 विद्यालयों को प्रदान किया गया। प्रदान किए गए अनेक उपकरण निम्न स्तर के है, किन्तु उनके कीमत बाजार मूल्य से तीन गुना -चार गुणा अधिक लगाई गई है। चूंकि विद्यालयों को यह पता ही नहीं था कि यह सामग्री कैसे आई एवं कितने रुपए की है, उन्हें तो सिर्फ यह बताया गया कि यह लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा भेजी गई है। ना ही कोई बिल बताया गया। इन सब सामग्रियों का एक मुस्त तत्कालीन विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा भुगतान किया गया। इस भुगतान में प्रत्येक विद्यालय में 600 स्क्वायर फीट विद्युत फिटिंग कार्य जिसका 122436/- एक लाख बावीस हजार चार सौ छत्तीस रूपए का भुगतान किया गया है। जो कार्य किसी विद्यालय में नहीं किया गया। इस तरह 24 विद्यालयों का लगभग 30 लाख रुपए बिना कार्य कराएं ही भुगतान कर दिया गया है। इस संबंध में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भिमटे से प्रतिक्रिया ली गई तो उन्होंने बताया कि यह मामला पूर्व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी देवराम गजबे के समय का है, इसकी जांच करने के बाद ही बता पाएंगे।

नर्मदापुरम में तवा डैम के 5 गेट खोले

भोपाल। मध्यप्रदेश में लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ का सिस्टम कमजोर हो गया है। इस वजह से कुछ ही जिलों में बारिश का दौर है, बाकी जिलों में धूप निकल रही है। ऐसा मौसम 15 सितंबर तक रहेगा। इसके बाद स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से पूरे प्रदेश के भीगने का अनुमान है। भोपाल में सुबह से धूप खिली है। डिंडौरी में सुबह साढ़े दस बजे मूसलाधार बारिश हुई। नर्मदापुरम के पिपरिया और आसपास के इलाके में रुक-रुककर पानी गिर रहा है। मौसम विभाग ने बुधवार को मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि मानसून ट्रफ प्रदेश के ऊपर से गुजर रही है।

सरस्वती शिशु मंदिर में प्राचार्य-प्रधानाचार्य की विभागीय कार्यशाला संपन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में विभागीय (मंडला विभाग) के प्राचार्य / प्रधानाचार्य दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला में प्रांत प्रमुख शिवानंदजी सिन्हा प्रांत अवेक्षण प्रमुख, रामबहोरी पटेल विभाग समन्वयक, मनोजपुरी गोस्वामी, जिला सचिव सुंदरलालजी बिसेन, पूर्व विभाग समन्वयक सेवकराम जी दहीकर, विद्यालय के अध्यक्ष बारेलाल बड़घैया, विद्यालय के सचिव विजय रामटेककर एवं मंडला विभाग के समस्त प्राचार्य एवं प्रधानाचार्य उपस्थित थे। सर्वप्रथम इन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती, माँ भारती के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया एवं अतिथियों का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया। सर्व प्रथम प्रांत प्रमुख शिवानंदजी सिन्हा के अपने व्यक्त करते हुए कहा कि हमें वर्ष भर के कार्यों की बैठक के माध्यम से संक्षिप्त परिचय होता है और आगे की कार्य योजना बनती है। अपनी वाणी वंदना शुद्ध लय एवं ताल के साथ विद्यालयों में करनी चाहिए एवं कार्यशाला का आयोजन होना चाहिये ।2 अक्टूबर से वर्ष भर शताब्दी समारोह समाज है भगवान अपना卐 यह मूल मंत्र के साथ विद्याभारती का अमृत महोत्सव मनाने जा रही है। हमें बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ अभिभावक संपर्क भी अत्यंत जरूरी है तथा प्रत्येक विद्यालय में 12 शैक्षणिक व्यवस्थाओं के साथ में भैया बहनों को शिक्षित करना चाहिए। प्रभावी शिशुवाटिका होना चाहिए। शैक्षणिक व्यवस्थाओं का दर्शन अभिभावकों दर्शन कराना है। प्रत्येक विद्यालय में सुसंस्कार केन्द्र चलाना चाहिए। हमारे सरस्वती शिशु मंदिर संपूर्ण भौतिक सुख-सुविधाओं युक्त, उत्कृष्ट आचार्य एवं उत्कृष्ट परिणाम वाले होना चाहिए। सभी भैया बहिनों को नैतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान देने पर जोर देना पड़ेगा।

कांग्रेस मंडल उकवा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोनीत किए गए अनुज चौकसे

उकवा(पद्मेश न्यूज)। विधानसभा क्षेत्र बैहर विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके और जिला पंचायत सदस्य दलसिंह पंद्रे की उपस्थिति में मंगल भवन उकवा में कांग्रेस पदाधिकारियो,सदस्यो और कार्यकर्ताओ की बैठक ली गई बैठक में मंडल कांग्रेस उकवा के अध्यक्ष पद के लिए सभी लोगों की सहमति से अनुज चौकसे को कांग्रेस मंडल अध्यक्ष उकवा की बागडोर सौपी गई।ज्ञात हो कि इसके पूर्व छैया लाल पटले ने मंडल कांग्रेस अध्यक्ष उकवा की कमान संभाली थी। बैठक के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य के द्वारा अपने-अपने उद्बोधन में कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी में एकजुट रहकर कार्य करना होगा एवं शासन की योजनाओं को ग्रामीण तक पहुंचाना होगा वही जिस तरह से अभी तक कांग्रेस एकजुट होकर उकवा क्षेत्र में अपना वर्चस्व बनाया हुआ है वैसे ही नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुज चौकसे को भी इसी तरह कार्य करना होगा।नवनिर्वाचित मंडल कांग्रेस उकवा के अध्यक्ष अनुज चौकसे ने उपस्थित पदाधिकारियो, सदस्यो तथा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं 10 -12 वर्षों से कांग्रेस में कार्यकर्ता के रूप में कार्य करता आ रहा हूं और आज मुझे कांग्रेस उकवा मंडल की बागडोर सौपी गई है। इसे मैं ईमानदारी एवं लगन के साथ सभी कार्यकर्ता सदस्यों को साथ लेकर चलूंगा एवं उकवा क्षेत्र में जिस तरह कांग्रेस विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का चुनाव हो कांग्रेस की बढ़त दिखाई देती है इसी तरह मैं इस बढ़त को आगे बढ़ाते हुए कार्य करूंगा और सभी का आभार व्यक्त किया।इस दौरान आकाश अग्रवाल ,छैया लाल पटले,अशोक ऊईके ,लक्की चौकसे ,राजकुमार बैरिकर, जमना प्रसाद बिसेन, नवीन बिसेन ,पिंटू चौकसे ,लीकेश बिसेन ,संतोष बिसेन ,जगदीश कस्तूरे ,मनोज उईके सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फार्मेसी पंजीयन प्रक्रिया होगी पूरी तरह ऑनलाइन, पूरी पारदर्शिता से करें प्रकरणों का निराकरण - उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि अब ऑनलाइन प्रणाली से घर बैठे पंजीयन प्रमाणपत्र मेल और डिजिलॉकर के माध्यम से उपलब्ध होंगे। इससे पंजीयन प्रक्रिया सुव्यवस्थित हुई है और लंबित मामलों का निपटारा तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थियों के आवेदन अपूर्ण हैं, जिन्हें समय पर पूरा करवाना आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल होटल पलाश भोपाल में मध्यप्रदेश स्टेट फार्मेसी परिषद की बैठक में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्राइवेट विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि वे सभी विद्यार्थियों की सही जानकारी उपलब्ध कराएँ। यदि गलती छात्रों की है तो उन्हें सुधार के लिये सूचित किया जाए और यदि संस्थान की लापरवाही है तो मान्यता एवं एफिलिएशन पर कार्रवाई करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि फार्मासिस्ट, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। विकसित और स्वस्थ भारत के लिए गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में जून 2025 से अगस्त 2025 तक की कार्यप्रगति की समीक्षा की गई। इसमें 3500 से अधिक नए पंजीयन सफलतापूर्वक पूर्ण हुए, 5800 आवेदन प्रक्रिया में लंबित रहे तथा 1650 आवेदन निजी विश्वविद्यालयों की सूची उपलब्ध न होने के कारण शेष रहे। बताया गया कि संपूर्ण कार्यप्रणाली को अब डिजिटल मोड पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इसमें समग्र आईडी, डिजिलॉकर, विवाह एवं निवास प्रमाणपत्र तथा एफडीए का एकीकरण किया गया है। नई प्रणाली से स्लॉट बुकिंग एवं परिषद कार्यालय में उपस्थित होकर सत्यापन कराने की आवश्यकता समाप्त होगी और सिस्टम आधारित ऑटो वेरिफिकेशन से प्रमाणपत्र सीधे डिजिलॉकर पर उपलब्ध होंगे। यह पहल परिषद को डिजिटल गवर्नेंस में देश की अग्रणी परिषद बनाएगी। बैठक में परिषद अध्यक्ष संजय कुमार जैन, सदस्य राजू चतुर्वेदी, गौतमचंद धींग, रामरतन गर्ग, सत्येन्द्र सिंह चौहान, देवेंद्र कुमार बजाजत्य, अशोक जैन एवं डॉ. पवन दुबे सहित दिनेश मौर्य (ड्रग कंट्रोलर, म.प्र.), आत्री मुख्य विश्लेषक और चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि शामिल हुए। परिषद की रजिस्ट्रार श्रीमती भव्या त्रिपाठी ने प्रगति और आगामी योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

उपभोक्ता आयोग का यूनिवर्सिटी को आदेश, लौटाने होंगे 55 हजार रुपए

भोपाल । राजगढ़ जिले के ब्यावरा तहसील के गांव गुजरीबे निवासी जितेंद्र सौंधिया ने भोपाल की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में 3 वर्षीय एलएलबी (स्ब्ब) कोर्स में दाखिला लिया था। लेकिन, जल्द ही यह सपना टूट गया। वजह यह कि जिस कोर्स में उनका एडमिशन हुआ था, उसकी यूनिवर्सिटी को मान्यता ही नहीं थी। आयोग की बेंच के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल और सदस्या डॉ. प्रतिभा पांडेय ने अब यूनिवर्सिटी के खिलाफ एकपक्षीय फैसला सुनाया है। जितेंद्र सौंधिया ने 31 मार्च 2023 को यूनिवर्सिटी में एलएलबी कोर्स का रजिस्ट्रेशन कराया और 55,000 रुपए शुल्क भी जमा किया। दाखिले के दौरान उन्होंने अपने मूल दस्तावेज अंकसूचियां, जाति प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र भी यूनिवर्सिटी को सौंप दिए। भरोसा दिलाया गया कि एडमिशन कंफर्म है, कक्षाएं जल्द शुरू होंगी। लंबे इंतजार के बाद भी कक्षाएं शुरू नहीं हुईं। उन्होंने कई बार मौखिक और टेलीफोन से विश्वविद्यालय प्रबंधन से बात की, मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। अंततः जब उन्होंने यूनिवर्सिटी की वेबसाइट देखी तो साफ हो गया कि यूनिवर्सिटी को एलएलबी कोर्स संचालित करने की मान्यता ही नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम के कारण जितेंद्र सौंधिया का एक शैक्षणिक वर्ष बर्बाद हो गया। आयोग ने माना कि इससे उन्हें मानसिक और आर्थिक दोनों तरह का नुकसान उठाना पड़ा है। विश्वविद्यालय से फीस और दस्तावेज मांगने पर भी जब उन्हें कोई जवाब नहीं मिला तो जितेंद्र ने 3 मार्च 2025 को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग भोपाल क्रमांक-1 में परिवाद दायर किया। नोटिस तामील होने के बावजूद विश्वविद्यालय आयोग में पेश नहीं हुआ। ऐसे में आयोग ने मामले की एकपक्षीय सुनवाई की। 1 सितंबर 2025 को आयोग ने फैसला सुनाते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने बिना मान्यता के एडमिशन लेकर छात्र के साथ धोखाधड़ी की है। विश्वविद्यालय छात्र को जमा की गई 55,000 रुपए फीस 9त्न वार्षिक ब्याज सहित लौटाए। 10,000 रुपए क्षतिपूर्ति मानसिक कष्ट और सेवा में कमी के लिए अदा करे। 3,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च के रूप में अलग से दे। यदि आदेश की प्रति प्राप्त होने के दो माह के भीतर राशि नहीं लौटाई जाती तो ब्याज की गणना परिवाद दायर करने की तारीख (3 मार्च 2025) से होगी।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में जल्द एक और प्रशासनिक सर्जरी

आधा दर्जन नगर निगम आयुक्त बनेंगे कलेक्टर

भोपाल। मप्र में एक साथ 14 आईएएस अफसरों के तबादले के बाद अब एक और बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होने वाली है। इसकी सूची बन गई है। जानकारों का कहना है कि इस सूची में जिला पंचायत सीईओ व निगम आयुक्तों के नाम हैं। बताया जाता है कि करीब आधा दर्जन निगम आयुक्तों को कलेक्टर बनाया जा सकता है। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 3 साल की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसको देखते हुए मैदान में तेजतर्रार अफसरों की पदस्थापना करने की रणनीति बनाई गई है। जिसके तहत सरकार कई जिलों के कलेक्टरों को बदलने जा रही है। प्रशासनिक सर्जरी के क्रम में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी प्रभावित होंगे। वर्तमान में गृह विभाग प्रभार में है। पीएस हेल्थ की जिम्मेदारी भी बदली जा सकती है। इसके अलावा 8 से 10 एसीएस और पीएस के विभाग बदले जा सकते हैं।

जानकारी के अनुसार, अब होने वाली प्रशासनिक सर्जरी में उन जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बदले जाएंगे, जिन्हें दो साल से अधिक समय हो गया है। ऐसे सीईओ 20 से अधिक हैं। एक दर्जन जिलों के कलेक्टर भी निशाने पर हैं। संभावित लिस्ट में नगर निगम के आधा दर्जन आयुक्त और जिन्हें एसडीएम से सीईओ जिला पंचायत बनाया जाना है, उनके तबादले होंगे। जिन सीईओ को नई जिम्मेदारी मिल सकती है, उनमें छतरपुर, कटनी, रायसेन, इंदौर, सतना, नर्मदापुरम, सिंगरौली, बैतूल, भिंड, मंडला, नरसिंहपुर, सिवनी, अनूपपुर, बालाघाट, ग्वालियर और स्मार्ट सिटी इंदौर के सीईओ शामिल हैं।

2016 बैच को मिलेगी कलेक्टरी

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 बैच के आईएएस अफसरों को जिलों में भेजा जाना है। सीधी भर्ती वाले अधिकांश अफसरों की पोस्टिंग हो चुकी है लेकिन अभी किरोड़ी लाल मीना, गौरव बेनल, हरेंद्र नारायण और मीशा सिंह की पदस्थापना होनी है। हरेंद्र नारायण नगर निगम भोपाल के आयुक्त हैं। जबकि अन्य अधिकारी जिलों में अपर कलेक्टर हैं। वर्ष 2016 बैच के ही एक दर्जन प्रमोटी आईएएस भी जिलों की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उधर, एफसीआई से विशेष गढ़पाले रिलीव हो गए हैं, उन्हें भी नई पोस्टिंग का इंतजार है। वर्ष 2010 बैच के कौशलेंद्र विक्रम सिंह भोपाल के कलेक्टर हैं। जबकि उनके ही बैच के अफसर आबकारी आयुक्त तथा उज्जैन संभाग के आयुक्त हैं। इसलिए सिंह की नई पोस्टिंग होने की संभावना है। इसी बैच के शीलेंद्र सिंह छिंदवाड़ा कलेक्टर हैं। वर्ष 2011 बैच की रुचिका चौहान ग्वालियर, नेहा मारव्या डिंडोरी, संजीव श्रीवास्तव भिंड और रवींद्र कुमार चौधरी शिवपुरी जिले के कलेक्टर हैं। माना जा रहा है कि इन जिलों में बदलाव होगा। इनके अलावा रतलाम और देवास के कलेक्टर भी बदले जा सकते हैं।

बाघों की बढ़ती संख्या से निगरानी बनी चुनौती

हाथियों की कमी से जूझ रहा टाइगर रिजर्व प्रबंधन

भोपाल। प्रदेश के सबसे बड़े वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन निगरानी की सुविधाओं की कमी बड़ी चुनौती बनी हुई है। यहां 24 से अधिक बाघ मौजूद हैं, मगर इनमें से केवल दो बाघों के गले में कॉलर आईडी लगी है। बाकी बाघों की लोकेशन पदचिह्नों के आधार पर ही ट्रैक की जाती है।

रिजर्व क्षेत्र में बाघों की निगरानी हाथियों की मदद से की जाती है, लेकिन वर्तमान में मात्र दो हाथी ही उपलब्ध हैं। अधिकारियों के अनुसार, इतने बड़े क्षेत्रफल वाले रिजर्व में कम से कम 15 से 16 हाथियों की जरूरत है। हाथियों की कमी के कारण बाघों की लोकेशन ट्रेस करने और शावकों की निगरानी में बड़ी दिक्कतें आती हैं।

विस्तार तो हो रहा, पर सुविधाएं नहीं

यह टाइगर रिजर्व तीन जिलों में फैला हुआ है और क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश का सबसे बड़ा रिजर्व है। यहां लगातार गांवों का विस्थापन हो रहा है और जंगली जानवरों की संख्या भी बढ़ रही है, लेकिन निगरानी के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अब्दुल अंसारी ने बताया कि पूरे रिजर्व क्षेत्र में सिर्फ दो हाथी हैं। जबकि बाघों ने अलग-अलग इलाकों में अपना ठिकाना बना लिया है। उन्होंने कहा कि हाथियों की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

वन कर्मियों को नहीं मिला पुलिस के समान अधिकार

20 साल में 56 वन कर्मचारी हो चुके हैं शहीद

भोपाल। प्रदेश में वनों एवं वन्य प्राणियों की रक्षा करते हुए पिछले 20 वर्ष में 56 वन कर्मचारी शहीद हो चुके हैं। लेकिन सरकार ने अभी भी वन कर्मचारियों को पुलिस के समान अधिकार एवं वेतन भत्तों का लाभ नहीं दिया है। मप्र वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राष्ट्रीय वन शहीद दिवस 11 सितंबर को प्रदेश के वन कर्मचारियों को पुलिस के समान अधिकार एवं वेतन भत्तों का लाभ देने के आदेश जारी करने की मांग की है। मप्र वन कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 11 सितंबर 2023 को नवीन वन भवन में शहीद स्तंभ का लोकार्पण करते हुए घोषणा की थी कि प्रदेश के वन कर्मचारियों को शहीद होने पर एक करोड़ रुपए, अनुकंपा अनुदान एवं 5000 रूपय पोस्टिक आहार भत्ता दिया जाएगा। यही नहीं उन्होंने वन कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए समस्या निवारण शिविर शासन स्तर पर आयोजित करने की घोषणा की थी लेकिन 2 साल बीत जाने के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की किसी भी घोषणा का लाभ प्रदेश के वन कर्मचारियों को नहीं मिला है। इस कारण प्रदेश के वन कर्मचारी में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है। वन कर्मचारी मंच 11 सितंबर को शहीद स्तंभ वन भवन में प्रदेश के शहीद वन कर्मचारियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। संगठन 20 साल में शहीद हुए 56 वन कर्मचारियों की याद में 56 पौधों का पौधा रोपण भी करेगा।

जिलों के फेर में अटकी प्रदेश कार्यकारिणी

भाजपा में संगठन विस्तार...फूंक-फूंक बढ़ाया जा रहा कदम

भोपाल । मप्र में कांग्रेस जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद उठे बगावती लहर को देखते हुए भाजपा सतर्क हो गई है। इसलिए पार्टी संगठन विस्तार के लिए फूंक-फूंककर कदम बढ़ा रही है। इसका परिणाम यह देखने को मिल रहा है कि आलाकमान से मिली हरी झंडी के बाद 26 दिनों में अभी तक 10 जिलों में की कार्यकारिणी घोषित हो पाई है। जिलों की कार्यकारिणी का गठन नहीं हो पाने के कारण प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी अटका हुआ है।

जानकारी के अनुसार, सभी जिलों की कार्यकारिणी के गठन के बाद ही भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन होगा। इस कारण फिलहाल प्रदेश भाजपा फिलहाल संगठन विस्तार में उलझी हुई है। सात महीने बाद जिलों की कार्यकारिणी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू तो हो गई है, लेकिन इसकी रफ्तार ज्यादा धीमी है। पिछले 20 से 25 दिन में 62 में से सिर्फ 10 जिलों की कार्यकारिणी ही घोषित हो पाई है। भाजपा को अभी 50 जिलों की कार्यकारिणी घोषित करना है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती संगठन विस्तार है। इसमें जिला कार्यकारिणी और प्रदेश कार्यकारिणी की जमावट अगले विधानसभा चुनाव को देखते हुए करने की जिम्मेदारी भी है।

ऑब्जर्वर ने 16 अगस्त तक सौंपी दी थी रिपोर्ट

प्रदेश अध्यक्ष ने 10 से 15 अगस्त के बीच प्रदेश के सभी जिलों में दो-दो ऑब्जर्वर जिला कार्यकारिणी के गठन के पहले भेजे थे। ऑब्जर्वर ने 13 से 16 अगस्त के बीच अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दी थी। इसके बाद भी जिला कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया सितंबर में शुरू हो पाई है। अभी स्थिति यह है कि एक-एक जिलों की कार्यकारिणी घोषित की जा रही है। जबकि सभी जिलों से कार्यकारिणी के लिए उपयुक्त नामों की लिस्ट 13 से 16 अगस्त के बीच प्रदेश कार्यालय में आ चुकी है। गौरतलब है कि भाजपा को जिला कार्यकारिणी का गठन पिछले सात महीने से अटका हुआ है। जिला अध्यक्षों की घोषणा जनवरी में हो गई थी। जिला कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया अब शुरू हो पाई है। उसमें भी समय लग रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष 31 अगस्त को भोपाल प्रवास पर आए थे। वे 1 सितंबर को प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद से मिले। इस दौरान उन्होंने प्रदेश संगठन विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर चर्चा की थी। उनके दौरे के बाद जिला कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई थी। अब तक 10 जिलों की कार्यकारिणी ही घोषित हो पाई है।

कई जिलों में उलझा पेंच

भाजपा ने जिला कार्यकारिणी की नियुक्तियों का श्रीगणेश तो किया, लेकिन अभी कई जिले बाकी हैं। सूत्रों के मुताबिक इसकी अलग-अलग वजह बताई जा रही है। ग्वालियर, इंदौर व सागर जैसे जिलों में जिला कार्यकारिणी के गठन में पार्टी नेताओं के प्रभाव के चलते देरी होना बताया जा रहा है। कई और जिलों में इस तरह की स्थिति है। जिला कार्यकारिणी के अलावा जिलों के अंदर भी भाजपा में कई स्तर पर नियुक्तियां होनी है, जिसका खाका तैयार किया जा रहा है। उधर, भाजपा में प्रादेशिक स्तर पर की जाने वाली नियुक्तियों को लेकर एक दौर का मंथन पूरा हो चुका है, लेकिन यह अंतिम नहीं है। अभी अलग-अलग नामों पर विभिन्न स्तर पर मंथन होना है। कुछ नामों पर शीर्ष नेतृत्व से भी राय ली जा सकती है। उसके बाद इन नामों को हरी झंडी दी जाएगी। उसके पहले संभागीय स्तर पर नियुक्तियां शुरू होनी है। असंतुष्ट नेताओं को साधने पर भी फोकस है।

एक व्यक्ति एक पद के फॉर्मूला का ध्यान

भाजपा के लिए इस बार प्रदेश कार्यकारिणी का गठन करना भी आसान नहीं होगा। प्रदेश कार्यकारिणी से सांसद, विधायकों की जिम्मेदारियां कम की जाएंगी। संगठनात्मक नियुक्तियों में एक व्यक्ति एक पद के फॉर्मूला का भी ध्यान रखा जाना है। इसके अलावा सबसे अहम है अगले विधानसभा और लोकसभा चुनाव की तैयारियां। अगले चुनाव को देखते हुए भाजपा संगठन का विस्तार कर रही है। ऐसे में स्थानीय नेता और जमीनी कार्यकर्ताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

अरविंद शर्मा हो सकते हैं नए प्रमुख सचिव

मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव 30 सितंबर को होंगे रिटायर

भोपाल। मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह इस महीने 30 सितंबर को रिटायर होने वाले हैं और अब उनके पुनर्नियुक्ति की संभावना नहीं है। इसे देखते हुए विधानसभा में सचिव की जिम्मेदारी निभा रहे अरविंद शर्मा को नया प्रमुख सचिव बनाए जाने की संभावना है। प्रमुख सचिव की नियुक्ति का अधिकार विधानसभा अध्यक्ष को होता है। चूंकि अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ही अरविंद शर्मा को लोकसभा से प्रतिनियुक्ति पर लेकर आए थे, इसलिए उनका प्रमुख सचिव बनना लगभग तय माना जा रहा है।

वर्तमान प्रमुख सचिव एपी सिंह को मानसून सत्र के दौरान सदन में स्वयं विधानसभा अध्यक्ष ने विदाई दी थी और विधायकों से शुभकामनाएं दिलाई थीं। इससे यह संकेत स्पष्ट हो गया था कि एपी सिंह का कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। ऐसे में यह माना जा रहा है कि एपी सिंह का कार्यकाल अब नहीं बढ़ेगा और नया प्रमुख सचिव नियुक्त किया जाएगा।

शर्मा की दावेदारी सबसे मजबूत

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा चुनाव के बाद अध्यक्ष बनने के बाद अरविंद शर्मा को लोकसभा से प्रतिनियुक्ति पर लाकर विधानसभा सचिव बनाया था। एक साल की प्रतिनियुक्ति के बाद उनका संविलियन विधानसभा में हो गया। वर्तमान में वे 60 साल की उम्र पार कर चुके हैं और विधानसभा नियमों के अनुसार वे 62 साल की उम्र तक सेवा में रह सकते हैं। इस हिसाब से यदि उन्हें प्रमुख सचिव बनाया जाता है, तो वे अगले दो सालों तक इस पद पर कार्यरत रह सकते हैं। चूंकि स्पीकर की पसंद वे स्वयं हैं, इसलिए उनकी नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही है।

एपी सिंह को सेवा विस्तार की उम्मीद नहीं

एपी सिंह पहले ही 62 साल की उम्र में रिटायर हो चुके हैं, फिर उन्हें दो साल का विस्तार और फिर 6 महीने की संविदा सेवा दी गई थी, जो 30 सितंबर को समाप्त हो रही है। अब वे 64 साल से ज्यादा के हो चुके हैं और स्पीकर द्वारा उन्हें औपचारिक विदाई दी जा चुकी है, इसलिए सेवा बढ़ाने की संभावना नहीं बची है। हालांकि सिंह ने प्रमुख सचिव के रूप में विधानसभा में लंबा कार्यकाल पूरा किया है। विधानसभा अधिनियम के तहत स्पीकर के पास यह भी अधिकार है कि वे जिला न्यायाधीश (डीजे) स्तर के अधिकारी को भी प्रमुख सचिव नियुक्त कर सकते हैं। लेकिन सूत्रों के अनुसार फिलहाल इसकी संभावना कम है, क्योंकि अरविंद शर्मा ही स्पीकर की प्राथमिकता में हैं।

विधानसभा सचिव पद की स्थिति

विधानसभा में सचिव के दो पद होते हैं। फिलहाल एक पद पर अरविंद शर्मा कार्यरत हैं जबकि दूसरा पद रिक्त है। चूंकि प्रमोशन में आरक्षण का मामला कोर्ट में लंबित है, इसलिए अगर शर्मा को प्रमुख सचिव बनाया जाता है, तो सचिव के दोनों पद कुछ समय के लिए रिक्त रखे जा सकते हैं और जिम्मेदारियां प्रभार से संचालित की जा सकती हैं। विधानसभा में अपर सचिव के चार पद हैं, जिनमें से तीन भरे हुए हैं जबकि एक पद रिक्त है।

मैदानी पोस्टिंग में डायरेक्ट आईपीएस की जगह प्रमोटी अफसरों को तवज्जो

भोपाल। मप्र में गतदिनों बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले हुए, जिसमें आईपीएस और आईएएस रैंक के अधिकारी शामिल थे। आईपीएस रैंक के कुल 50 अधिकारियों की ट्रांसफर किया गया। ट्रांसफर की दो लिस्ट जारी की गई। पहली लिस्ट में 20 अधिकारियों को इधर से उधर किया गया। वहीं दूसरे आदेश में 30 आईपीएस के तबादले किये गए। दोनों ही लिस्ट पर नजर दौड़ाएं तो देखने को मिलेगा कि डायरेक्ट आईपीएस की जगह इस बार प्रमोशन मिलने वाले अफसरों को मैदानी पोस्टिंग ज्यादा मिली है। कई शहरों के कप्तान अब प्रमोटी आईपीएस अफसर होंगे।

इस बार डीआईजी रैंक में भी प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों को मौका मिला है। छिंदवाड़ा डीआईजी रैंक के डी कल्याण चक्रवर्ती को हटाकर प्रमोटी आईपीएस राकेश कुमार सिंह को जिम्मेदारी दी गई। छतरपुर रेंज में भी विजय खत्री को कमान मिली है, जो भोपाल में डीसीपी रह चुके हैं। वहीं इंदौर ग्रामीण का डीआईजी धार के एसपी मनोज कुमार सिंह को बनाया गया है। वहीं इंदौर ग्रामीण रेंज डीआईजी निमिष अग्रवाल को रतलाम रेंज का डीआईजी बनाया गया जो डायरेक्ट आईपीएस हैं।

इन प्रमोटी अफसरों को मिला मौका

भोपाल ग्रामीण, इंदौर डीसीसी, श्योपुर, अलीराजपुर, उमरिया, सीधी, बैतूल, मैहर में प्रमोटी अफसरों को एसपी बनाया गया है। वहीं राजेश कुमार सिंह को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त इंदौर, हेमंत चौहान रीवा के डीआईजी, विनीत कुमार जैन बालाघाट डीआईजी, राजेश सिंह चंदेल भोपाल ग्रामीण के डीआईजी बनाए गए हैं। डीआईजी रेंज में प्रमोटी अफसरों में मोनिका शुक्ला भोपाल की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त बनाई गईं। देर रात हुए 30 आईपीएस अधिकारियों के तबादलों की लिस्ट में डीआईजी रैंक में सात प्रमोटी अफसरों को भेजा गया।

भोपाल में सीधी भर्ती के आईपीएस की संख्या में इजाफा

भोपाल की बात करें तो कुल तीन अधिकारियों का तबादला किया गया है। इसमें दो डीसीपी और एक ग्रामीण एसपी शामिल हैं। इनकी जगह जिन तीन अफसरों को मौका दिया गया, वे डायरेक्ट आईपीएस हैं। भोपाल नगरीय पुलिस में सीधी भर्ती के आईपीएस अफसरों की संख्या अब ज्यादा हो गई है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर के दोनों पदों पर पदोन्नति से आईपीएस हुए अफसर हैं। जबकि जोन तीन के डीसीपी अभिनव चौकसे, जोन वन के डीसीपी आशुतोष और जोन दो के डीसीपी विवेक सिंह बनाए गए हैं ये तीनों ही अधिकारी डायरेक्ट भर्ती वाले हैं।

छोटी और संतुलित होगी जिला कार्यकारिणी

भोपाल। मप्र कांग्रेस अब सक्रिय और जवाबदार कार्यकर्ताओं को पद देगी। इसकी वजह यह है कि पार्टी अपने हर एक पदाधिकारी को जवाबदार बनाना चाहती है। इस रणनीति के तहत पार्टी ने जिला कार्यकारिणी को लेकर एक प्लान बनाया है। इसे लेकर सर्कुलर जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि जिला कार्यकारिणी छोटी और संतुलित होगी। दिल्ली से निर्देश हैं कि तीन महीने में वार्ड से लेकर शहर की कार्यकारिणी बनाई जाए। मप्र कांग्रेस ने जिला कार्यकारिणी को लेकर प्लान तैयार किया है। इस बार जिला कार्यकारिणी छोटी और संतुलित होगी। दो विधानसभाओं वाले जिले में 50 सदस्यों की टीम होगी। तीन से चार विधानसभाओं वाले जिलों में 70 सदस्यीय और चार से ज्यादा विधानसभा वाले जिलों में अधिकतम 100 सदस्य रहेंगे।

आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण में मप्र देश में अव्वल

विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया समुदाय को मिलेगा लाभ

भोपाल। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया समुदाय के लिये स्वीकृत 217 आंगनवाड़ी भवनों में से 100 भवनों का तय समय-सीमा से पहले निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस उपलब्धि के साथ मध्यप्रदेश योजना के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य बन गया है। निर्धारित लक्ष्य की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए प्रथम चरण में बड़ी प्रगति दर्ज करते हुए शेष 117 आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण 31 मार्च 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024 से 2026 के बीच संचालित बहुउद्देशीय पीएम-जनमन अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों बैगा, भारिया और सहरिया समुदायों को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं से जोड़ना है। इस अभियान में नये आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण, पक्के भवनों की व्यवस्था और पूरक पोषण आहार का नियमित प्रदाय सुनिश्चित किया जा रहा है। इन आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा एवं पोषण मिलेगा, साथ ही जनजातीय समुदायों के समग्र विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

जिलेवार निर्माण और निवेश

शिवपुरी जिले में 39, श्योपुर में 37, शहडोल में 29, उमरिया में 23, गुना में 14, डिंडोरी में 12, अशोकनगर में 11, अनूपपुर में 7, मंडला एवं दतिया में 6-6, विदिशा, बालाघाट, ग्वालियर एवं सीधी में 5-5, जबलपुर एवं छिंदवाड़ा में 4-4, मुरैना में 2 तथा कटनी, भिंड और रायसेन में 1-1 आंगनवाड़ी भवन स्वीकृत किए गए हैं। प्रत्येक भवन पर लगभग 12 लाख रुपये का व्यय किया जा रहा है।

सामाजिक-आर्थिक विकास का मजबूत आधार

यह पहल जनजातीय बहुल इलाकों में नई उम्मीद और बदलाव की शुरुआत है। आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण केवल भौतिक संरचना नहीं बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास का मजबूत आधार भी है। इनके माध्यम से जहां बच्चों को बेहतर पोषण और शिक्षा उपलब्ध होगी, वहीं महिलाओं के स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय अभियान का यह चरण देश में जनजातीय कल्याण के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में देखा जा रहा है और मध्यप्रदेश ने इसे लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा में लांग आंसर वाले सवाल होंगे कम

भोपाल। मध्य प्रदेश बोर्ड से संबद्ध सरकारी और निजी स्कूलों में पांचवीं एवं आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा मार्च 2026 में आयोजित की जा सकती है। राज्य शिक्षा केंद्र ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार परीक्षा एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तकों और पाठ्यक्रम के आधार पर होगी।

परीक्षा परिणाम का आकलन अर्द्धवार्षिक परीक्षा (20 अंक), लिखित परीक्षा (60 अंक) और प्रोजेक्ट कार्य (20 अंक) के आधार पर किया जाएगा। इस बार प्रश्नपत्रों में बदलाव किया गया है। प्रत्येक विषय में दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की संख्या कम होगी, जबकि अति लघुउत्तरीय और लघुउत्तरीय प्रश्नों की संख्या अधिक रखी जाएगी। साथ ही 10 अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न भी शामिल होंगे। अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन भी ब्लू प्रिंट के आधार पर किया जाएगा। सरकारी स्कूलों के लिए प्रश्न-पत्र राज्य स्तर से तैयार कराए जाएंगे, जबकि निजी स्कूलों को ब्लू प्रिंट के अनुसार स्वयं प्रश्न-पत्र तैयार करने होंगे। दोनों कक्षाओं में पांच अंक के चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। वहीं छह-छह प्रश्न अति लघुउत्तरीय व लघुउत्तरीय होंगे। इसके अलावा पांच बहुविकल्पीय व पांच रिक्त स्थान के प्रश्न होंगे। प्रत्येक विषय की लिखित परीक्षा व आंतरिक मूल्यांकन में अलग-अलग न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। प्रत्येक विषय के बाह्य एवं आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त नहीं करने वाले विद्यार्थियों को पुनः परीक्षा में शामिल होना होगा।

आज रजत की कप्तानी में उतरेगी सेंट्रल जोन साउथ जोन के खिलाफ

नई दिल्ली। रजत पाटीदार की कप्तानी में सेंट्रल जोन दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ गुरुवार से मुकाबला करेगी। अपनी कप्तानी में आरसीबी को आईपीएल का खिताब दिलाने वाले रजत से दलीप ट्रॉफी में भी टीम को काफी उम्मीदें है। दलीप ट्रॉफी का फाइनल गुरुवार से बेंगलुरु में खेला जाएगा। रविचंद्रन स्मरण और दानिश मालेवर जैसे युवा खिलाड़ी फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने की कोशिश करने वाले है।

दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ी एशिया कप में भाग ले रहे हैं, जबकि कुछ खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले मैच के लिए इंडिया ए की टीम में शामिल हैं। जिससे यह मुकाबला कुछ हद तक नीरस रह गया है। सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार को छोड़कर कोई भी अन्य स्टार खिलाड़ी मैच में भाग नहीं ले रहा है। इसकारण युवा खिलाड़ियों के पास अपनी चमक बिखरने का यह शानदार मौका है। इन खिलाड़ियों में कर्नाटक के स्मरण प्रमुख हैं, जिन्होंने कर्नाटक के लिए सात प्रथम श्रेणी मैचों में 64.50 की औसत से 516 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। मालेवर ने क्वार्टर फाइनल में डबल सेंचुरी जड़ी थी। लिस्ट ए और टी-20 में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली है। उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप के 10 मैचों में 72.16 की औसत से 433 रन और छह टी-20 मैचों में 170 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के सामने निश्चित रूप से अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगा। सेंट्रल जोन के मालेवर ने पहले ही दलीप ट्रॉफी में अपनी छाप छोड़ दी है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमश: 203 और 76 रन बनाए। विदर्भ के इस 21 वर्षीय बल्लेबाज ने अब तक 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 59 की औसत से तीन शतकों के साथ 1077 रन बनाए हैं।

वहीं तमिलनाडु के 19 वर्षीय आंद्रे सिद्धार्थ के प्रदर्शन पर भी सभी की निगाहें रहेगी। जिन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत 612 रन के सत्र (2024-25) से की थी, इसमें उनका औसत 68 का था। दक्षिण और मध्य क्षेत्र दोनों का बल्लेबाजी विभाग मजबूत है। दोनों टीमों के पास कुछ कुशल गेंदबाज भी हैं, जिसमें मध्य क्षेत्र के दीपक भी शामिल है जो राष्ट्रीय टीम ने वापसी करने के लिए अच्छा प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाले है। मध्य क्षेत्र को गेंदबाजी विभाग में स्पिनर हर्ष दुबे, तेज गेंदबाज खलील अहमद और यश ठाकुर की कमी खलेगी, क्योंकि ये तीनों खिलाड़ी लखनऊ में भारत ए टीम में शामिल हो गए हैं। दक्षिण क्षेत्र भी देवदत्त पडिक्कल और नारायण जगदीशन जैसे बल्लेबाजों के बिना खेल रहा है।

टीम इस प्रकार हैं-

सेंट्रल जोन- रजत पाटीदार (कप्तान), आयुष पांडे, दानिश मालेवर, शुभम शर्मा, संचित देसाई, यश राठौड़, नचिकेत भुटे, कुमार कार्तिकेय सिंह, आदित्य ठाकरे, उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), अजय सिंह कुकना, अक्षय वाडकर (विकेटकीपर), दीपक चाहर, कुलदीप सेन, सारांश जैन।

साउथ जोन- मोहम्मद अजहरुद्दीन (कप्तान और विकेटकीपर), रिकी भुई (उप-कप्तान), रविचंद्रन स्मरण, काले एम, शेख रशीद, तन्मय अग्रवाल, सलमान निज़ार, आंद्रे सिद्दार्थ, तनय त्यागराजन, गुरजापनीत सिंह, एमडी निधिश, वासुकी कौशिक, अंकित शर्मा, टी विजय, बासिल एनपी. स्टैंडबाय- मोहित रेडकर, स्नेहल कौतनकर, ईडन एप्पल टॉम, अजय रोहेरा, जी अनिकेत रेड्डी।

सेल्फी विवाद मामले में पृथ्वी शॉ पर कोर्ट ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। मुंबई की डिंडोशी कोर्ट ने उन पर नोटिस का जवाब दाखिल न करने पर 100 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल की याचिका से जुड़ा है। कोर्ट ने शॉ को जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका दिया था, लेकिन उन्होंने आदेश का पालन नहीं किया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

मामले की जड़ फरवरी 2023 की है, जब मुंबई के अंधेरी स्थित एक पब में पृथ्वी शॉ और सपना गिल के बीच सेल्फी लेने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि बहस इतनी बढ़ गई कि शॉ और उनके दोस्त आशीष यादव ने गिल पर बल्ले से हमला किया। इसके बाद गिल और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। जमानत मिलने के बाद सपना गिल ने शॉ और उनके दोस्त के खिलाफ अंधेरी एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी याचिका में भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (छेड़छाड़), धारा 509 (महिला की गरिमा का अपमान) और धारा 324 (खतरनाक हथियार से चोट पहुंचाना) के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

पुलिस ने इस मामले में शॉ के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया था। इसके चलते गिल ने सीधे मजिस्ट्रेट कोर्ट का रुख किया। गिल का आरोप है कि सेल्फी को लेकर हुए विवाद के बाद शॉ और उनके साथी ने न केवल मारपीट की बल्कि महिला का अपमान भी किया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसने विवाद को और हवा दी। अब कोर्ट की सख्ती के बाद शॉ के सामने कानूनी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। भारतीय क्रिकेट में लगातार वापसी की कोशिश कर रहे इस ओपनर के लिए मैदान से बाहर चल रहा यह विवाद उनकी छवि पर एक और धब्बा बनकर सामने आया है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीरंदाजों का रहा निराशाजनक प्रदर्शन

ग्वांगजू। दक्षिण कोरिया में भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा और उसके सभी तीरंदाज एकल वर्ग के पदक पाने में असफल रहे। भारत के तीनों खिलाड़ियों में राहुल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे राउंड में जगह बनाई, लेकिन शूट-ऑफ में जॉर्जिया के एलेक्जेंडर माचावरियानी से 5-6 (8-10) से हार गए। इस खिलाड़ी ने 5-3 की बढ़त बना ली थी लेकिन अंतिम दो सेटों में वह लड़खड़ा गए।

पहला सेट 28-28 से बराबर करने के बाद राहुल ने दूसरे सेट में 30-30 का शानदार स्कोर बनाया और तीसरे सेट में 28-27 से जीत हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली। चौथे राउंड में उन्हें केवल ड्रॉ की जरुरत थी, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके जिससे उनके विरोधी खिलाड़ी को मौका मिल गया। जॉर्जियाई खिलाड़ी ने पांचवां सेट 28-27 से जीतकर शूट-ऑफ कराया जहां राहुल ने आठ अंक हासिल किए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी का स्कोर परफेक्ट 10 था। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से था। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को पहला सेट 29-29 से बराबर करने के बाद 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर में गाजोज के दो 10 ने उन्हें 29-28 की बढ़त दिला दी।

तुर्किए के तीरंदाज ने तीसरे सेट में 29-28 के साथ अपनी बढ़त 5-2 कर ली। धीरज ने चौथा सेट 29-29 से बराबर किया लेकिन यह गाजोज को जीत से रोकने में असफल रहे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी नीरज चौहान को उज्बेकिस्तान के बोबराजाबोव बेकजोद से सीधे सेटों में 27-29, 27-28, 26-29 से हार का सामना करना पड़ा।

एशिया कप से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-पाक कप्तानों ने नहीं मिलाए हाथ

नई दिल्ली। एशिया क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने एशिया कप से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जहां सभी 8 टीमों के कप्तान 2025 एशिया कप की शुरुआत से पहले मिले। ज्यादातर सवाल पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा और भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से पूछे गए। हालांकि जिस पल की चर्चा पूरे सोशल मीडिया पर हुई, वह था जब दोनों भारत और पाकिस्तान के कप्तानों ने एक-दूसरे को नजरअंदाज करते हुए हाथ नहीं मिलाया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होते ही सलमान अपनी सीट से उठे और हांगकांग और ओमान के कप्तानों के साथ मंच से उतरे। दूसरी ओर सूर्यकुमार अफगानिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के कप्तानों के साथ बातचीत के लिए वहीं रुक गए। सभी ने हाथ मिलाया, गले मिले और फिर मंच से उतर गए। खास बात यह थी कि इस साल यह पहली बार नहीं था जब भारतीय खिलाड़ियों का हाथ मिलाना, या हाथ न मिलाना, चर्चा का विषय बना। इससे पहले इस साल गर्मियों में 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे में इसी तरह के एक

वाकये ने सोशल मीडिया पर विशेषज्ञों और प्रशंसकों के बीच बहस छेड़ दी थी।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में ऐसा ही हुआ, जब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ड्रॉ स्वीकार करते हुए भारत के रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर से हाथ मिलाने की पेशकश की, लेकिन दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने इनकार कर दिया और अपने-अपने शतक बनाने के लिए बल्लेबाजी जारी रखी जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस भी हुई थी। एशिया कप में भारत-पाक कप्तानों के बीच हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस की घटना ने उनके मुकाबले से पहले तनाव को बढ़ा दिया है जिससे 14 सितंबर का मुकाबला और रोचक हो गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का बहु-चर्चित मुकाबला 14 सितम्बर को खेला जाएगा।

भारतीय टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

रिजर्व खिलाड़ी - प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

2.6 करोड़ की इनाम राशि से 8 गुना ज्यादा कीमती घड़ी पहने प्रैक्टिस कर रहे हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एशिया कप 2025 से पहले चर्चा में बने हुए है। ट्रेनिंग सेशन के दौरान नए हेयरस्टाइल और उनकी घड़ी की वजह से खूब सुर्खियां बढ़ोर रहे है। एशिया कप 2025 से पहले हार्दिक पांड्या ने अपने बालों को ग्रे शेड में कराया है। हार्दिक को प्रैक्टिस सेशन के दौरान रिचर्ड मिल आरए 27-04 घड़ी पहने दिखाई दिए। इस घड़ी का वजन 30 ग्राम के करीब है। जिसकी कीमत 20 करोड़ रुपये के करीब हैं, जो एशिया कप की प्राइज मनी से करीब 8 गुना ज्यादा है। ये घड़ी खासतौर पर टेनिस लीजेंड राफेल नाडल के लिए बनाई जाती हैं, इसलिए घड़ी को राफेल नडाल एडिशन भी कहते हैं। एशिया कप जीतने वाली टीम को करीब 2.6 करोड़ रुपये की इनाम राशि मिलेगी।

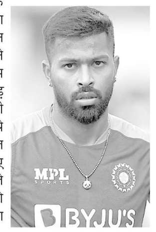

एशिया कप 2025 का आगाज 9 सितंबर से अबूधाबी में हो चुका है। जहां अफगानिस्तान ने अबू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में हांगकांग को 94 रनों से हरा दिया। टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले में 10 सितंबर को भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज करेगी जिसमें दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में उनका सामना यूएई से होगा। गौर है कि भारत का एशिया कप 2025 में पहला मैच 10 सितंबर को दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ होगा जिसके बाद 14 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के साथ बहुप्रतीक्षित मुकाबला होगा। वहीं अबू धाबी में ओमान के खिलाफ 19 सितंबर को भारत अपने ग्रुप चरण का आखिरी मैच खेलेगा। आठ बार एशिया कप की ट्रॉफी जीतकर भारत टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम है।

आरसीबी से प्रस्ताव मिलने के समय नाइट क्लब में था - गेल

जमैका। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल ने खुलास किया है कि साल 2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने जब उनसे संपर्क किया था। तब वह बेहद निराश होने के कारण मन बहलाने के लिए एक नाइट कलब गये हुए थे। गेल के अनुसार उन दिनों विश्व कप में मिली हार के बाद उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भी टीम से बाहर कर दिया गया था। इसी कारण वह क्रिकेट से दूर होने के कारण परेशान थे।

इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा, साल 2011 में जब उन्हें आरसबी से फोन आया तो वह एक नाइट क्लब में गये हुए थे। विश्वकप में हार के साथ ही मुझे चोट भी आई हुई थी। इसी कारण मैं बहुत निराश था। गेल ने कहा, 'मुझे कॉल आया। दूसरी ओर विजय माल्या और अनिल कुंबले थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं फिट हूं। मैं सोच रहा था कि क्या यह सब कुछ सच में हो रहा है। मैंने जवाब दिया- हां, मैं फिट हूं। उन्होंने कहा- अगर आप फिट हैं तो कल आप दूतावास जाइए और वीजा ले लीजिए।

एशिया कप में उमरजई की तूफानी पारी ने अफगानिस्तान को दिलाई जीत

नई दिल्ली। राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम ने एशिया कप 2025 का आगाज धमाकेदार जीत से किया। हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ हुए पहले मुकाबले में टीम ने 94 रनों से बड़ी जीत हासिल की। यह अफगानिस्तान की एशिया कप में सबसे बड़ी और टूर्नामेंट की रनों के मामले में तीसरी सबसे बड़ी जीत है। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए अजमतुल्लाह उमरजई के तूफानी पारी के दम पर 20 ओवर में 188 रन बनाए, इसके जवाब में हॉन्ग कॉन्ग की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 94 रन ही बना सकी। राशिद खान ने जीत का क्रेडिट उमजई को दिया और मैच के बाद बताया कि क्यों मुजीब उर रहमान जैसे गेंदबाज को उन्होंने प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा।

राशिद ने मैच के बाद कहा कि टीम ने शानदार खेला। शुरुआत में विकेट लेना हमारे लिए अहम था। पिछली सीरीज में भी यही समस्या थी। यही एक क्षेत्र है जिसमें हमें सुधार करना है। डेथ ओवरों में बल्लेबाजी शानदार रही। खासकर उमरजई। हमारे पास अच्छे स्पिनर हैं। इससे विपक्षी टीम पर दबाव बनता है। जब आप रन बनाते हैं, तो बल्लेबाज जोखिम उठाते हैं और हमारे पास विकेट लेने का मौका होता है। हम लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छा रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे।

प्लेइंग इलेवन क्या होगी, यह देखना मुश्किल था। मुजीब को बाहर रखना एक मुश्किल फैसला था। आप कभी-कभी कॉम्बिनेशन की तलाश में रहते हैं। अच्छी बात यह है कि मेरे पास विकल्प है और इससे मेरे लिए काम आसान हो जाता है। अफगानिस्तान का इस जीत से नेट रन रेट +4.700 का हो गया है, जो उन्हें अगले राउंड में पहुंचाने में मदद करेगा। उनका अगला मैच 16 सितंबर को बांग्लादेश से होगा।

35 लाख रुपये के केले खा गए खिलाड़ी...सुनकर चौंक गए क्या?

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड में बनाना घोटाला

देहरादून। 12 करोड़ का फंड और उसमें से भी 35 लाख के केले खा गए....ज्सुनकर चौंक गए क्या? दरअसल, भारतीय क्रिकेट में बनाना घोटाला सामने आया है। अधिकारियों पर आरोप है कि केले के नाम पर करोड़ों रुपये हजम कर लिए है। अब पूरे मामले में हाईकोर्ट ने बीसीसीआई को नोटिस भेजकर जबाव मांगा है।

दरअसल, पूरा मामला क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) से जुड़ा है। जहां 12 करोड़ रुपये के सरकारी फंड के दुरुपयोग हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट में एक ऑडिट रिपोर्ट दिखाई है, जिसमें 35 लाख रुपये सिर्फ 'खिलाड़ियों के लिए केले' पर खर्च किए गए ये दिखाया गया है।

सवाल यही है कि अब इतना केला तब पूरा जंगल भी नहीं खा सकता, जितना सीएयू अधिकारियों के मुताबिक खिलाड़ी खा गए। जस्टिस मनोज कुमार तिवारी की सिंगल बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। देहरादून निवासी संजय रावत और अन्य लोगों की याचिकाओं में कहा गया कि 2024-25 के वित्तीय वर्ष में एसोसिएशन ने 6.4 करोड़ इवेंट मैनेजमेंट पर और करीब 26.3 करोड़ टूर्नामेंट और ट्रायल्स पर खर्च दिखा दिया। पिछले साल ये खर्च 22.3 करोड़ था। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि खाने-पीने और आयोजन के नाम पर करोड़ों की हेराफेरी हुई जबकि खिलाड़ियों को वादा की गई सुविधाएं आज तक नहीं मिलीं। इस पर कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेकर अगली सुनवाई 12 सितंबर को तय की है।

सुपर-500 बैडमिंटन में सात्विक-चिराग की जोड़ी जीती, किरण भी बढ़े आगे

हांगकांग। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को हांगकांग ओपन सुपर-500 बैडमिंटन में जीत से शुरुआत की, जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है। पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग की पूर्व नंबर एक जोड़ी मुकाबले के शुरूआती गेम में अच्छी लय में नजर आई, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को दूसरे गेम में वापसी करने का मौका दे दिया। तीसरे गेम में

सात्विक और चिराग ने नेट का शानदार इस्तेमाल करते हुए दमदार स्मैश लगाकर वापसी की। आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अब जापान के केनया मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा तथा थाईलैंड के पीरचाई सुखफुन और पक्कापोन टीरारत्सुकुल के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। पुरुष एकल वर्ग में किरण ने क्वालीफायर में लगातार दो जीत हासिल करके मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने मलेशिया के चियाम जून वेई को 21-14, 21-13 से हराने के बाद अपने ही देश के एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-18, 21-14 से हराया। शंकर ने इससे पहले शुरुआती मुकाबले में इंग्लैंड के वांग यू हैंग को 21-10, 21-5 से हराया था। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान के खिलाड़ी किरण का अगला मुकाबला सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह से होगा। थारुन मन्नेपल्ली ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व के नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को क्वालीफायर के पहले मुकाबले में 28-26, 21-13 से हराकर बाहर कर दिया। 20 साल का यह खिलाड़ी हालांकि अपनी लय बरकरार नहीं रख सका और अगले मैच में मलेशिया के चौथे वरीय जस्टिन होह से 21-23, 13-21, 18-21 से हार गया।

कमिंस, स्टार्क और मेरा अभी संन्यास का इरादा नहीं - हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि अभी उनका ,पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क का करियर काफी समय तक चलेगा और कोई भी संन्यास के बारे में विचार नहीं कर रहा। इसलिए ये कहना कि एशेज सीरीज में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की तिकड़ी अंतिम बार उतरेगी कहना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हम तीनों में ही अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेलेंगे। अभी हम तीनों की उम्र 35 साल के आसपास है। कमिंस ने कमर में खिंचाव है। वहीं स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं जिसमें हम अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर तीनों ही इनका हिस्सा बनना चाहता है।

एसए20 नीलामी : ब्रेविस 8.3 करोड़ में बिके, आईपीएल से कई गुना ज्यादा लगी बोली

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस अब बेबी एबी नहीं रहे। वे अंतरराष्ट्रीय और फ्रैंचाइजी क्रिकेट में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। एबी का जलवा अब भी बरकरार है, लेकिन अब ब्रेविस को यकीन है जिसने उन्हें क्षमता का एहसास कराया, वे भी उनकी तरह जलवा बिखेर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर ब्रेविस पर मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका टी20 की नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ बोली लगी। ब्रेविस के लिए प्रिटोरिया कैपिटल्स में सौरव गांगुली और जोसबर्ग सुपर किंग्स में स्टीफन फ्लेमिंग जैसे चिर परिचित प्रतिद्वंदी नीलामी के मैदान में थे। आखिर में सुपर किंग्स को अपने इस अद्भुत खिलाड़ी को छोड़ना पड़ा क्योंकि ब्रेविस को 15.1 मिलियन रैंड यानी 8.3 करोड़ रुपए में खरीदा गया। जो आईपीएल 2025 में उनके रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में उनकी कीमत से करीब चार गुना ज्यादा है। एसए20 नीलामी में बड़ी खरीदारी में दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टी20 कप्तान हैं। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ दो बार दक्षिण अफ्रीका 20 लीग जीतने वाले मार्करम की सेवाएं डरबन सुपर जायंट्स ने 14 मिलियन रैंड यानी 7.04 करोड़ रुपए में हासिल कीं। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट तिहरे शतकवीर वियान मुल्डर को सुपर किंग्स ने 9 मिलियन रैंड यानी 4.53 करोड़ रुपए में खरीदा। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर गेराल्ड कोएत्जी सुपर जायंट्स के लिए 7.4 मिलियन रैंड यानी 3.72 करोड़ रुपए में खेलेंगे

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नंद्रे बर्गर को सुपर किंग्स ने 6.3 मिलियन रैंड यानी 3.17 करोड़ रुपए में खरीदने से पहले बोली लगाने की एक छोटी सी होड़ शुरू कर दी। विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके जिन्होंने हाल ही में वनडे रिकॉर्ड तोड़े हैं उन्हें सनराइजर्स ने 6.1 मिलियन रैंड यानी 3.07 करोड़ रुपए में खरीदा।

भारत के पूर्व क्रिकेटर ने टूर्नामेंट के स्टैंडर्ड पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 का आगाज हो चुका है, अफगानिस्तान ने पहले ही मैच में हॉन्ग कॉन्ग पर धमाकेदार जीत दर्ज कर शुरुआत की। एशिया कप में कुल 8 टीमें भाग ले रहीं हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आर अश्विन ने टूर्नामेंट के स्टैंडर्ड पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि या तो साउथ अफ्रीका जैसी बड़ी टीम को इस टूर्नामेंट में शामिल किया जाना चाहिए या फिर टूर्नामेंट को रोचक बनाने के लिए भारत को अपनी ए टीम भेजनी चाहिए थी।

अश्विन ने इंडिया वर्सेस यूएई एशिया कप से पहले अपने यूट्यूब चैनल पर एशिया कप के स्टैंडर्ड पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट के जरिए भारत आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि वे साउथ अफ्रीका को शामिल करके इसे एफ्रो-एशिया कप जैसा बना सकते हैं ताकि टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धी हो सके। अभी जैसा है, उन्हें शायद भारत-ए टीम को इसमें शामिल करना चाहिए ताकि मुकाबला कुछ खास हो। हमने बांग्लादेश के बारे में बात तक नहीं की है। क्योंकि उनके साथ बात करने के लिए कुछ है ही नहीं। ये टीमें भारत के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कैसे कर पाएंगी?

उन्होंने कहा कि यह 2026 टी20 वर्ल्ड कप कोई पर्दा उठाने वाला कार्यक्रम नहीं है, यह बस एक पर्दा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आजकल बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तेजी से उबर रहे हैं। वह विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्थ के बाद अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भारतीय टीम में वापस कर सकते हैं। चोटिल होने के कारण ही एशिया कप से भी बाहर हैं। ऋषभ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भारतीय चयनकर्ताओं ने एशिया कप के लिए संजू सैमसन और जितेश शर्मा को विकेटकीपर के रूप में रखा है।

पिघलने लगी अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ की बर्फ, ट्रम्प बोले

मोदी अच्छे दोस्त, ट्रेड बैरियर पर उनसे बात करूंगा

पीएम मोदी बोले- मैं इंतजार कर रहा हूं, बेहतर डील करने के लिए टीमें बात कर रहीं

वॉशिंगटन। भारत-अमेरिका ट्रेड डील नेगोशिएशन और टैरिफ टेंशन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच चल रही बातचीत जल्द किसी बेहतर नतीजे पर पहुंचेगी। ट्रम्प ने कहा कि वे सभी तरह के ट्रेड बैरियर खत्म करने के लिए आने वाले हफ्तों में प्रधानमंत्री मोदी से बात करेंगे।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच ट्रेड बैरियर को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। आने वाले हफ्तों में मैं अपने बहुत अच्छे दोस्त, पीएम मोदी से बात के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों महान देशों के लिए एक सफल नतीजे पर पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

ट्रम्प के इस पोस्ट के करीब 5 घंटे बाद पीएम मोदी ने भी एक एक्स पोस्ट में लिखा कि भारत और अमेरिका अच्छे दोस्त और नेचुरल पार्टनर हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारी ट्रेड नेगोशिएशन भारत-अमेरिका पार्टनरशिप के असीमित संभावनाओं को खोलने का रास्ता बना देगी। हमारी टीमें इन चर्चाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए मेहनत कर रही हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रम्प से बात करने का भी इंतजार कर रहा हूं। हम साथ मिलकर दोनों देशों के लोगों के लिए एक बेहतर और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करेंगे। दरअसल, अमेरिका ने भारत पर ज्यादा टैरिफ वसूलने और रूस से तेल खरीदने की वजह से कुल 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, जिसके चलते भारत का करीब 85 हजार करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इससे दोनों देशों के संबंधों में फिलहाल कड़वाहट है। हालांकि, दोनों देशों की टीमें एक बेहतर ट्रेड डील पर पिछले 6 महीने से बात कर रही हैं।

भारत-अमेरिका संबंध बहुत ही खास

इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में भारत-अमेरिका संबंधों को बहुत ही खास रिश्ता कहा था। उन्होंने कहा था कि वे और पीएम मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने कहा था कि मैं हमेशा तैयार हूं, मैं हमेशा पीएम मोदी का दोस्त रहूंगा। वह एक महान पीएम हैं। उनकी दोस्ती हमेशा रहेगी, लेकिन इस समय वह जो कर रहे हैं वो सब मुझे पसंद नहीं आ रहा है। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत ही खास रिश्ता है। चिंता की कोई बात नहीं है। दोनों के बीच कभी-कभी कुछ पल ऐसे भी आते हैं।

राहुल गांधी ने बूथ कार्यकर्ताओं को किया संबोधित, बोले

महाराष्ट्र-हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के पक्के सबूत मिले

रायबरेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली की हरचंदपुर विधानसभा सीट पर बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहले हमें लगता था कि चुनाव परिणाम में दाल में कुछ काला है पर महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम देखने के बाद हमें वोट चोरी के ब्लैक एंड वाइट सबूत मिले। उन्होंने कहा कि चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। जनता से उनका हक छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं। हम सब संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं रायबरेली में राहुल गांधी ने प्रजापति समाज के सम्मेलन में भाजपा और आरएसएस को निशाने पर लिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- देश में 90 फीसदी आबादी ओबीसी, दलित और आदिवासियों की है। लेकिन ये भाजपा-आरएसएस के लोग नहीं चाहते कि ये कभी आगे बढ़ें। ये चाहते हैं कि दलित वहीं पर रहे, अंबानी जहां हैं वहीं पर रहें। प्रधानमंत्री मोदी खुद ओबीसी हैं, लेकिन जाति जनगणना पर कुछ नहीं बोलते। मैंने संसद में इसपर सवाल किया तो वे डेढ़ घंटे तक भाषण देते रहे लेकिन जाति जनगणना पर एक भी शब्द नहीं बोले।

कॉर्पोरेट की बड़ी कुर्सी पर एक भी ओबीसी नहीं

राहुल गांधी ने आगे कहा कि कॉर्पोरेट इंडिया की किसी कंपनी की सीनियर मैनेजमेंट की सूची निकाल लीजिए, इसमें एक भी ओबीसी का नाम नहीं मिलेगा। टाटा, अंबानी, अडानी, बिड़ला। इसमें एक भी व्यक्ति आपको ओबीसी का नहीं मिलेगा। जब आप मनरेगा की सूची निकालेंगे तो आपको इसमें ओबीसी का नाम मिल जाएगा। आपका कर्जा कोई माफ नहीं करेगा। अंबानी अडानी का कर्ज सरकार माफ कर देती है। हजारों करोड़ों का कर्म माफ हो जाता है। प्रजापति समाज 9 करोड़ की आबादी में हैं। आपने इतिहास पढ़ा है लेकिन उसमें आप कहीं पर नहीं हैं। प्रजापति समाज भारत के इतिहास में नहीं है।

मैंने प्रजापति नाम शब्द इतिहास में नहीं पढ़ा।

आरएसएस चाहता है कि समाज में जो व्यक्ति जहां है वो वहीं रुका रहे। वो चाहते हैं दलित हैं वहीं रहें, ओबीसी जहां हैं वहीं रहें। लेकिन हम चाहते हैं कि प्रजापति समाज, ओबीसी समाज का बच्चा अंबानी जैसा बिजनेसमैन बने। यही मेरी लड़ाई है। आप लोग मेरी प्रेरणा हैं, मैं आप लोगों से काफी कुछ सीखता हूं। आपको कभी कोई जरूरत हो तो मेरे दरवाजे हमेशा आपके लिए खुले हैं।

सपा नेता ने राहुल गांधी को पोस्टर में बताया ब्रह्मा

इधर, रायबरेली में राहुल गांधी के दौरे को लेकर सपा लोहिया वाहिनी प्रदेश सचिव राहुल निर्मल बागी का एक पोस्टर चर्चा में हैं। इसमें राहुल-अखिलेश और तेजस्वी को ब्रह्मा, विष्णु, महेश के रूप में दर्शाया गया है। पोस्टर को लेकर राहुल निर्मल बागी ने कहा- जिस तरह राहुल, अखिलेश और तेजस्वी दबे कुचले लोगों की आवाज बनकर उभरे हैं। निश्चित रूप से वे कलयुग के ब्रह्मा, विष्णु और महेश का अवतार हैं। पोस्टर को लेकर भाजपा प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा- राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव राजनीति के इच्छाधारी हिंदू हैं, जो चुनाव आते ही अपना रूप और रंग बदल लेते हैं।

बिहार, झारखंड और प.बंगाल में 3,169 करोड़ रु की रेलवे लाइन को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है। इस बढ़ी हुई लाइन क्षमता से परिवहन में सुधार होगा जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी। इस मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी जिससे भारतीय रेलवे के इन सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास संभव होगा। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाएगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा। ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के साथ परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएं रेल यातायात के साथ-साथ सामानों की ढुलाई के लिए भी निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

500 करोड़ का टैक्स रिफंड घोटाला

10 हजार से ज्यादा आयकर रिटर्न के दावे निकले फर्जी

पुणे। पुणे में आयकर निदेशालय ने बड़ा खुलासा करते हुए 500 करोड़ रुपये के टैक्स रिफंड घोटाले का पर्दाफाश किया है। यह घोटाला पेशेवरों के एक गिरोह ने मिलकर किया, जो खुद को रिफंड विशेषज्ञ बताकर लोगों को झांसा देते थे।

जांच में सामने आया है कि इस गिरोह ने पांच साल से अधिक समय तक काम किया और 10,000 से ज्यादा आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनके निशाने पर ज्यादातर प्राइवेट और मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वाले सैलरीड कर्मचारी थे।

टैक्स रिफंड घोटाले का पर्दाफाश

गिरोह अपने क्लाइंट्स को असामान्य रूप से ज्यादा टैक्स रिफंड दिलाने का लालच देता था। रिटर्न की जांच में एक जैसा पैटर्न सामने आया। ज्यादातर मामलों में हाउसिंग लोन का ब्याज और मूलधन चुकौती, मेडिकल खर्च, इंश्योरेंस प्रीमियम, शिक्षा ऋण और एचआरए जैसे दावों को बढ़ा-चढ़ाकर या पूरी तरह फर्जी दिखाया गया। इन दावों के लिए कोई दस्तावेज नहीं दिए गए थे। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह कोई इक्का-दुक्का मामला नहीं बल्कि एक संगठित रैकेट था, जिसने पुराने फाइलिंग सिस्टम की खामियों का फायदा उठाया। अब इन खामियों को मौजूदा व्यवस्था में दूर किया जा चुका है।

मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वाले थे निशाने पर

आयकर विभाग ने पेशेवरों पर कार्रवाई शुरू कर दी है और अब उन टैक्सपेयर्स की पहचान की जा रही है जिन्होंने इस धोखाधड़ी से फायदा उठाया। विभाग ने साफ किया है कि करदाता जिम्मेदारी से नहीं बच सकते और उन पर जुर्माना व मुकदमा चलाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, यह हाल के वर्षों में पकड़े गए सबसे बड़े रिफंड घोटालों में से एक है। पहले भी पैन, टीडीएस क्रेडिट और फर्जी ट्रस्ट से जुड़ी गड़बड़ियां सामने आई थीं, लेकिन पुणे का यह मामला पैमाने और संगठन के लिहाज से अलग है।

जिले में बढ़ रही मोबाइल हैकिंग की घटनाएं

अनजान नंबरों से आने वाले लिंक और एपीके फाइल से मोबाइल हो रहे हैक , पुलिस ने जागरूकता के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में साइबर ठगी का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहा है। साइबर ठगों द्वारा नए-नए लुभावने वादे दिखाकर जिले की भोली भाली जनता को ठगी का शिकार बना रहे हैं। साइबर ठगों द्वारा जिले की जनता को मोबाइल पर लिंक भेज कर मोबाइल हैक कर रहे हैं । जिससे आमजन के अकाउंट कुछ ही पलों में खाली हो जा रहे हैं । ऐसे ही साइबर ठगी के कुछ मामले साइबर शाखा में आये हैं। जिसमें पुलिस द्वारा साइबर ठगी की इन घटनाओं में प्रार्थी से आवेदन लेकर आवश्यक कार्यवाहीं की जा रही है। साइबर पुलिस भी आमजन को जागरूक और सतर्क रहने की सलाह दे रही है। मोबाइल या व्हाट्सएप ग्रुप पर आने वाले किसी भी लिंक को खोलने से मना किया जा रहा है, क्योंकि अधिकतर मामले व्हाट्सएप पर आए मैसेज या लिंक को क्लिक करने के बाद ही आमजन के मोबाइल हैक होकर अकाउंट खाली हो रहे हैं। पुलिस द्वारा मोबाइल पर आने वाली लिंक और संदिग्ध जानकारी के परामर्श के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है।

आपको बता दे की जहां एक ओर पुलिस द्वारा साइबर ठगी से बचने के लिए नित्य नये जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं , तो वहीं साइबर ठग भी अब नए-नए तरीके से जिले की भोली भाली जनता को अपना निशाना बना रहे है। ऐसे ही कुछ ताजे मामले कोतवाली थाने के साइबर शाखा में दर्ज हुए हैं। इन दिनों अधिकतर साइबर शाखा में मोबाइल हैक होने की शिकायतें लगातार आ रही है। जिसमें साइबर ठगों द्वारा सबसे पहले आमजन के मोबाइल को हैक कर लिया जाता है और उसके बाद उसके परिचितों के मोबाइल पर लिंक भेज कर मोबाइलों को हैक किया जा रहा है , परिचित बन कर उनके रिश्तेदारों से पैसे की मांग की जा रही है। जिसमें आमजन भरोसे में आकर साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। ऐसे ही कुछ मामले साइबर थाने में आये हैं जिसमें सभी ने बताया कि अपने परिचितों के मोबाइल से नई लिंक भेजी गई थी जिसे क्लिक करते ही, उनके मोबाइल हैक हो रहे हैं और वह साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। साथ ही पुलिस द्वारा एडवाइजरी भी जारी की गई

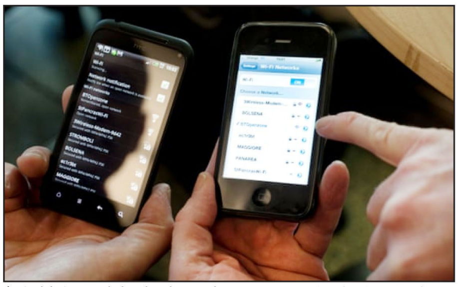

है की कोई भी नए नंबरों से आने वाले लिंक को ओपन ना करें, साथ ही एपीके फाइल को डाउनलोड ना करें, आमजन को यदि कोई संदिग्ध मैसेज या जानकारी आ रही हैं तो उसे स्पष्ट करने और जागरूकता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है ।

लगातार हो रहे मोबाइल हैक

इन दिनों कोतवाली थाने की साइबर शाखा में युवक, युतियों द्वारा लगातार मोबाइल हैक होने की शिकायत की जा रही है। जिसमें एक पीड़ित ने बताया कि उसे उनके एक परिचित के द्वारा व्हाट्सएप पर लिंक भेजी गई थी, जिसे उनके द्वारा ओपन किया गया और लिंक को ओपन करने के बाद युवक का मोबाइल हैक हो गया। जिससे कुछ ही घंटे में साइबर ठगों ने युवक के अलग-अलग दोस्तों से व्हाट्सएप और अन्य एप के माध्यम से मैसेज कर ,फोन पे के माध्यम से पैसे मांग लिए । एक और पीड़ित ने बताया कि 9 सितंबर की शाम वह अपने प्रतिष्ठान में कार्य कर रहा था, तब उसे उनके परिचितों के फोन आने लगे, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके मोबाइल के व्हाट्सएप से किसी की मौत होने की खबर भेजी जा रही है और उसके साथ कुछ फोटो और वीडियो एपीके फाइल के फॉर्मेट में भेजे जा रहे हैं, जिसे देखने के लिए उसे डाउनलोड करना होगा और डाउनलोड करते ही दूसरे का मोबाइल हैक हो रहा था, जिस पर उन्होंने तुरंत ही साइबर सेल की मदद से अपने मोबाइल को कुछ ही घंटे में ठीक करवा लिया, जिससे उनके साथ कोई बड़ी घटना नहीं हुई ।

हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया हैं - अभिलाष मिश्रा

साइबर शाखा प्रभारी अभिलाष मिश्रा द्वारा बताया गया कि इन दिनों साइबर शाखा में अधिकतर मोबाइल हैकिंग के मामले आ रहे हैं । जिसमें साइबर ठगों द्वारा नए-नए तरीके और सनसनी घटनाओं की जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप और आमजनों के व्हाट्सएप पर भेजे जा रहे हैं । जिसमें फोटो और वीडियो एपीके फाइल के फॉर्मेट में भेजा जा रहा है, जिसमें लोग हत्या जैसी घटनाओं के फोटो , वीडियो देखने के लिए उसे डाउनलोड कर रहे हैं और वह हैकिंग का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कोई भी अनजान नंबर और परिचितों द्वारा संदिग्ध रूप से दी जाने वाली जानकारी की फाइल को डाउनलोड ना करें, किसान भाइयों को भी शासकीय योजना से संबंधित आने वाली एपीके फाइल डाउनलोड ना करें, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा इन्हीं सब हो रही घटनाओं पर जागरूक और सतर्क रहने के लिए हेल्पलाइन नंबर 7049114619 जारी किया गया है। जिससे कोई भी मोबाइल धारक, संदिग्ध रूप से आने वाली लिंक और एपीके फाइल को डाउनलोड करने से पहले ,इस नंबर पर बात कर सकता है, जिसे साइबर ठगी की घटनाओं में कमी लायी जा सके ।

एक व्यक्ति ने अपने घर की पट्टन में फांसी लगाकर की आत्महत्या

मानसिक रूप से अस्वस्थ था चेतन सिंह

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम टेडवा में किसी ग्राम के एक व्यक्ति ने अपने घर की पाटन में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बैहर पुलिस ने मृतक चेतन सिंह पिता ज्ञानीसिंह कुडापे 54 वर्ष का फांसी में लटका हुआ शव उसके घर के पाटन से बरामद किए। और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए । प्राप्त जानकारी के अनुसार चेतन सिंह अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी, तीन बेटे और दो बेटी है। बताया गया है कि चेतन सिंह अपनी पत्नी उर्मिला के साथ अपने बेटे अपने राजेश के रहते थे। पिछले अप्रैल से चेतन सिंह का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था और उसे पागलपन का दौरा आते रहता था और घर से बिना बताए कहीं चले जाता था। 9 सितंबर को सुबह 5ः00 बजे चेतन सिंह घर में था उसका बेटा राजेश गाय बैल चराने के लिए खेत तरफ चला गया था और पत्नी उर्मिला खेत तरफ गई थी। थोड़ी देर बाद जब वह घर लौट गई थी।उस समय चेतनसिंह घर में ही था ।राजेश जब घर आया तब उसका पिता चेतन सिंह घर में दिख नही रहा था। पूछने पर उसकी मां ने बताई कि पता नहीं कहा चले गए। इसके बाद राजेश ने घर के पीछे तरफ के कमरे का दरवाजा खोला तो कमरे में चेतन सिंह बिस्तर में भी नहीं थे। फिर राजेश घर के दूसरे कमरे में देखा किंतु वहां पर भी चेतनसिह नहीं था। राजेश ने सोचा कि पिताजी कहीं पट्टन पर में तो नही चढ़ गए। तब उसने बीच वाले कमरे में देखा उसके पिता चेतन सिंह पट्टन में फांसी पर लटके हुए थे ।जिन्होंने नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी और उनकी मौत हो चुकी थी। चेतन सिंह द्वारा फांसी लगाने की खबर मिलते ही उसके परिवार और मोहल्ले के लोग भी आ गए। इस घटना की रिपोर्ट राजेश कुड़ापे 28 वर्ष ग्राम टेडवा निवासी ने बैहर थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक कैलाश पटेल अपने स्टाफ के साथ ग्राम टेडवा पहुंचे और चेतनसिंह की फांसी पर लटकी हुई लाश नीचे उतरवाये और पंचनामा कार्यवाही पश्चात चेतनसिंह का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों सौप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि चेतन सिंह ने पागलपर की वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आगे मर्ग जांच सहायक उप निरीक्षक श्री पटेल द्वारा की जा रही है।

मोटरसाइकिल फिसलने से युवक गंभीर रूप से घायल

घायल का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार, हालत नाजुक, नवेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम नैतरा मार्ग का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नैतरा मार्ग समीप मोटरसाइकिल फिसलने से, मोटरसाइकिल में सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे उपचार के लिए

डायल 112 वाहन से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।बुधवार की शाम हुए इस सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए युवक का नाम थाना किरनापुर ग्राम सिवनी कला निवासी 24 वर्षीय विजय पिता मंगल लिल्हारे बताया गया है।जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा विजय

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनी कला निवासी विजय लिल्हारे मानसिक रूप से कमजोर है।जो पिता के साथ खेती बाड़ी के काम में हाथ बटाता है। बताया गया कि बुधवार को घर के सभी लोग बालाघाट किसी काम से आए हुए थे, जबकि विजय घर पर अकेला था। जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम वह मोटरसाइकिल लेकर बालाघाट की तरफ आ रहा था। तभी नैतरा मार्ग के समीप उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई और वह मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उधर घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों द्वारा मामले की सूचना डायल 112 पर दी गई। जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है।जहां उसका उपचार जारी है।फिलहाल युवक की हालत गंभीर बताई गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये पर चाहिए

बालाघाट शहर में कोई भी ऐसी बिल्डिंग जिसमें न्युनतम 8000-9000 वर्ग फीट जगह हो, कोचिंग संस्थान चलाने के लिए लीज पर नवंबर 2025 से चाहिए। विद्यार्थियों के लिए पार्किंग सुविधा अनिवार्य है। पुरानी या बंद पाठशाला, कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग के मालिक नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करे।

Mob No. 8948940687,8889063333

आवश्यकता है

डाटा एण्ट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है

संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट